आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 2, अंक : 02 रांची, गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 (मार्गशीर्ष शुक्ल 12, संवत 2081) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

राज्यपाल का बड़ा एलान : सरकारी नौकरियों में झारखंड की महिलाओं को 33% आरक्षण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव होने के बाद पहला विधानसभा सत्र चल रहा है। आज बुधवार को विधानसभा में राज्यपाल संतोष गंगवार का अभिभाषण हुआ। इस दौरान राज्यपाल संतोष गंगवार ने बढ़ी घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

विधानसभा चुनाव में जेएमएम ने किया था वादा

झामुमो ने विधानसभा चुनाव में जारी किये गए घोषणा पत्र में वादा किया था कि जब वह सत्ता में आएगी तो महिलाओं को राज्य सरकार की हर नौकरी में 33 प्रतिशत आरक्षण देगी।

राज्यपाल ने पिछली विधानसभा के कामों की चर्चा की

अपने अभिभाषण के दौरान राज्यपाल ने झारखंड सरकार द्वारा पिछले विधानसभा में किये गए कार्यों की चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने आदिवासियों को 28 प्रतिशत, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण और अल्पसंख्यकों को 12 प्रतिशत आरक्षण दिया है। झारखंड सरकार ने सरना धर्म कोड बिल को पास कर दिया है। ये सभी बिल फिलहाल केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास लंबित पड़े हैं। उन्होंने सरकार की प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि सरकार इन प्रस्तावों को जल्द-जल्द से मंजूरी दिलाने का प्रयास करेगी।

केंद्र सरकार से 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये लाने के लिए लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण के दौरान कहा कि केंद्र और उनकी कंपनियों के बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये हासिल करने के लिए झारखंड सरकार कानूनी रास्ता देखेगी।

शेष पृष्ठ 08 पर

राज्यपाल ने गिनाईं उपलब्धियां

- केंद्र सरकार एवं उनकी कंपनियों के पास पड़ा राज्य का बकाया 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये वापस लाने के लिए राज्य सरकार कानूनी रास्ता भी अपनायेगी।
- हो, मुंडारी, कुड़ुख और अन्य जनजातीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की पहल करेंगे।
- सरकार आदिवासी-मूलवासी को स्थानीय नीति बनाकर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में शत प्रतिशत आरक्षण देने के लिये प्रतिबद्ध है।
- पांचवीं विधानसभा ने सर्वसम्मति से पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत, आदिवासी को 28 प्रतिशत और दलित को 12 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक एवं सरना-आदिवासी धर्म कोड को पारित कर स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा है, जो अभी गृह मंत्रालय में लंबित है।
- वर्षों से खासमहल एवं जमाबंदी की जमीनों पर रह रहे परिवारों को मान-सम्मान के साथ जीने का अधिकार देने के साथ-साथ गैरमजरुवा जमीन पर बसे रैयतों की भूमि जिसकी रजिस्ट्री और रसीद काटने पर 2017 में रोक लगा दी गयी थी, उसे प्रारंभ किया जायेगा।
- राज्य में निबंधित सभी पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण, बीमा और पेंशन का अधिकार सुनिश्चित किया जायेगा।
- सहारा इंडिया से पीड़ित राज्य के निवेशकों की लड़ाई सर्वोच्च न्यायालय से लेकर राज्य के हर न्यायालय और संसद से लेकर सड़क तक हर मोर्चे पर पूरी मजबूती से लड़ी जायेगी, जब तक राज्य के सभी निवेशकों का भुगतान न हो जाये।

संक्षिप्त

संत सियाराम बाबा का निधन

नई दिल्ली। संत सियाराम बाबा का निधन बुधवार सुबह गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी के अवसर पर हो गया। सियाराम बाबा ने सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार बाबा पिछले 10 दिनों से बीमार थे। उनका इलाज आश्रम के चिकित्सालय में ही चल रहा था। बुधवार शाम चार बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सियाराम बाबा मूलतः गुजरात के रहने वाले थे लेकिन वे काफी समय से खरगोग में रहकर मां नर्मदा की सेवा कर रहे थे।बाबा को निमोनिया की शिकायत थी और इंदौर के डॉक्टर उनका इलाज कर रहे थे। वे प्रभु श्रीराम के भक्त थे और उनकी ही सेवा में दिन बिताया करते थे।

बांग्लादेश ने किया स्वीकार, हिंदुओं पर बढ़ा अत्याचार

ढाका । बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटनाओं को बांग्लादेश सरकार ने स्वीकार कर लिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से यह सूचना सामने आई है कि बांग्लादेश की सरकार ने हिंदुओं पर हमले की 88 घटनाओं की पुष्टि की है। बांग्लादेश की ओर से यह बयान तब आया है, जब भारत ने वहां हिंदुओं पर हो रहे हमले की निंदा की और इसपर चिंताई जताई है।

15 अगस्त से दौड़ेगी पटना मेट्रो

पटना। नए साल का स्वतंत्रता दिवस पटना के लोगों के लिए मेट्रो का उपहार लेकर आने वाला है। राज्य सरकार ने 15 अगस्त 2025 तक पहली मेट्रो रेल चलाने का लक्ष्य रखा है। सबसे पहले मलाही पकड़ी से लेकर न्यू आइएसबीटी तक पांच एलिवेटेड स्टेशनों के बीच मेट्रो दौड़ेगी। बुधवार को नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने मेट्रो के प्रायोरिटी कोरिडोर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद मंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि अगस्त तक पटनावासियों को मेट्रो की सुविधा मिलने लगे।

11697.45 करोड़ का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश

मंईयां सम्मान योजना के लिए 6390.55 करोड़ आवंटित

प्रातःनागपुरी संवाददाता

- वित्त विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में पेश किया अनुपूरक बजट

- ऊर्जा विभाग के लिए 2577.92 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव

रांची। झारखंड की छठी विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन राज्य सरकार की ओर से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 11,697.45 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया।

यह वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट है। अनुपूरक बजट में सबसे अधिक राशि महिला बाल विकास विभाग के लिए आवंटित की गई है। इस विभाग की ओर से संचालित ह्यमुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए 6,390.55 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है।

यह योजना अगस्त महीने से शुरू की गई है, जिसके तहत करीब 57 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रुपए की राशि दी जा रही थी। सरकार ने दिसंबर महीने से राशि एक हजार से बढ़ाकर प्रतिमाह 2,500 रुपए कर दी है।

अनुपूरक बजट पेश किए जाने के पहले राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने अभिभाषण में इसकी घोषणा की। अनुपूरक बजट में स्कूली शिक्षा विभाग के लिए 272 करोड़, पथ निर्माण विभाग के लिए 170.15 करोड़, ग्रामीण विकास विभाग के लिए 194.28 करोड़, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के लिए 445.92 करोड़, ऊर्जा विभाग के लिए 2,577.92 करोड़ और पशुपालन विभाग के लिए 250.96 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

स्पीकर ने घोषणा की कि इस अनुपूरक बजट पर गुरुवार को सदन में चर्चा होगी। इसमें प्रत्येक दल से एक-एक प्रतिनिधि को बहस में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इसके साथ ही सदन गुरुवार दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके पहले बुधवार को सदन की कार्यवाही राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण के साथ शुरू हुई। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में राज्य की सरकार का रोडमैप और विकास की परिकल्पना सदन में प्रस्तुत की।

उन्होंने कहा कि 60 हजार शिक्षकों के पद भरे जाएंगे। इसके अलावा 15 हजार प्रधानाध्यापकों की नियुक्ति होगी। 10 हजार पुलिसकर्मियों की नियुक्ति और क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं को सुदृढ़ करने के लिए 10 हजार भाषा शिक्षकों को नौकरी देने का ऐलान भी अभिभाषण में किया गया।

शेष पृष्ठ 08 पर

जेएसएससी-सीजीएल के परीक्षार्थियों पर हुए लाठी चार्ज पर चंपाई सोरेन ने सरकार को घेरा, कहा- छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है भाजपा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सरायकेला से बीजेपी विधायक चंपाई सोरेन ने जेएसएससी सीजीएल के छात्रों पर हुए लाठी चार्ज के मामले में सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा है कि भाजपा आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। सरकार ने अपने पहले ही कार्यकाल में छात्रों पर लाठी चार्ज कर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है।

आंदोलन को कुचलने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण

चंपाई सोरेन ने आगे लिखा है 'हमारा स्पष्ट तौर पर मानना है कि अगर नियुक्ति समेत किसी भी सरकारी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हों, तो उसकी सीबीआई जांच कर इस पूरे विवाद का सर्वमान्य हल निकाल सकती है। लेकिन जिस प्रकार लाठियों के दम पर युवाओं के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है।'

भाजपा आंदोलन कर रहे छात्रों के साथः पूर्व सीएम

चंपाई सोरेन ने लिखा है कि भाजपा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी है।

शेष पृष्ठ 08 पर

जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र करे राज्य सरकार : झारखंड हाईकोर्ट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार अति शीघ्र जेपीएससी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति करे। कोर्ट ने यह बात बुधवार को जेपीएससी 11 से 13 सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार एवं रिजल्ट जल्द प्रकाशन करने को लेकर दाखिल पवन कुमार वर्मा की रिट याचिका की सुनवाई के दौरान कही।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने झारखंड सरकार को जल्द से जल्द जेपीएससी अध्यक्ष के रिक्त पद को भरने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जेपीएससी में अध्यक्ष का पद पिछले तीन माह से रिक्त रहने से कई नियुक्ति प्रक्रिया बाधित हो रही है। झारखंड वेलफेयर स्टेट है। यहां विधानसभा चुनाव होने के बाद एक पॉपुलर सरकार भी बन चुकी है। एक बेहतर स्टेट होने के नाते झारखंड में जेपीएससी अध्यक्ष के रिक्त पद को जल्द से जल्द भरे जाने की उम्मीद की जा रही है।

कोर्ट ने कहा कि जेपीएससी के कैलेंडर के तहत अगस्त माह में साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हो जानी थी। जेपीएससी के अध्यक्ष के पद रिक्त होने से कई अभ्यर्थियों को उम्र सीमा के नुकसान होने एवं उनके करियर पर असर पड़ने की भी संभावना है। झारखंड में नई सरकार का गठन हो चुका है। कैबिनेट की बैठक भी हो रही है और सदन की कार्रवाई भी चल रही है। इसके अलावा संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। ऐसे में जेपीएससी के अध्यक्ष पद पर क्यों अब तक नियुक्ति नहीं हो रही है? सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने कोर्ट को बताया कि जेपीएससी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के उचित कार्रवाई कर रही है। ऐसे में जेपीएससी अध्यक्ष का रिक्त पद जैसे ही भरा जाएगा। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की कार्रवाई तत्काल शुरू हो जाएगी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा।

प्रवासी मजदूर की मलेशिया में मौत शव मंगवाने को ले सरकार से गुहार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो : जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के करीखुर्द निवासी शनिचरा महतो के 22 वर्षीय पुत्र जगदीश महतो की मलेशिया में काम के दौरान टावर से गिरने से मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक है। मृतक जगदीश मलेशिया में एजी पावर कंपनी में काम करता था। वह घर का इकलौता कमाऊ था। मृतक अपने पीछे बेटी राधिका कुमारी (7) और आशीष कुमार महतो (5) को छोड़ गया है। मृतक के परिजनों ने उनका शव लाने के लिए सरकार से गुहार लगाई है।

वहीं इस घटना को लेकर प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने सरकार से मलेशिया से शव लाने की अपील करते हुए कहा कि झारखंड के नौजवानों की मौत की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई युवकों की मौत हुई है। रोजी-रोटी की तलाश में परदेश गए झारखंडी युवकों की मौत का सिलसिला जारी है।

शेष पृष्ठ 08 पर

रामकथा संग्रहालय में सुरक्षित होंगे कानूनी लड़ाई के 30 हजार दस्तावेज

अयोध्या : राम मंदिर के मुकदमों में प्रयोग किए गए दस्तावेजों और फैसले के प्रति को संरक्षित और सुरक्षित रखने की कवायद शुरू कर दी गई है। अयोध्या में बनाए गए अंतरराष्ट्रीय श्रीराम कथा संग्रहालय और आर्ट गैलरी में मंदिर से जुड़े दस्तावेजों से लेकर खोदाई में मिली विभिन्न प्रकार की करीब 350 वस्तुओं को संरक्षित किया जाएगा। यहां राम जन्मभूमि मुक्ति के लिए चले लंबी कानूनी लड़ाई के अदालती दस्तावेज सुरक्षित किए जाएंगे। करीब 30,000 अदालती दस्तावेज सुरक्षित करने की योजना है। राम मंदिर के हक में सुप्रीम कोर्ट से आए फैसले की कॉपी भी यहां सुरक्षित की जाएगी।

कांग्रेस ने बिहार में उठाई मुस्लिम डिप्टी सीएम की मांग, तो आरजेडी ने दिखाई आंख, जेडीयू ने भी घेरा

एजेंसियां

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पर मुस्लिम राजनीति का आरोप लगाया जा रहा है। चुनाव से पहले कांग्रेस ने राज्य में मुस्लिम डिप्टी सीएम की मांग की है। इस पर विरोधी पार्टियों का कहना है कि यह तुष्टिकरण की राजनीति है, लेकिन कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

तेजस्वी हो सीएम और मुस्लिम चेहरा बने डिप्टी सीएम

दरअसल बिहार में दो पार्टियों के नेता आपस में ही भिड़ गए है। कांग्रेस चाहती है कि 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में मुस्लिम डिप्टी सीएम बने, जब कि दूसरी पार्टी ने इस मामले में कांग्रेस को ही घेर लिया है। कांग्रेस के नेता शहनवाज आलम का कहना है कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री और किसी मुस्लिम नेता को उपमुख्यमंत्री बनाना चाहते है। अब सत्ता पक्ष के नेता खालिद अनवर ने इसका जवाब दिया है।

कांग्रेस पर लगानी होगी लगाम

कांग्रेस विधायक शहनवाज आलम ने कहा था कि बिहार में 2025 में कोई मुस्लिम नेता डिप्टी सीएम बनेगा और तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे और उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री होंगे, जिसमें एक मुस्लिम समुदाय से होगा। अब जनता दल यूनाइटेड के नेता अनवर इस बार पर भड़क गए और कहा कि अब कांग्रेस को मुसलमानों की याद आ रही है।

अल्पसंख्यकों का वोट नीतीश को

कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और असम सहित कई राज्यों में कांग्रेस ने मुस्लिमों की लीडरशिप को खत्म कर दिया है।

शेष पृष्ठ 08 पर

पीएम मोदी ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में युवाओं में भरा जोश, कहा

युवा का विजन ही सरकार का मिशन

एजेंसियां

नयी दिल्ली। पीएम ने कहा कि युवा इनोवेटर्स के पास 21वीं सदी के भारत को लेकर एक अनूठा नजरिया है। जो नवाचार समाधानों की ओर ले जाता है। जब आपके सामने नई चुनौतियां आती हैं, तो आप असाधारण जवाब देते हैं। यही सबसे बड़ी और अनोखी बात है।

पीएम मोदी ने बुधवार को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के ग्रांड फिनाले में भाग लिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हैकॉथान में शामिल हुए युवाओं को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि मैंने हमेशा लालकिले से एक बात कही है कि सबका प्रयास। आज का भारत सभी के प्रयास से ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के ग्रैंड फिनाले का मुझे बहुत इंतजार था। जब भी आप जैसे युवा इनोवेटर्स के बीच आने का मौका मिलता है तो मुझे भी बहुत कुछ जानने, सीखने और समझने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि युवा का विजन ही सरकार का मिशन है। इसलिए मेरे नौजवानों को जो भी चाहिए सरकार के रूप में हम उस दिशा में काम कर रहे हैं। मैंने लाल किले से कहा है कि देश की राजनीति

में एक लाख ऐसे युवाओं को लाऊंगा, जिनके परिवार से पहले कोई भी राजनीति में न रहा हो। पीएम ने कहा कि युवा इनोवेटर्स के पास 21वीं सदी के भारत को लेकर एक अनूठा नजरिया है। जो नवाचार समाधानों की ओर ले जाता है। जब आपके सामने नई चुनौतियां आती हैं, तो आप असाधारण जवाब देते हैं। यही सबसे बड़ी और अनोखी बात है। मैंने पहले भी हैकाथॉन में भाग लिया है और आपने मुझे कभी निराश नहीं किया। आपने मेरा मनोबल बढ़ाया है। आपकी पिछली टीमों द्वारा प्रस्तुत समाधान अब विभिन्न मंत्रालयों में उपयोग किए जा रहे हैं, जिससे पूरे देश में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हर बच्चा खास होता है और उसे बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए या खुद को उपेक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए, लगातार नए-नए समाधानों की आवश्यकता है। आपकी टीम के संबंधित समाधान लाखों बच्चों के जीवन को बदल देंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी में से एक है। हमारा देश बड़े पैमाने पर डिजिटली कनेक्ट हो रहा है, ऐसे में साइबर क्राइम का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है, इसलिए जिन समाधानों पर आप काम कर रहे हैं, ये भारत के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

शेष पृष्ठ 08 पर

सभापति जगदीप धनखड़ का अपमान करने के लिए लाया गया अविश्वास प्रस्ताव : किरन रिजिजू

एजेंसियां

नई दिल्ली : राज्यसभा में आज सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ जबरदस्त हंगामा हुआ। सत्ता-पक्ष के गतिरोध के बीच सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही शुरू होने के बाद संसद में संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना उनका अपमान करना है। विपक्ष सभापति का सम्मान नहीं करती है, इसलिए वे अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है।

किसान के बेटे का अपमान कर रहा है विपक्ष

राज्यसभा में किरन रिजिजू ने कहा कि 72 साल बाद एक किसान का बेटा उपराष्ट्रपति बना है और देश की सेवा कर रहा है तो विपक्ष उनपर आरोप लगा रहा है। वे सदन के बाहर उपराष्ट्रपति पर आरोप लगा रहे हैं और उनका अपमान कर रहे हैं। लेकिन हम चेयर का आदर करते हैं और हम विपक्ष की मंशा को पूरा नहीं होने देंगे।

सोनिया और सोरोस के संबंधों की जानकारी दे कांग्रेस : रिजिजू

रिजिजू ने सदन में कहा कि सोनिया गांधी और अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस के बीच जो संबंध है उसका खुलासा किया। आखिर क्यों विपक्ष की नेत्री उस फाउंडेशन की सदस्य हैं, जो देश की अव्यवस्था को अस्थिर करना चाहता है? क्या कांग्रेस इस बात पर माफी मांगेगी।

शेष पृष्ठ 08 पर

Page - 02_Page - 02.qxd 12-12-2024 02:07 Page 1

संक्षिप्त

रांची रोड के पायल ज्वेलर्स में चोरी

रामगढ़। रांची रोड स्थित पायल ज्वेलर्स दुकान से बीती रात चोरों ने कीमती जेवरातों की चोरी कर ली। मामले को लेकर संचालक जीतेंद्र कुमार द्वारा कुजू ओपी में आवेदन दिया गया। वहीं, पुलिस ने दुकान पहुंचकर छानबीन किया। छानबीन में दुकान में लगे सीसीटीवी को खंगाला गया तो उसमें चोरों की तस्वीरे आ गयी है। इसके बाद संचालक ने सीसीटीवी कैमरे में कैद चोरों की तस्वीरों को पुलिस को सौप दिया। पुलिस छानबीन में जुटी है।

इटकी बनिया टोली में नर्सिंग होम का उद्घाटन

इटकी। इटकी बनिया टोली स्थित बुधवार को पूर्व जिप सदस्य लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव और थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से फिता काट कर डा. अशोक नर्सिंग होम का विधिवत उदघाटन किया।कार्यक्रम में नर्सिंग होम के संचालक आशुतोष पाण्डे ने बताया कि लोगों के लिए किफायती दर पर कई प्रकार के जांच की व्यवस्था के साथ फार्मेसी उपलब्ध है। कार्यक्रम में डा0 मनजय,अंकुर तिवारी,अनिवेश पाण्डे, कृष्णा राम तिवारी, बीके सिन्हा सहित दर्जणों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में चार लोग जख्मी

रातू। थाना क्षेत्र के एनएच 75 स्थित काटू मोड़ के समीप बुधवार की शाम दो बाईक में भिड़ंत से चार युवक घायल हो गये। इसमें ब्रजपुर निवासी कुणाल पांडेय व शिवम् सिंह और अलकमर कॉलोनी निवासी मो सद्दाम व मो शाहरुख शामिल हैं। दुर्घटना में कुणाल पांडेय का पैर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जबकि, शिवम् सिंह के सिर में गहरी चोटें आयी है। जानकारी के मुताबिक, दोनों बाईक सवार समान दिशा से आ रहे थे। ओवरटेक करने के क्रम में पीछे से एक दूसरे को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जबरजस्त थी कि चारों सड़क में गिर गये। दुर्घटना में बाईक के परखच्चे उड़ गये हैं। लहना पंचायत के उप मुखिया परमेश्वर सिंह ने उन्हे सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिये रिम्स रेफर कर दिया। पुलिस बाईक को जब्त कर थाने ले आयी है।

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

खूंटी। खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर तोरपा थाना क्षेत्र के ओरमेंजा गांव के पास बुधवार को यात्री बस और बाइक की हुई सीधी टक्कर में ज्योतिष होरो (22) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि आलोक टोपनो नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक रनिया थाना क्षेत्र के गरई डिगरी गांव का रहनेवाला था, जबकि घायल आलोक मरचा मिशन का रहनेवाला है। जानकारी के अनुसार ज्योतिष होरो की पत्नी सदर अस्पताल खूंटी में भर्ती है। ज्योतिष अपने दोस्त आलोक टोपनो के साथ अपनी पल्सर बाइक से कंबल पहुंचाने अस्पताल जा रहा था।

सड़क से सदन तक बढ़ी परीक्षा रद्द करने की मांग, 15 दिसंबर को छात्र करेंगे प्रदर्शन

प्रातःनागपुरी संवाददाता

रांची। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग तेज हो गई है। इस परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आहूत हजारीबाग बंद के दौरान मंगलवार को जेएसएससी सीजीएल अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज की गूंज विधानसभा तक पहुंच गई है।

बुधवार को आजसू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो सदन के बाहर हाथ में तख्ती लेकर धरने पर बैठे नजर आए। तिवारी महतो इस परीक्षा को रद्द करने के साथ ही सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे। इस बीच आजसू विधायक के बाद भाजपा विधायक पूर्णिमा दास ने भी इस परीक्षा का रिजल्ट जारी करने पर आपत्ति जताई है और मुख्यमंत्री से इसकी सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से इस परीक्षा में अनियमितता की शिकायतें आई हैं, उससे साफ है कि इसकी जांच होनी चाहिए और दोषी लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए. छात्र आंदोलन के जरिए विधानसभा पहुंचने में सफल रहे जयराम महतो ने कहा कि सरकार को अभ्यर्थियों से बात करनी चाहिए थी. मैंने सरकार को चेताया था और हजारीबाग में सड़क पर बैठे अभ्यर्थियों से बात करने को कहा था, लेकिन सरकार ने एक न सुनी और लाठीचार्ज में छात्र घायल हो गए। अभी भी समय है, सरकार छात्र हित में फैसला ले, नहीं तो आंदोलन तेज होगा।

विधानसभा में भी जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द करने और इसकी सीबीआई जांच की मांग तेज हो गई है

राजभवन के पास जुटेंगे हजारों छात्र

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा एक बार फिर विवादों में है। परीक्षा के दौरान गड़बड़ी का आरोप लगाने वाले छात्रों का गुस्सा रिजल्ट जारी होने के बाद और तेज हो गया है। यही वजह है कि हजारीबाग बंद के बाद छात्रों ने 15 दिसंबर को राजधानी रांची में राजभवन के पास धरना देने का फैसला किया है, जिसमें राज्य भर से हजारों छात्र जुटेंगे। गौरतलब है कि हाल ही में जारी रिजल्ट के बाद सफल छात्रों का सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक किया जाएगा, उससे पहले 15 दिसंबर को छात्र राजधानी रांची में बड़ा आंदोलन कर सरकार को संदेश देने वाले हैं। इन सबके बीच शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा है कि लाठीचार्ज की जांच होगी और सरकार छात्रों के हितों को लेकर गंभीर है। बता दें कि विवादों के बीच झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने 21 और 22 सितंबर को आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक पात्रता संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 में किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया है।

जागरुकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गोला। रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय परिसर से एसयूडी लाईफ प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जागरुकता अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर बुधवार को रवाना किया। रथ रवाना करने के दौरान जिला अग्रणी प्रबंधक दिलीप महली, सुड लाइफ जोनल हेड डीके पाठक, बैंक ऑफ इंडिया के जोनल मैनेजर नरेंद्र कुमार मौजूद थे।

ये जागरुकता अभियान बैंक ऑफ इंडिया के बीमा कंपनी एसयूडी लाइफ इंश्योरेंस के द्वारा आयोजित किया गया है। यह जागरुकता रथ जिले की हर पंचायत के हर में गांव में पहुंचकर लोगों को बीमा से संबंधित जानकारी देगा। बीमा कराने के लिए प्रोत्सालहित करेगा। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जुड़ने के लिए प्रोत्सा हित करना है, ताकि इसका लाभ उन्हीं मिल सके। इस योजना में मात्र 20 रुपए सालाना प्रीमियम से 2 लाख का दुर्घटना बीमा एवं 436 रुपए सालाना प्रीमियम में किसी भी तरह की मृत्यु के उपरांत नामित व्यक्ति को 2 लाख का लाभ मिल सकता है।

एसपी ने की क्राइम मीटिंग, अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

पतरातू में सभी गिरोहों पर कसी जाएगी नकेल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। त्योहार और चुनाव के बाद रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बुधवार को क्राइम मीटिंग बुलाई। इस मीटिंग में उन्होंने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एसपी के तल्ख तेवर देख सभी थाना प्रभारी भी अलर्ट मोड में आ गए हैं।

एसपी ने थाना प्रभारियों को आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हर हाल में आपराधिक गिरोह पर नकेल कसना होगा। किसी भी सूरत में वैसे अपराधी बचने नहीं चाहिए जो अपना वर्चस्व कायम करने के लिए हवाई फायरिंग कर रहे हैं। संगठित अपराध के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। साथ ही सभी इलाकों में सघन छापेमारी होगी। एसपी अजय कुमार ने बताया कि चुनाव के बावजूद कई मामलों का निष्पादन हुआ है, जो कि सक्रिय पुलिसिंग का संकेत है। कई अपराधी जेल से छूटने के बाद किन गतिविधियों में शामिल हैं इस पर नजर रखना भी बेहद जरूरी है। इसलिए थाना प्रभारी को अलर्ट रहने और लगातार छापेमारी करते रहने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ जिले में कई घाटी हैं जिसमें अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। चुटूपालू घाटी के अलावा पतरातू वैली और गोला क्षेत्र में भी दुर्घटना संभावित क्षेत्र हैं। वाहन दुर्घटनाएं कैसे काम हो इसके लिए भी उपाय किए जा रहे हैं।

क्राइम मीटिंग में रजरप्पा थाना सबसे अधिक पासपोर्ट वेरीफिकेशन पेंडिंग रखने के मामले में चर्चित रहा। एसपी अजय कुमार ने बताया कि उन्हें तत्काल सारे पासपोर्ट का वेरिफिकेशन करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा पोस्को एक्ट और महिलाओं के साथ हुए हादसों का निष्पादन 2 महीने के अंदर करने का निर्देश भी जारी किया गया है।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि नए साल की शुरूआत होने वाली है और पिकनिक का माहौल अभी से ही बन गया है। पतरातु डैम और रजरप्पा क्षेत्र में लोगों का जमावड़ा भी लग रहा है। लेकिन ऐसे माहौल में हुड़दंगियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि उस क्षेत्र में थाना प्रभारी के अलावा एसडीपीओ भी लगातार निरीक्षण करेंगे। किसी भी स्तर पर पर्यटकों की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। पतरातू डैम में वोटिंग होती है वहां सुरक्षा मानकों का भी ध्यान रखे जाने का निर्देश दिया गया है।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि रामगढ़ जिला मीनिंग क्षेत्र से घिरा हुआ है। यहां कोयला और पत्थर के अवैध कारोबारी भी सक्रिय रहते हैं। सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि अवैध कारोबारियों पर कार्रवाई तत्काल होगी। किसी भी क्षेत्र से अवैध कारोबार को संचालित नहीं होगा। इस बैठक में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद पतरातू एसडीपीओ पवन कुमार रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे, सर्किल इंस्पेक्टर मांडू सुरेश लिंडा सर्किल इंस्पेक्टर गोला पंकज कुमार, पतरातू सर्किल इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह, मांडू थाना प्रभारी रंजीत यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत शुरू हुआ सेविकाओं का प्रशिक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले में समाज कल्याण विभाग के कार्यक्रम "पोषण भी पढ़ाई भी" के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण शुरू हुआ है। इस प्रशिक्षण के दौरान सेविकाओं को यह बताया जाएगा कि बच्चों को कैसे पोषण आहार उपलब्ध कराना है और उन्हें शिक्षा के स्तर पर भी मजबूत रखना है।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ होटल टी एंड ट्रीट के सभागार में दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर समाज कल्याण पदाधिकारी इन्दु प्रभा खलखो ने जानकारी दी कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच बैच में चलाया जाना है। जो दिनांक 11 दिसंबर से चार जनवरी तक निर्धारित है। इसमें 500 आंगनबाड़ी सेविकाएं सम्मिलित होगी। देश भर में पोषण और प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से 'पोषण भी पढ़ाई भी' की शुरूआत की गयी है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 0-3 एवं 03 से 06 वर्ष के बच्चों के लिए नवचेतना एवं आधारशिला के अन्तर्गत प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षा, पोषण, बच्चों के विकास के सभी आयामों, पोषण ट्रेकर एप, एसएएम,एमएएम बच्चे, एमसीपी कार्ड, स्थानीय चीजों का प्रयोग कर आंगनबाड़ी केन्द्रों को लर्निंग सेन्टर के तौर पर विकसित करने के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इस अभियान के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति, साक्षरता और संख्यात्मक कौशल में एक मजबूत नींव तैयार किए जाने को लेकर प्राथमिकता तय की गयी है, जिससे 0-6 वर्ष के बच्चों के सम्पूर्ण विकास पर फोकस किया जा सकें। प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों की सेविकाओं को कौशल प्रदान करना है। ताकि 06 वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था में देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने के लिए उनकी क्षमता का निर्माण किया जा सकें।

खड़े ट्रक से बाइक की टक्कर, एक की मौत

इटकी। थाना क्षेत्र के मलार चौक के निकट रांची गुमला मुख्य मार्ग पर सड़क दुर्घटना में बाईक सवार पंकज उरांव (22) की मौत हो गयी है। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे की है। मृतक पंकज उरांव नगड़ी थाना क्षेत्र के एडचोरो गांव निवासी बताया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पहुंची और दुर्घटना ग्रस्त वाईक और ट्रक को जब्त कर शव को अपने कब्जे में लिया। बुधवार को शव का पंचनामा के बाद पोस्ट मार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पंकज उरांव वाईक में सवार होकर इटकी मोड़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान मलार चौंक समीप गोदाम के निकट खड़ा माल वाहक ट्रक को पिछे से जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे पंकज उरांव का घटना स्थल पर ही मौत हो गयी वही वाईक के परखच्चे उड़ गये। परिजनों के अनुसार करीब दस बजे पंकज घर में किसी को बताये वैगेर बाईक में सवार होकर निकला था। दुर्घटना के बाद सूचना मिली। पंकज उरांव के अचानक ऐसी मौत से उसके माता पिता और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

सिल्ली कॉलेज में मनाई गई कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली सिल्ली में बुधवार को तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती का जन्म दिवस के उपलक्ष्य में ₹भारतीय भाषा उत्सव 2024₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य डॉ अनंत कुमार महतो एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुकल्यान महतो तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नकुल चंद्र महतो ने किया। इस अवसर पर दर्शनशास्त्र के प्रो तिलक महतो, हिंदी के प्रो बिपन कुमार महतो, कुरमाली विभागाध्यक्ष प्रो सुबोध कांत महतो तथा इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो विश्वनाथ मुंडा ने मातृभाषा के प्रचार-प्रसार एवं संस्कृति के संरक्षण के प्रति अपने विचार व्यक्त किये। कालेज के छात्र -छात्राओं में पंकज, वरूण, सचिन, सोनिया, सानिया, चमेली, ललिता आदि ने अपने विचार व्यक्त किए तथा गीत की प्रस्तुति दिया। मंच संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्यान महतो तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो नकुल चंद्र महतो ने किया। इस मौके पर प्रो हरेंद्र नाथ महतो, प्रो सावित्री बाला, डॉ संजय प्रमाणित, प्रो पवन भगत, प्रो सुमित माहातो, प्रो अर्चना कुईरी, प्रो महितोष माहातो, डॉ मनोज कुमार महतो, प्रो.पुष्पा कुमारी, प्रो हुल्सी कुमारी, निखिल महतो, सुमंत महतो, कृष्णा नायक समेत छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मेधावी छात्रों के बीच छात्रवृत्ति का वितरण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों के बीच छात्रवृत्ति का वितरण समारोह आयोजन किया गया। यह छात्रवृत्ति गिरजा फाउंडेशन द्वारा गिरजा ज्ञान छात्रवृत्ति योजना के तहत दी गयी। इस कार्यक्रम का आयोजन पढ़ेगा भारत,तो बढ़ेगा भारत के उद्देश्य को बढ़ावा देने के लिए किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और उत्कृष्टता के लिए सम्मानित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत गिरजा फाउंडेशन के प्रमुख मेजर डॉ सत्य प्रकाश, अध्यक्ष ज्वाला सिंह, विद्यालय के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी एवं प्राचार्य उमेश प्रसाद द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर मेजर डॉ सत्य प्रकाश ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम और संकल्प की प्रशंसा की। इसके बाद परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा षष्ठ से दशम तक के विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की गई और उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह छात्रवृत्ति उनके लिए एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है, जो उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने अपने शिक्षकों और गिरजा फाउंडेशन को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम का संचालन आचार्या डॉ गायत्री पाठक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य मिथिलेश कुमार खन्ना,इंद्रजीत कुमार सिंह,शम्मी राज,राकेश सहाय,बच्चूलाल तिवारी,अमित झा,अनूप झा,शशि कान्त आदि की प्रमुख भूमिका रही।

सिल्ली पॉलिटेक्निक में कैंपस सिलेक्शन का आयोजन

सिल्ली। सिल्ली पॉलिटेक्निक परिसर में मंगलवार को कैंपस सिलेक्शन का आयोजन किया गया। जिसमें महाराष्ट्र पुने एसकेएच मैग्नम कंपनी के एचआर रामदास खरीद और श्वेता तांबेकर छात्र छात्राओं का साक्षात्का लिए। पॉलिटेक्निक के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक संकाय के 85 छात्र - छात्राएं शामिल हुए। जिसमें 65 छात्र -छात्राओं का चयन किया गया। साक्षात्कार का संचालन कर रहे मैकेनिकल संकाय प्रमुख राजेश गुड़िया जानकारी देते हुए बताया कि सभी सफल छात्र छात्राओं को उनके फाइनल परीक्षा के बाद जून 2025 में इस कंपनी में पदस्थापित किया जाएगा।

भक्ति वेदांत विद्याभवन गुरुकुल में गीता यज्ञ संपन्न

सिल्ली। सिल्ली के कुटाम स्थित भक्ति वेदांत विद्याभवन गुरुकुल परिसर में बुधवार को श्रीमद् भगवत गीता यज्ञ पूणार्हुति के साथ संपन्न हो गयी। गीता जयंती के अवसर गुरुकुल आश्रम में बने यज्ञ कुंड में पूणार्हुति दी गयी। गुरुकुल के आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ किया। मौके पर कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं ने यज्ञ कुंडों में हवन-पूजन कर पूणार्हुति दी। मौके पर गौ पूजा के साथ साथ मंगल आरती भी की गयी। गीता यज्ञ के दौरान भंडेरा का आयोजन किया गया। यज्ञ में पहुंचे श्रद्धालुओं ने यहां हवन पूजन कर भंडारे में सामुहिक रुप से प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर प्रवचन का भी आयोजन कर गीत के रहस्यों की जानकारी दी गयी। इस मौके पर गुरुकुल के छात्र एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

एसडीएम ने किया खाद्य आपूर्ति गोदाम और अस्पताल का निरीक्षण

सोनाहातू । बुंडू एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा ने बुधवार को सोनाहातू प्रखंड पहुंच कर खाद्य आपूर्ति के गोदाम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की औचक निरीक्षण किये। खाद्य आपूर्ति गोदाम के निरीक्षण बीके दौरान साल भर का स्टॉक ओर वितरण पंजी का जांच कर भौतिक सत्यापन किये। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और कर्मचारी की उपस्थिति सहित कई बिंदुओं पर जांच किये। जांच का दौरान तीन कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।इस संबंध में एसडीएम ने कहा किया अनुमंडल क्षेत्र के सभी खाद्य आपूर्ति गोदाम की जांच कर सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोनाहातू खाद्य आपूर्ति गोदाम और अस्पताल की जांच की गई। गोदाम के जांच ओर सत्यापन सही पाया गया है।आगे भी औचक निरीक्षण जारी रहेगा। जांच के दौरान बीडीओ खगेश कुमार, सीओ मनोज महथा आदि मौजूद थे।

जेएसएलपीएस ने निकाली जागरूकता रैली

सिल्ली। जेएसएलपीएस की ओर से बुधवार को सिल्ली प्रखंड के जीसीआरपी दीदी, सभी महिला संगठनों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष समेत अन्य महिलाओं ने समाज में महिलाओं के खिलाफ हो रहे लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली। रैली में शामिल महिलाए सिल्ली के विभिन्न मोहल्लों टोलों में घर घर जाकर लिंग आधारित हिंसा के रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक किया। रैली में शामिल महिलाओं ने समाज में फैले महिला घरेलू हिंसा, घरेलू अत्याचार को समाप्त करने के लिए, महिलाओं के अधिकार को सुनिश्चित किए जाने के लिए ग्रामीणों को जरूरी बातों पर जानकारी दी गई। रैली में ग्राम संगठन की अध्यक्ष रिंकू देवी, जीसीआरपी मामुनी देवी, सीएलएफ की अध्यक्ष सूरज मुखी, नीलिमा, नलिनी, अजानी, रेशमा, सुनीता समेत काफी संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

सैलानियों को लुभा रहा खूंटी का लतरातू जलाशय

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती खूंटी को प्राकृतिक सौंदर्य के रूप में कई सौगातें दी हैं, जो शायद ही झारखंड के किसी अन्य जिले में नजर आती हो।

पेरवांघाघ, पंचघाघ, रानी फॉल, सप्तधारा, उलूंग, पांडूपुड़िंग, रिमिक्स फॉल सहित कई प्राकृतिक पर्यटन स्थल खूंटी जिले में आकर्षण का केंद्र हैं जबकि लतरातू जलाशय, रेमता जलाशय, बिरसा मृग विहार जैसे मानव निर्मित पर्यटन केंद्र हमेशा सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं। साथ ही बाबा आम्रेश्वर धाम, नकटी देवी, माता सोनमेर मदिर सहित कई धार्मिक स्थल भी युगों से लोगों के लिए आस्था के केंद्र रहे हैं। खूंटी जिले के लतरातू डैम हाल के दिनों में सैलानियों के लिए बड़े आकर्षण केंद्र के रूप में उभरा है। लतरातू डैम अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और मनोरम दृश्य के लिए लोकप्रिय है। समय के साथ इसे पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए और भी आकर्षक बनाया जा रहा है। लतरातू डैम के चारों ओर हरे-भरे जंगल, साफ-सुथरी झील और पक्षियों की चहचहाहट इसे एक आदर्श पिकनिक स्थल बनाते हैं। यहां आकर आप बोटिंग समेत अन्य मनोरंजक चीजों का भी आनंद ले सकते हैं। यह स्थान परिवार और दोस्तों के साथ बहुमूल्य समय बिताने कर लिए बढ़िया विकल्प है। साथ ही प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीन के लिए भी एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है।

प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा लतरातू डैम: उपायुक्त

लतरातू जलाश के संबंध में खूंटी के उपायुक्त लोकश मिश्रा कहते हैं कि यह काफी आकर्षक है। यहां वर्षभर प्रकृति प्रेमियों और सैलानियों की भीड़ लगी रहती है। विशेषकर नवंबर से लेकर फरवरी तक तो यहा सैलानियों का सैलाब उमड़ पड़ता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से लतरातू डैम को एक प्रमुख पर्यटन और पिकनिक स्थल के रूप में विकसित करने की पहल की गई है। लतरातू जलाशय के विकास के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। उपायुक्त ने कहा कि हमारा प्रयास है कि लतरातू डैम घूमने के लिए आने वाले पर्यटक एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करें और इस क्षेत्र की सुंदरता और संस्कृति का आनंद लें। साथ ही उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि डैम क्षेत्र में सुरक्षा निदेर्शों का पालन करें। प्रकृति की सुंदरता को संरक्षित करने के लिए कचरा न फैलाएं और पिकनिक के दौरान डैम के निकट सतर्कता बरतें।

संक्षिप्त

काइनेटिक ग्रीन ने साझेदारी की

रांची। काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड ने जियोथिंग्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की घोषणा की है। जियोथिंग्स, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की सहायक कंपनी और रिलायंस ग्रुप का हिस्सा है। यह सहयोग टिकाऊ परिवहन के समाधान को बढ़ावा देने और इलेक्ट्रिक वाहनों में यूजर अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोक्षदा एकादशी पर्व अत्यंत श्रद्धा भक्ति में हुआ आयोजित

रांची : अग्रसेन पर स्थित श्री श्याम मंदिर में बुधवार को मोक्षदा एकादशी पर्व अत्यंत श्रद्धा सहित भक्ति में वातावरण में आयोजित किया गया। प्रातः श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया साथी मंदिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया। प्रातः 8:00 बजे श्रृंगार आरती के समय से ही प्रभु के दर्शन करने के लिए भक्तों की अपार भीड़ अनावृत बनी रही। लाल पीला गुलाब, जेब्रा, गुलदाऊदी, रजनीगंधा व गेंदा के फूलों से श्री श्याम प्रभु का मनोहारी श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे से श्याम प्रभु के जयकारों के बीच अखंड पावन ज्योत प्रज्वलित की गई, भक्तगण मंगल दर्शन कर ज्योति आहुति प्रदान कर मनोवांछित फल मांग रहे थे। श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा गणेश वंदना के साथ संगीत में संकीर्तन प्रारंभ किया गया।

चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता की सजा बरकरार, अपील खारिज

रांची : न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता सोनी देवी की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने अपीलकर्ता की याचिका को खारिज करते हुए उसकी सजा को बरकरार रखा है। इससे सजायाफ्ता को झटका लगा है। सोनी देवी को न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने शिकायतवाद संख्या 1702/23 मामले में दोषी पाकर 21 जुलाई को एक साल की सजा और 12 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया था। कोर्ट से सुनाई गई सजा को चुनौती देते हुए सजायाफ्ता ने न्यायायुक्त की अदालत में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी। इस पर सुनवाई पश्चात अदालत ने सजा को बरकरार रखा और अपील को खारिज कर दी। अपीलकर्ता ने सुखदेव नगर निवासी शंकर कुमार वर्मा से 13 लाख रुपये दोस्ताना लोन ली थी। बदले में 8.25 लाख रुपये चेक दिया था, जो बाउंस कर गया था। चेक बाउंस मामले में 16 जनवरी, 2023 को केस हुआ था। सुखदेव नगर के न्यू किशोरगंज के आनंद नगर निवासी प्रदीप कुमार प्रजापति की सोनी देवी पत्नी है।

किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे : मरांडी

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने किसानों से वादा किया था कि धान की खरीद 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर की जाएगी लेकिन चुनावी वादों पर अमल न होने से किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। बाबूलाल ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि चुनावी वादों के अनुरूप किसानों से 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीद करें। साथ ही किसानों के लिए पारदर्शी व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित करें।

झारखंड में लगातार बढ़ रही ठंड

रांची : झारखंड में बारिश के बाद लगातार ठंड बढ़ रही है। साथ ही ठंडी हवाओं के साथ तापमान लगातार गिर रहा है। इसमें अभी और गिरावट की संभावना है। अगले पांच दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है। राज्य में कम से कम 4 डिग्री तक तापमान में गिरावट आएगी। राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। अधिकतम तापमान अभी 27.6 डिग्री सेल्सियस है। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट आएगी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने किया रिम्स का औचक निरीक्षण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के जरिये मिली शिकायतों के बाद बुधवार देर रात उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डिप्टी डायरेक्टर (फाइनेंस) रिम्स योगेंद्र प्रसाद, डिप्टी मेडिकल सुपरीटेंडेंट राजीव रंजन एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय उपस्थित थे। उपायुक्त ने एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, ट्रॉमा सेंटर, इमरजेंसी, ब्लड बैंक, एवं विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर वहां भर्ती मरीजों से बातचीत की। मरीजों को मिल रही चिकित्सकीय सुविधा एवं अन्य देखरेख के बारे में उन्होंने विस्तार से पूछा। ट्रॉमा सेंटर के हेड ऑफ डिपार्टमेंट प्रदीप कुमार भट्टाचार्य को फोन पर निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कंट्रोल नंबर के माध्यम से दूर दराज के मरीजों के लिए उपलब्ध बेड की जानकारी मुहैया कराने के निर्देश दिये। ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर त्राशा को उपायुक्त ने जमशेदपुर और सदर अस्पताल से रेफर मरीजों को जल्द एडमिट करने के निर्देश दिए।

विभिन्न वार्डों और रिम्स परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लेते हुए उपायुक्त ने सुधार के निर्देश दिए। संबंधित पदाधिकारी को उन्होंने साफ-सफाई और हाइजीन में किसी भी प्रकार से कंप्रोमाइज न करने को कहा। डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को उपायुक्त ने हाउसकीपिंग एवं साफ सफाई के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने रिम्स स्थित ब्लड बैंक का भी निरीक्षण किया। ब्लड बैंक में उपस्थित विभिन्न ग्रुप के ब्लड एवं जरूरतमंद मरीजों को ब्लड उपलब्ध कराने की जानकारी ली। उपायुक्त द्वारा बैंक में उपलब्ध ब्लड की जानकारी के लिए प्रभारी दीप नारायण प्रसाद को सॉफ्टवेयर सक्रिय करने के लिए निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने आम लोगों और सिविल सोसाइटी से अनुरोध किया कि वो बढ़-चढ़कर रक्तदान करें।

रिम्स में मरीजों के लिए बेहतर व्यवस्था के लिए आने वाले 2-3 दिनों में उपायुक्त ने सभी हेड ऑफ डिपार्टमेंट के साथ बैठक करने की बात कही। उपायुक्त ने कहा कि सभी डिपार्टमेंट के प्रमुख से उनकी आवश्यकताओं की जानकारी लेते हुए रिम्स में बेहतर व्यवस्था का प्रयास किया जाएगा।

रांची में अवैध बालू उठाव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पकड़े गये 15 वाहन

45 अभियुक्तों पर एफआईआर की कार्रवाई

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में अवैध बालू उठाव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। यहां 5 थानों में कार्रवाई कर 15 वाहनों को जब्त किया गया है। इसमें संलिप्ता 45 अभियुक्तोंम पर एफआईआर की कार्रवाई की जा रही है।

लगातार मिल रही शिकायत

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री अवैध बालू उठाव की लगातार मिल रही शिकायतों पर काफी गंभीर हैं। इसका असर काफी बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहा है। उनके दिशा-निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी एवं माइनिंग इंस्पेक्टर द्वारा औचक निरीक्षण करते हुए कल रात्रि से ही लगातार मेसरा थाना, दलादली टीओपी, टूपुदाना, बेड़ो, लापुंग थाना अंतर्गत 15 गाड़ी पकड़ी गई। इसमें अवैध बालू लदी गाड़ी 12 और स्टोन चिप्स लदी गाड़ी 3 शामिल है।

मेसरा थाना

3 हाईवा वाहन संख्या-
जेएच-01-एफक्यू-7387
जेएच-01-एफक्यू- 2185
जेएच -01-एफजे- 1793
स्टोन चिप्स लदे वाहन पकडे गए।

दलादली टीओपी

हाईवा वाहन संख्या-
जेएच -01-एन- 9988
जेएच-01-एफएन-2526
एक हाईवा और एक टर्बो में नंबर प्लेट नहीं लगा है। इन वाहनों में अवैध बालू लदे पकडे गए।

टुपुदाना थाना

टर्बो वाहन संख्या-
जेएच-ड1-एएन-6799
इन वाहन में अवैध बालू लदे पकडे गए।

बेड़ो थाना

हाईवा वाहन संख्या-
जेएच -01-एफएन- 3469
जेएच -07-जे- 6346
इन वाहन में अवैध बालू लदे पकडे गए।

लापुंग थाना

टर्बो वाहन संख्या-
जेएच-01-एफवी- 6923
जेएच-01-एफआर-9296
जेएच-01-सीवी- 5727
जेएच-01- एएक्स।-8026
एक वाहन का नबर प्लेट अस्पष्ट है। इन वाहनों में अवैध बालू लदे पकडे गए।

वाहन मालिकों, ड्राइवरों पर कारवाई

5 थानों में 15 वाहन एवं 45 अभियुक्तों पर एफआईआर की कार्रवाई की जा रही है। विधि सम्मत धाराओं के तहत वर्णित वाहन मालिकों, ड्राइवरों एवं इसमें संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कारवाई की जाएगी।

रोकने के लिए प्रशासन कृतसंकल्प

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अवैध बालू उठाव की मिल रही शिकायत पर काफी गंभीरता से इससे रोकने के लिए लगातार उनके दिशा-निर्देश पर अवैध बालू उठाव के रोक के लिए अभियान चला रखा है। प्रखंड़ों में भी इस सम्बंधित निर्देश दिए गए है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा है, की अवैध बालू उठाव को रोकने के लिए जिला प्रशासन कृतसंकल्प है।

बीआईटी में इंडो-यूरोपीय सतह इंजीनियरिंग संगोष्ठी का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। द्वितीय इंडो-यूरोपीय सतह इंजीनियरिंग संगोष्ठी का आज भौतिकी विभाग, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में शुभारंभ हुआ। यह महत्वपूर्ण आयोजन भारत, ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, अमेरिका और अन्य देशों के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों, शोधकताओं और इंजीनियरों को एक साथ लाया है। यह संगोष्ठी 12 दिसंबर, 2024 को समाप्त होगी। लगभग 12 विशेषज्ञ अपनी अनुसंधान उपलब्धियों और उद्योग दृष्टिकोण को साझा करते हुए मुख्य व्याख्यान दे रहे हैं।

संगोष्ठी का उद्घाटन एक औपचारिक समारोह के साथ हुआ, जिसमें विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। उद्घाटन भाषण डॉ. नरेश चंद्र मुर्मू (एफएनएई, एफएनएएससी, निदेशक, सीएसआईआर-सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुगार्पुर) द्वारा दिया गया। डॉ. मुर्मू ने सतह इंजीनियरिंग की संरचनात्मक अनुप्रयोगों, सामग्री संरक्षण, ऊर्जा भंडारण और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

डॉ. आर.के. सिन्हा, विभागाध्यक्ष (भौतिकी विभाग, बीआईटी, मेसरा), ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सह योग के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इंडो-यूरोपीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. मनीष रॉय और पुर्तगाल की यूनिवर्सिटी ऑफ कोयम्ब्रा से प्रो. अल्बानो कवलेइरो ने प्रेरक भाषण दिए। सत्र का समापन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. ऋषि शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

माकपा का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन नौ जनवरी से

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : शहर के मेन रोड स्थित सीपीआईएम (माकपा) कार्यालय में पार्टी की राज्य कमेटी की बैठक हुई। बैठक में पार्टी के दो पोलित ब्यूरो सदस्य, पूर्व सांसद वृंदा करात और डॉ रामचंद्र डोम की उपस्थित में विधानसभा चुनाव की समीक्षा की गयी। साथ ही राज्य के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर सीपीएम का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन 9 से 11 जनवरी तक नामकुम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

सम्मेलन में राज्य भर में जिला सम्मेलनों से निर्वाचित 347 प्रतिनिधि और 19 दर्शक शामिल होंगे। पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि वे राज्य भर में फैले सीपीएम के 5505 पार्टी सदस्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे। सम्मेलन की तैयारी के लिए साहित्यकार और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी एवं ट्राइबल रिसर्च संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ रणेन्द्र की अध्यक्षता में 115 सदस्यीय स्वागत समिति का गठन किया गया।

स्वागत समिति में प्रगतिशील, जनवादी साहित्य कला एवं संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों, ट्रेड यूनियनों, महिलाओं, युवाओं तथा छात्रों के जनसंगठनो सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। स्वागत समिति के सचिव पार्टी की रांची (पश्चिम) जिला कमेटी के जिला सचिव प्रफुल्ल लिंडा एवं संयुक्त सचिव रांची (पूर्वी) के जिला सचिव दिवाकर सिंह मुंडा तथा कोषाध्यक्ष अमल आजाद होंगे। सम्मेलन स्थल का नाम पार्टी के दिवंगत महासचिव सीताराम येचुरी के नाम पर होगा। सम्मेलन के सभागार का नाम पं. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के स्मृति में रखा गया है।

पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को व्यक्तिगत दुर्घटना पर मिलेगा एक करोड़ का बीमा

डीजीपी ने किया एमओयू पर साइन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता की उपस्थिति में पुलिस मुख्यालय में बुधवार को झारखंड पुलिस और बैंक ऑफ इंडिया के बीच रक्षक सैलरी पैकेज के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। झारखंड पुलिस की तरफ से अनुराग गुप्ता और बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से रांची फील्ड महाप्रबंधक मनोज कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस विशेष सैलरी पैकेज के तहत पुलिसकर्मियों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

झारखंड राज्य का अग्रणी, बैंक ऑफ इंडिया सम्पूर्ण झारखंड में स्थित 550 से भी अधिक शाखाओं के माध्यम से पुलिस सेवा में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यक्तिगत दुर्घटना और मृत्यु बीमा एक करोड़, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर 50 लाख, स्थायी आंशिक विकलांगता पर 25 लाख, वायुयान दुर्घटना पर 2 करोड़, सामान्य मृत्यु पर 10 लाख और व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने पर दो आश्रित बच्चों की उच्चतर शिक्षा के लिए बीमा राशि 10 लाख की सुविधा भी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त न्यूनतम ब्याज दर पर पर्सनल ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

ये सभी विशेष बीमा सुविधाएं, बैंकघ

ऑफ इंडिया के जरिये रक्षक सैलरी पैकेज के तहत खाता धारक को पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। यह एमओयू झारखंड पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें वित्तीय सुरक्षा और सुविधा प्रदान करेगा।

क्रशर व्यवसायी से 20 लाख की मांगी गई रंगदारी, नहीं देने पर जान मारने की धमकी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची के बरियातू के हरिहर सिंह रोड स्थित अंजली अपार्टमेंट में रहने वाले शैलेंद्र प्रताप सिंह उर्फ अनुप सिंह से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में शैलेंद्र प्रताप ने बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। रंगदारी देवा गिरोह के सदस्य अविनाश तिवारी के जरिये 20 लाख की रंगदारी की मांग की गयी है, रुपये नहीं देने पर जान मारने की धमकी दी गयी है।

प्राथमिकी में शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा है कि टाटीसिलवे थाना क्षेत्र तथा अपने चाचा स्वर्गीय राधा मोहन सिंह के सिकिदरी के कुचू स्थित क्रशर का भी संचालन करता हूं। मेरे मोबाइल पर अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि वह देवा गिरोह का सदस्य अविनाश तिवारी बोल रहा है। उसने धमकी भरे लहजे में कहा कि तुम्हारा पुत्र संत थॉमस स्कूल में पढ़ता है और तुमलोग हरिहर सिंह रोड में अंजली अपार्टमेंट में रहते हो। फोन करने वाले के पास हमारी संबंध में पूरी जानकारी थी। उसके बाद उसने कहा कि 20 लाख रुपये इंतजाम करके रखो वरना जान से मरवा देंगे। इसके पूर्व भी 29 सितंबर 24 को धमकी भरा फोन आया था, इस संबंध में मैंने सिकिदरी थाना में सन्हा दर्ज कराया था। प्राथमिकी में कहा गया है कि उक्त धमकी के बाद पूरा परिवार दहशत में है।

राजद का सदस्यता अभियान बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक चलाना है : संजय

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय रांची में प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सिंह यादव की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान को लेकर सभी जिला अध्यक्ष और प्रकोष्ठ अध्यक्षों की बैठक बुधवार को हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए संजय सिंह यादव ने कहा कि सदस्यता अभियान बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक चलाना है और संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान का रसीद जिला अध्यक्ष के माध्यम से सभी प्रकोष्ठ अध्यक्ष लेंगे और उन्हीं के माध्यम से प्रदेश कार्यालय में डिपॉजिट भी करेंगे ।आने वाले नगर पंचायत और नगर निगम के चुनाव की तैयारी में अभी से ही राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं

कार्यकताओं को करना चाहिए । एक-एक कार्यकर्ता नेता को पूरे जिम्मेवारी के साथ सदस्यता अभियान चलाना है और लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के हाथों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान का जो लक्ष्य है उसे हर हाल में पूरा करना है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहर तक जिला अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष को एक लक्ष्य बनाकर चलना चाहिए कि हमें कितना सदस्य झारखंड में बनाना है। सभी को निर्देश दिया कि सभी तन मन से लगकर सदस्यता अभियान में लग जाए और अधिक से अधिक सदस्य बनाएं।

राजद के प्रधान महासचिव और मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीड होते हैं। बगैर कार्यकर्ता के कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं जीत सकता है। इसलिए तन मन से सभी नेताओं कार्यकताओं को अपने अभियान में लग जाना चाहिए और अधिक से अधिक संख्या में झारखंड में सदस्य बनाने का लक्ष्य रखकर सदस्यता अभियान चलाना चाहिए। गांव से लेकर शहर तक सदस्यता अभियान चलाना है और पूरे झारखंड में राष्ट्रीय जनता दल के संगठन को मजबूत करना है।

बैठक को विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, विधायक नरेश सिंह, सदस्यता अभियान के प्रभारी गिरधारी गोप,अनीता यादव,मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, युवा अध्यक्ष रंजन यादव सहित अन्य मौजूद थे।

Page - 04_Page - 04.qxd 12-12-2024 02:08 Page 1

संक्षिप्त

कुएं से मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

चतरा। टंडवा स्थित आम्रपाली परियोजना के शिवपुर ट्रांसपोर्टिंग रोड के समीप से बुधवार की शाम पुलिस ने कुएं से एक व्यक्ति का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान हजारीबाग जिले के चौपारण निवासी कृष्णा सिंह के पुत्र आशुतोष कुमार सिंह (42) के रूप में की गई। बताया गया कि वह आम्रपाली परियोजना में कोल ढुलाई का कार्य करने वाली आरकेटीसी कंपनी में बतौर वर्कर के रूप में कार्यरत था। जहां से वह बुधवार की दोपहर बारह बजे कंपनी के साईट से निकला था। इसके बाद से लापता था। इसी दौरान शाम को शिवपुर गांव के एक कुएं में तैरता हुआ शव देखे जाने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी?। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए।

नहाने गया युवक तालाब में डूबा, तलाश जारी

गिरिडीह । जिले के सरिया थाना क्षेत्र के बलीडीह गांव में नहाने के दौरान एक युवक तालाब में डूबने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक को तालाब से निकालने की कोशिश की गई लेकिन उसका पता नहीं चला है तालाब में डूबे युवक का नाम मोहित राणा बताया जा रहा है। मोहित सुभाष राणा का पुत्र है और कोडरमा जिले का रहने वाला है । इन दिनों वह अपने मामा के घर बलीडीह आया हुआ था । मंगलवार शाम में गांव के तालाब में नहाने गया था । घटना के बाद काफी संख्या में स्थानीय लोग जुटे। जानकारी मिलने के बाद एसडीएम संतोष गुप्ता, एसडीपीओ धनंजय राम के साथ सरिया थाना प्रभारी और बीडीओ भी तालाब पहुंचे।इस दौरान स्थानीय लोगों ने युवक को काफी ढूंढने की कोशिश की लेकिन युवक का कुछ नहीं पता चल सका। बताया गया कि बेरमो से एनडीआरएफ टीम को सूचना भेजी गई किसी भी समय टीम बुधवार को बलीडीह पहुंचेगी और डूबे युवक को निकालने की कोशिश करेगी । ग्रामीणो ने बताया कि मोहित गांव के तालाब में नहाने के दौरान तैरकर दूसरी ओर जाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह गहरे पानी में डूब गया ।

विद्युत केंद्र फेज 2 का कार्य शुरू

कोडरमा। जिले के जयनगर प्रखंड के कोडरमा ताप विद्युत केंद्र फेज 2 का कार्य शुरू हो गया है। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के जरिये स्वागत गीत के साथ किया गया। वहीं भूमि पूजन धीरेंद्र झा, उपेंद्र कुमार पांडेय के जरिये विधिवत पूजा अर्चना कर किया। मुख्य पुजारी कनीय अभियंता श्याम सुंदर मोरिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परियोजना प्रधान सह मुख्य अभियंता मनोज कुमार ठाकुर , संचालन मानवी झा एवं सविता कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर डीवीसी अध्यक्ष एस सुरेश कुमार ने कहा कि आप सबों और डीवीसी प्रबंधन के प्रयास से यह कार्य सफल हुआ है। केटीपीएस का दूसरा फेज 2 गुना 800 मेगावाट 4 वर्षों में कार्य संपन्न किया जाएगा। केटीपीएस बहुत अच्छा से चल रहा है और आगे भी अच्छा से चलेगा।

अयोग्य राशन कार्डधारियों से कार्ड सरेंडर करने की अपील

डीसी ने कार्ड सरेंडर करने के लिए 20 दिसंबर तक का दिया समय

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। उपायुक्त शशि रंजन ने आर्थिक रूप से संपन्न राशन कार्डधारियों को अपना कार्ड 20 दिसंबर आपूर्ति विभाग के समक्ष सरेंडर करने की अपील की है। ऐसा नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने एवं वसूली करने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि जिले में कई ऐसे संपन्न परिवार हैं जो आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद राशन कार्ड रखकर राशन का उठाव कर रहे हैं, जिसके कारण जिले के कई योग्य व्यक्ति राशन कार्ड योजना से वंचित है। विभाग को आर्थिक हानि भी हो रही है। उपायुक्त। ने कहा कि जिले के लिये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 अंतर्गत 18,28,926 सदस्यों को आच्छादित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। इसके विरूद्ध वर्तमान में शत-प्रतिशत लाभुक परिवार के सदस्य आच्छादित हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में राशन कार्ड में छूटे हुए लाभुक परिवार के सदस्यों का नाम जोड़ने के लिए प्राप्त आवेदनों की स्वीकृति नहीं हो पा रही है।

सरकार द्वारा निर्धारित अपवर्जन मानक के अन्तर्गत आने वाले राशन कार्डधारियों को राशन कार्ड सरेंडर करना अनिवार्य है। उन्होंने आर्थिक रूप से सम्पन्न कार्डधारियों को स्वेच्छा से 20 दिसंबर तक राशन कार्ड का सरेंडर के लिए आवेदन (प्रपत्र-10 जी) में अपने राशन डीलर के जरिये संबंधित प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी को समर्पित करने की अपील की है। यदि अयोग्य कार्डधारी 20 दिसंबर तक अपना राशन कार्ड सरेंडर नहीं करतें हैं तो ऐसी स्थिति में उनके विरुद्ध जन वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2024 के कंडिका-7 (11) और (111) के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

सभी बीडीओ को निर्देश

उपायुक्त ने जिले के सभी बीडीओ को अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी/निगरानी सतर्कता समिति की उपस्थित में बैठक आयोजित कराते हुए 20 दिसंबर तक अयोग्य कार्ड सरेंडर करवाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि वैसे अपात्र लाभुक जो अपना राशन कार्ड स्वतः सरेंडर नहीं करते हैं तो उनकी सूची सुस्पष्ट कारण सहित तैयार कराते हुए 25 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं संबंधित पंचायत के मुखिया के अनुशंसा के साथ डिलिशन के लिए प्रखंड कार्यालय में जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के माध्यम से समर्पित किया जाना सुनिश्चित होना चाहिये।

ये कार्रवाई की जायेगी

- लिये गये राशन की वसूली राशन लिये जाने की तिथि से भू-राजस्व के बकाये के सदृश्य बाजार दर पर 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ब्याज पर वसूली।
- यदि लाभुक भारत सरकार/राज्य सरकार/ केंद्र शासित प्रदेश या इनके परिषद/उद्यम/प्रक्रम उपक्रम/अन्य स्वायत निकास जैसे विश्वविद्यालय आदि/नगर निगम/नगर पर्षद/नगरपालिका/न्यास आदि में नियोजित हो,तो उपरोक्त के अलावा उस पर विभागीय कार्यवाही का संचालन किया जायेगा।
- अगर उठाव ऑफलाइन किया जाता है, तो उसका पक्ष सुना जायेगा। 15 दिनों के अंदर पूरी प्रक्रिया का निष्पादन कर दोषी पाए जाने की स्थिति में कंडिका-7 (11) के अनुसार कार्रवाई की जायेगी।

बाइक सवार अपराधियों ने युवक को मारी गोली

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के कोयल नदी किनारे कसाब मोहल्ला में बाइक सवार अपराधियों ने बुधवार को सद्दाम कुरैशी (30) को गोली मार दी। युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसे बांह में गोली लगी है। गोली मारने वाले अपराधियों की संख्या दो बताया जा रहा है। दोनों बाइक से पहुंचे थे।

जख्मी युवक मेदिनीनगर की शास्त्री नगर निवासी नमिता देवी मर्डर केस में जेल जा चुका है। सद्दीक चौक से सटे एक दुकान में दिनदहाड़े नमिता देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस हर एक एंगल पर जांच में जुटी हुई है। अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। जख्मी युवक की पत्नी नजराना बीवी ने निजी अस्पताल में बताया कि उसके सोहर सद्दाम कुरेशी नौ माह के बच्चे की देखभाल कर रहे थे। घर के बाहर धूप में खड़े थे। मैं कमरे में अंदर मोजा लेने अंदर गयी थी। इसी क्रम में मोटरसाइकिल से दो युवक पहुंचे और गोली चलाकर भाग निकले। महिला ने बताया कि घटना को मिंटू रंगसाज और साबिर रंगसाज ने मिलकर घटना को अंजाम दिया। दोनों गढ़वा के रहने वाले हैं। दोनों छोटू रंगसाज मर्डर केस में शामिल थे। छोटू की हत्या रांची में दिनदहाड़े कर दी गई थी। नजराना ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करके आरोपियों की पहचान करने और जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। इधर, गोली लगने के बाद जख्मी हालत में सद्दाम को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां से उसे इलाज के लिए डॉक्टर राहुल अग्रवाल के निजी अस्पताल में ले जाया गया। कंधे से गोली निकालने के लिए ऑपरेशन की तैयारी है।

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग में हुई दीपक सिंह की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। दीपक की हत्या की साजिश जेल में बंद अपराधी मिलन तुरी ने रची थी। मिलन तुरी और दीपक सिंह का आपसी विवाद और पैसे की लेनदेन के कारण यह घटना हुई। दीपक की हत्या के लिए मिलन ने 25 हजार रुपए में सुपारी दी थी। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि हत्या में शामिल संतोष कुमार उर्फ होरिल भुईयां और यूरबी करमाली उर्फ अभिराज को गिरफ्तार किया गया है। उसने इस हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। 5 दिसंबर को हजारीबाग पुलिस ने बड़कागांव थाना अंतर्गत गिद्दी के साधु कुटिया के पास से दीपक सिंह का शव बरामद किया था। दीपक की गोली मारकर हत्या की गई थी। हत्या को अंजाम देने के लिए 25 हजार रुपए मिलन तुरी ने यूरबी करमाली को भेजा था। इसमें 17 हजार रुपए संतोष कुमार को मिले थे। संतोष कुमार के पास से मृतक दीपक सिंह का मोबाइल और हत्या के बदले 17000 में से बचा हुआ 16300 बरामद किया गया।

अवैध माइका खनन रोकने के लिए छापेमारी

कोडरमा। वन विभाग की टीम और कोडरमा पुलिस ने छापेमारी कर तीन शक्तिमान, एक जेसीबी जब्त किया है। जंगल के इंदरवा चितरपुर स्थित लोमचाची जंगल मे अवैध माइका खनन को लेकर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान टीम ने अवैध खनन में लगे एक जेसीबी मशीन, तीन शक्तिमान जब्त किया है। रेंजर रामबाबू ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर लोमचाची जंगल में छापेमारी की गयी। अंधेरे का लाभ देखकर चालक फरार हो गये। इस मामले में अवैध उत्खनन में लगे लोगों को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जा रही हैं।

स्कूल से घर जा रही छात्रा का करकट से कटा गला

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। राजकीय मध्य विद्यालय तरहसी से छुट्टी के बाद घर लौट रही वर्ग छह की छात्रा सौम्या कुमारी का करकट से गला कट गया। गंभीर अवस्था में उसे उपस्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए एमआरएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया है। छात्रा सौम्या अपने मामा के घर तरहसी में रहकर पढ़ाई करती थी। छात्रा के पिता का कृष्णा तिवारी है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को स्कूल से छुट्टी होने पर छात्रा सौम्या अपनी सहपाठियों के साथ घर जा रही थी। रास्ते में पड़ने वाले शिव शक्ति इंटरप्राइजेज में दुकानदार शिवकुमार साव सड़क पर करकट लोड कर रहा था। बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुले में करकट लोड किया जा रहा था। दुकानदार की लापरवाही के कारण एक साथ कई करकट गाड़ी से गिरने लगे। इसी क्रम में छात्रा की दिशा में लुढकते हुए एक करकट से अचानक उसका गला कट गया।

इस दृश्य को देखकर आसपास के लोग हैरान हो गए और तुरंत स्थानीय पुलिस और एम्बुलेंस को सूचित किया। छात्रा को गंभीर अवस्था में उपस्वास्थ्य केंद्र तरहसी भेजा गया। इस घटना को लेकर परिजन एवं स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। तरहसी भाजपा मंडल महामंत्री अनिल सिंह ने इस लापरवाही पर दुकानदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस दुर्घटना के बाद से लोग सड़क पर दुकानदारों के जरिये सामान लोड करते वक्त सुरक्षा उपायों की कमी पर चिंता जता रहे हैं। यह हादसा इस बात की ओर इशारा करता है कि सड़क पर व्यापारियों और दुकानदारों को सामान लोड करते समय अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि घटना की पुनरावृति ना हो सके।

जॉयन्ट्स के वार्षिक अधिवेशन में गढ़वा को मिले 4 पुरस्कार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। जायन्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 8 का वार्षिक अधिवेशन रांची प्रेस क्लब के सभागार में हुआ। फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने इसकी अध्यक्षता की। इसमें फेडरेशन 8 के सभी ग्रुप के अध्यक्ष, पदधारी एवं सदस्य शामिल हुए।

ग्रुप ने पूरे साल किए सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। नए वर्ष में पूरे दम खम से सेवा करने संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जायन्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन के विश्व उपाध्यक्ष एसपी चतुर्वेदी, सेंट्रल कमेटी के सदस्य विनोद कपूर एवं अजय कांत पाठक, स्पेशल कमेटी के सदस्य डॉ हरे श्याम, फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष केएस शोखी, एससी जैन, श्रीमती संतोष जैन, विनोद कमलापुरी, आर के चौधरी एवं एमपी केशरी थे। कार्यक्रम के पहले सत्र में पास्ट प्रेसिडेंट फोरम की मीटिंग पास्ट प्रेसिडेंट फोरम के अध्यक्ष नंदकुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। इसमें चर्चा हुई कि पास्ट प्रेसिडेंट के अनुभव का लाभ सभी ग्रुप को कैसे मिले। बैठक के बाद सभी ग्रुप को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अधिवेशन में जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा को परमानेंट प्रोजेक्ट हर महीना के तीसरे रविवार को ज्ञान निकेतन स्कूल में होने वाले हृदय जांच शिविर के लिये और जायन्ट्स सेवा सप्ताह सेवा कार्य के लिए बेस्ट प्रोजेक्ट का अवार्ड मिला। गढ़वा ग्रुप एवं ग्रुप के अध्यक्ष कमलेश गुप्ता को प्रेसिडेंट एप्रिसिएशन अवार्ड एवं मोमेंटो सहित चार अवार्ड प्राप्त हुए। कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए विश्व उपाध्यक्ष एसपी चतुर्वेदी ने जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा सहित सभी ग्रुप के द्वारा किये गए सेवा कार्यो की सराहना की। फेडरेशन एनुअल कॉन्फ्रेंस में जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा से ग्रुप के अध्यक्ष कमलेश गुप्ता, सेंट्रल कमेटी के सदस्य अजय कांत पाठक, फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष विनोद कमलापुरी एवं एमपी केशरी व फेडरेशन पास्ट प्रेसिडेंट फोरम के अध्यक्ष नंदकुमार गुप्ता सहित पांच सदस्यों ने भाग लिया।

विधानसभा अध्यक्ष से दो विधायकों ने की मुलाकात

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को विधानसभा के अध्यक्ष रवीन्द्र महतो से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें विधानसभा के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान प्रदीप प्रसाद ने महतो के कुशल नेतृत्व और विधानसभा में उनके समर्पित योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में रवीन्द्र महतो का अनुभव और नेतृत्व सदन की मयार्दा और कार्यकुशलता को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा। प्रदीप प्रसाद ने विश्वास व्यक्त किया कि रविंद्र महतो के नेतृत्व में विधानसभा में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूती मिलेगी और सभी दलों के बीच समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में महतो का कार्यकाल प्रदेश के विकास और लोकतंत्र के लिए एक प्रेरणादायक अध्याय साबित होगा। इस अवसर पर सिमरिया के विधायक कुमार उज्जवल दास भी महतो को बधाई दी। उज्जवल दास ने भी अध्यक्ष के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रकट करते हुए कहा कि उनका अनुभव और मार्गदर्शन विधानसभा की कार्यवाही को और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने सदन में रचनात्मक सहयोग और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से विधानसभा और प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और उनके साथ सकारात्मक दृष्टिकोण साझा किया।

विद्यार्थियों के बीच बांटे गए स्कूल बैग

हजारीबाग। कटकमदाग प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह में विद्यार्थियों के बीच स्कूल बैग एवं आईडेंटिटी कार्ड बांटे गए. सलगावां पंचायत की मुखिया मधु रानी ने बैग बांटे। स्कूल के विद्यार्थियों को चार हाउस में बांटकर अलग-अलग रंगों के रिबन युक्त परिचय पत्र दिया गया। साथ ही सभी बच्चों को परिचय पत्र के साथ स्कूल आने का निर्देश दिया गया। यह प्रधानाध्यापक मो जहांगीर अंसारी ने विद्यालय में एक नई पहल की शुरूआत है। विद्यालय में कुल 167 बच्चे नामांकित हैं लेकिन विद्यालय में लगभग 90 प्रतिशत की उपस्थिति प्रतिदिन होती है।

प्रखंड प्रशासन की तत्परता से रोका गया बाल विवाह

हजारीबाग। पेलावल थाना क्षेत्र के हेदलाग गांव में प्रखंड प्रशासन की तत्परता से बाल विवाह को रोका गया। सूचना मिलने के बाद कटकमसांडी सीओ सह प्रभारी बीडीओ अनिल कुमार गुप्ता ने टीम का गठन किया। टीम में पेलवाल ओपी प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय, प्रभारी अंचल निरीक्षक राजकुमार सिंह, राजस्व उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार को शामिल किया गया टीम को हेदलाग गांव भेजा, जहां पर बाल विवाह की तैयारी चल रही थी। पुलिस पदाधिकारी ने लड़की को अपने कब्जे में लेकर शादी होने से रोका। बताया गया कि हेदलाग गांव के सुरेंद्र साव की लड़की प्रिया कुमारी की शादी 12 दिसंबर को होने वाली थी। 11 दिसंबर को लड़का पक्ष वाले लग्न बंदी करने के लिए हेदलाग गांव पहुंच रहे थे। इसके लिये लड़की पक्ष की ओर से खाना की व्यवस्था की गयी थी। लड़की प्रिया कुमारी उसी गांव में शहीद भगत सैनिक स्कूल में पढ़ती थी, जिसका जन्म तिथि स्कूल रजिस्टर में पांच जनवरी 2010 दर्ज है। प्रखंड प्रशासन के समक्ष स्कूल के प्राचार्य ने स्कूल के लेटर पेड में लिख कर उसके जन्म तिथि की पुष्टि की।

ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने निकला मशाल जुलूस

पलामू। मेदिनीनगर शहर में यातायात सुदृढ़ न होने, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के साथ दुर्व्यवहार एवं शोषण के मामले आए दिन बढ़ते रहने की वजह से झारखंड राज्य ऑटो चालक महासंघ की पलामू इकाई के बैनर तले नाराज चालकों ने बुधवार को छह मुहान चौक पर जमकर प्रदर्शन किया। इससे पहले रेडमा चौक से छहमुहान तक मशाल जुलूस निकाला गया। प्रदर्शन का नेतृत्व महासंघ के केन्द्रीय संयुक्त सचिव सह संयोजक राकेश कुमार सिंह एवं जिला अध्यक्ष रामाकांत दुबे ने किया। छहमुहान पर प्रदर्शन के दौरान यातायात प्रभारी समाल अहमद से जाम हटाने और पूर्व में लिए गए निर्णय को लेकर महासंघ के नेताओं से तीखी बहस हुई। यातायात प्रभारी ने कहा कि नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप कार्य होने पर तकलीफ होना समझ से परे हैं। मौके पर राकेश सिंह ने कहा कि शहर के बीचो-बीच बस स्टैंड कई वर्षों से स्थापित होने, बढ़ती जनसंख्या के कारण आए दिन शहर की सड़कें अत्यधिक जाम रहती है, जिस कारण ऑटो, ई-रिक्शा एवं अन्य छोटे वाहनों के चालक प्रशासनिक कोपभाजन बन रहे हैं। नगर निगम के जरिये अवैध तरीके से एक वाहन से दिन में तीन से चार बार पार्किंग शुल्क वसूला जाता है, जबकि प्रशासनिक पहल पर निर्णय हुआ था कि एक वाहन प्रतिदिन मात्र एक बार ही नगर निगम शुल्क रसीद कटायेंगे।

डीसी ने की मिशन वात्सल्य एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई के कार्यों की समीक्षा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। उपायुक्त विशाल सागर ने समाहरणालय सभागार में मिशन वात्सल्य एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बुधवार को की। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम मिशन वात्सल्य के तहत स्पॉन्सरशिप अन्तर्गत 114 बालिकाओं व 106 बालकों को दी जा रही सुविधाओं की वस्तुस्थिति से अवगत हुए।

उपायुक्त ने जिला बाल संरक्षण ईकाई द्वारा संचालित चुल्हिया व चरकी पहाड़ी स्थित बालक व बालिका गृह में रह रहे बच्चों एवं बच्चियों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। जिला बाल संरक्षण ईकाई के अधिकारियों व कर्मियों से उनके कार्यों एवं दायित्वों से अवगत कराते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने का निदेश, ताकि जारूरतमंदों बच्चों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य को समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह योजना अनाथ बच्चों, मानव तस्करी के शिकार बच्चों, बाल मजदूरी में संलग्न बच्चों और घुमंतू बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बाल सुरक्षा समितियों और स्थानीय संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बच्चों को उनके अधिकार दिलाने और उनके साथ होने वाली किसी भी प्रकार की उपेक्षा या हिंसा को रोकने के लिए हर स्तर पर संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। बैठक में उपायुक्त ने जिला अन्तर्गत बालिका गृह, संप्रेषण गृह बालिका देवघर, विशिष्ट दत्तक ग्रहण देवघर, अनाथालय चुल्हिया मोहनपुर, नारायण सेवा आश्रम में रह रहे बच्चों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि इन सभी स्थलों के जांच के लिए नोडल पदाधिकारी प्रतिनियुक्त करें, ताकि इन स्थानों पर बच्चों की सुविधा और आवश्यकता अनुरूप व्यवस्थाओं को बेहतर व सुदृढ़ किया जा सके। चरकी पहाड़ी स्थित बालिका संप्रेषण गृह में बच्चियों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए महिला होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति करने का आदेश अपर समाहर्ता को दिया। आगे बैठक के दौरान उपायुक्त ने सीडब्ल्युसी द्वारा किये जा रहे कार्यों, चाईल्ड हेल्पलाईन सेवा, बाल मजदूरी एवं बाल विवाह की रोकथाम को लेकर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सीसीआई के बच्चों को कौशल से जुड़े प्रशिक्षण के अलावा चुल्हिया व चरकी पहाड़ी स्थित केन्द्रों में रहने वाले बच्चों को कार्यशाला, प्रशिक्षण एवं अन्य फिजिकल एक्टिविटि से जोड़ने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

मौके पर उप विकास आयुक्त नीवन कुमार, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मीरा कुमारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

माइंस एवं केकेसी लिंक साइडिंग का सुरक्षा को लेकर किया गया निरीक्षण

बाघमारा। बीसीसीएल बरोरा एरिया के एएमपी कोलियरी स्थित माइंस तथा केकेसी लिंक साइडिंग का सुरक्षा को लेकर द्विपक्षीय समिति के सदस्यों ने निरीक्षण किया। समिति सुरक्षा संबंधी जायजा लिया साथ ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ साथ कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सर्वोपरि है,सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता है। सुरक्षा के साथ उत्पादन जरूरी है। मौके पर आइएसओ के किशोर यादव,सोमेन राय, तथा सुरक्षा कमेटी से आरपी सिंह,आर के तिवारी,एम पाल, संतोष गोराई के अलावा बरोरा जीएम पियूष किशोर एजीएम जी के मेहता,पीओ काजल सरकार आदि शामिल थे।

बोकारो के सिटी सेंटर में चला पेट पर बुलडोजर

□ अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत ध्वस्त की गईं 15 अस्थायी दुकानें

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो : पूर्व से दी गई चेतावनी और एक दिन पहले की घोषणा के बाद बुधवार को बोकारो के सेक्टर-4 स्थित सिटी सेंटर में बीएसएल प्रबंधन का बुलडोजर चला। अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत कुल 15 अस्थायी दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया।

सिटी सेंटर में बंद पाली प्लाजा सिनेमाघर के पीछे वाले हिस्से के समीप की तमाम अस्थायी दुकानें तोड़ दी गईं। इसके साथ ही वर्षों से दो वक्त की रोटी का जुगाड़ कर रहे दुकानदारों की आजीविका भी ध्वस्त हो गई। इस तोड़फोड़ का विरोध कर रहे दुकानदारों ने इस कार्रवाई को प्रबंधन द्वारा उनके पेट पर बुलडोजर चलाना बताया। उन्होंने कहा कि इन दुकानों से उनकी रोजी-रोटी चलती थी। अब वे क्या करें, कहां जाएंगे, कैसे कमाएंगे और कैसे अपने बच्चों और परिवार का भरण-पोषण करेंगे। तोड़ी गई दुकानों में तंदूर चाय, भूंजा, बड़ा पाव आदि की दुकानें शामिल थीं।

दुकानदारों ने आग लगाकर जताया विरोध : सिटी सेंटर में नालियों और उसके आसपास लगाई गईं दुकानों को हटाने गए नगर सेवा विभाग के अधिकारियों व कर्मियों को दुकानदारों के विरोध का सामना करना पड़ा। जब नगर सेवा की टीम ने सिटी सेंटर पहुंचकर गुमटियों को जेसीबी से हटाने का काम शुरू की तो दुकानदारों ने विरोध जताना शुरू कर दिया। दुकानदारों ने बीचों-बीच कई सामानों को रखकर उसमें आग लगा दी और विरोध जताया। बीच सड़क पर बैठकर उन्होंने प्रबंधन की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की। तोड़फोड़ के बाद दिनभर अपनी टूटी दुकानों से दुकानदार सामानों को जैसे-तैसे सुरक्षित निकालने की मशक्कत करते दिखे। वहां पूरे दिन गहमागहमी और वीरानी का आलम दिखा।

जारी रहेगा तोड़फोड़ अभियान

इधर, बीएसएल के अधिकारियों ने हर हाल में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रखने की बात कही है। नगर सेवा के महाप्रबंधक एके सिंह ने कहा कि किसी भी हाल में अतिक्रमण हटाओ अभियान को रोका नहीं जाएगा। यह अभियान चलता रहेगा।

फुटपाथ दुकानदारों को सुव्यवस्थित करने की मांग

बोकारो जिला दुकानदार संघ ने इस तोड़फोड़ अभियान की कड़े शब्दों में निंदा की है। दुकानदारों में भारी आक्रोश देखा गया और फुटपाथ दुकानदारों को अविलंब सुव्यवस्थित नहीं करने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। संघ के अध्यक्ष हाजी इरशाद अहमद खान ने कहा कि बोकारो इस्पात प्रबंधन द्वारा रात में लाउडस्पीकर से एनाउंस किया गया और सुबह ही जेसीबी लाकर तोड़फोड़ करना निंदनीय है। संघ के महासचिव रामू भाई ने कहा कि डोजर से शहर का समाधान नहीं होगा। अगर फुटपाथ दुकानों के रहने से प्रबंधन को कहीं बाधा उत्पन्न हो रही है तो संगठन और प्रबंधन को आपस में बैठकर समाधान निकाला जाना चाहिए। उपाध्यक्ष लालू सिंह ने कहा कि इस तरह की घटना की पुनरावृति नहीं की जाए। कोषाध्यक्ष निक्कू सिंह ने कहा कि फुटपाथ दुकान समाज की सेवा के लिए लाइफ लाइन है। प्रबंधन दुकानों के स्थायीकरण में दो कदम आगे बढ़े तो हम दुकानदार चार कदम आगे बढ़कर प्रबंधन को उचित राजस्व भी देंगे।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी की पुण्य स्मृति में कंबल वितरित

बोकारो : नगर के सेक्टर 12ए में जन कल्याण सामाजिक संस्था द्वारा संचालित बिरसा मुंडा निशुल्क विद्यालय में बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम के तहत निर्धन व असहाय लोगों में कंबल वितरण किया गया। विद्यालय के मार्गदर्शक और समाजसेवी स्व. बी. पी. एन. सिन्हा की पुण्य स्मृति में गरीब, असहाय, लाचार और जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। कंबल वितरण का कार्य विद्यालय के संस्थापक परशुराम राम के मार्गदर्शन में स्व. सिन्हा के बड़े पुत्र राजीव रंजन सिन्हा और छोटे पुत्र भानु प्रताप सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में ममता सिंह, गुड़िया देवी, बबीता कुमारी, पन्ना देसी, चन्द्रशेखर ठाकुर, विजय कुमार, अजय कुमार, सी. आर. दास और अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

एक बाइक पर सवार थे चार युवक, गिरने से घायल

बोकारो। जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत लुकैया अंसारी मोड़ के निकट राष्ट्रीय उच्च मार्ग 23 पर एक बाइक पर सवार चार युवक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिरकर घायल हो गए। घटना बुधवार सुबह 9 बजे की बताई जा रही है। दुर्घटना में घायल सभी युवक चास के बताए जा रहे हैं। दुर्घटना में घायल सभी युवकों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार में भर्ती कराया गया। घायलों में शुभा राय, रौशन कुमार, नितेश कुमार व राहुल कुमार शामिल हैं। युवकों ने बताया कि सभी एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। घटना में एक युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी है, जबकि अन्य युवक आंशिक रूप से घायल हैं।

फुटबॉल व खो-खो प्रतियोगिता आयोजित

बोकारो : अम्बिका पब्लिक स्कूल, जैनामोड़ के खेल मैदान में जूनियर फुटबॉल और सीनियर खो-खो प्रतियोगिता का उद्घाटन स्कूल के निदेशक दिनेश कुमार सिंह ने किया। प्रतियोगिता के दौरान विधार्थियों में जबरदस्त उत्साह और खेल भावना देखने को मिली। खिलाडियों ने अपने कौशल का परिचय दिया। लगभग चार घंटे तक चले इस प्रतियोगिता में छात्र छात्र ग्रुप आर्यभट्ट, जूनियर खो-खो ग्रुप में सीवी रमन, सीनियर ग्रुप छात्र में सीवी रमन तथा छात्रा ग्रुप में आर्यभट्ट ग्रुप ने इनाम पर कब्जा जमाया। हेडमास्टर कुमार विजय सौरभ ने विद्यार्थियों को कहा कि हार और जीत की चिंता छोड़कर मैदान बाजी मार लेने का जज्बा जिसमें हो, वही लोग कामयाब हुए हैं। खेल में संयोजक संजय सिंह निर्णायक मंडल में स्मिता तिर्की, अंजू कुमारी और दिनेश शर्मा के साथ-साथ स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

युवा लायंस फोर्स ने निकाली आभार यात्रा

बोकारो : युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष एवं युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा ने बुधवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर आभार यात्रा निकाली। मोटरसाइकिल सवार कार्यकर्ताओं की यह यात्रा चास के तलगड़िया मोड से शुरू होकर जामगोडिया, बाधाडीह, बोदरो, पारटांड, मुधुनिया, मालखुटा, कारीटांड, बांशा, बांधडीह, उसरडीह होते हुए बिजुलिया मोड स्थित विनोद बिहारी महतो चौक पर विनोद बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ समाप्त हुई। बिजुलिया मोड़ में सभा को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि युवा लायंस फोर्स की ओर से हमने चुनाव के समय जनसंपर्क के दौरान लोगों से वादा किया था कि अगर झारखंड में गठबंधन की सरकार बनेगी तो हम फिर इसी तरह आभार यात्रा निकालकर आपकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान कराने का काम करेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि यात्रा के दौरान सभी गांवों में विभिन्न समस्याएं आईं, जिनमें मुख्य रूप से तालगड़िया रोड को फोरलेन बनाना तथा सड़क किनारे रहने वाले लोगों को धूल की समस्या से निदान हेतु सड़क किनारे सुबह-शाम पानी का छिड़काव, लाइट की व्यवस्था, पर्वतपुर कोल ब्लॉक को जल्द से जल्द चालू कराना, जाम की समस्या को लेकर नो एंट्री लागू कराना आदि शामिल थीं। देव शर्मा ने सभी समस्याओं को सुनकर जल्द ही बोकारो उपायुक्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम का ज्ञापन सौंपकर सभी समस्याओं का निदान कराने का आश्वासन दिया। मौके पर युवा लायंस फोर्स के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

डायट संकाय सदस्यों ने किया पीएम श्री एसएस +2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण

बोकारो : पीएम श्री एसएस +2 उच्च विद्यालय, कसमार का निरीक्षण बुधवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिण्ड्राजोरा के संकाय सदस्य डॉ सुषमा रानी, अमरेन्द्र वैद्य एवं मटिल्डा सोरेन की त्रिस्तरीय टीम ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वर्ग कक्ष, विद्यालय परिसर, कॉरिडोर, आई टी रूम, पुस्तकालय, ईको क्लब गार्डेन, शिक्षक कक्ष, हाउस नोटिस बोर्ड, एमडीएम भोजनालय आदि का अवलोकन किया एवं व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने पी एमश्री +2 उच्च विद्यालय, कसमार को जिले के बेहतरीन विद्यालयों में से एक बताया। संकाय सदस्यों ने कहा कि यह विद्यालय राज्य स्तर पर भी और ऊंची पहचान बनाने में सक्षम है। उन्होंने ईको क्लब द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। संकाय सदस्यों ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों एवं बाल संसद सदस्यों को संबोधित करते हुए हाउस नोटिस बोर्ड, वर्ग कक्ष सूचना पट्ट, पुस्तकालय, छात्र उपस्थिति एवं आगंतुक रजिस्टर आदि का और बेहतर तरीके से संचालन करने पर बल दिया। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ अवनीश कुमार झा, ईको क्लब के नोडल शिक्षक महाकांत झा, अशोक कुमार रजवार, सुजाता कुमारी, जितेन्द्र कुमार सिंह, खुर्शीद रजा, अमित कुमार आदि उपस्थित थे।

अधिकारियों के संरक्षण में खाद्यान्न वितरण में फर्जीवाड़ा, कार्रवाई की मांग

बोकारो : झारखंड पीपुल्स पार्टी (झापीपा) के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद ने गोमिया प्रखंड के आपूर्ति विभाग में बड़े स्तर पर अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में एजीएम और डोर स्टेप डोर (डीएसडी) की मिलीभगत से खाद्यान्न की फर्जी डिस्पैच, डीलरों की रिसीविंग डेट में भारी अंतर और बिना जीपीएस वाले वाहनों से खाद्यान्न का परिवहन हो रहा है। फर्जी डिस्पैच और रिसीविंग डेट में अंतर झापीपा नेता ने गोमिया बीडीओ, सीओ, अनुमंडल आपूर्ति पदाधिकारी बोकारो और अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर मांग की है कि एजीएम गोदाम से हो रहे फर्जी डिस्पैच और डीलरों की रिसीविंग में 4-10 दिनों तक के अंतर की जांच हो। उदाहरण के तौर पर दिसंबर 2024 के ग्रीन कार्ड के लिए चावल का डिस्पैच 28 नवंबर को किया गया, लेकिन अब तक संबंधित डीलर जमुना प्रसाद के पीडीएस तक नहीं पहुंचा है।

श्री अग्रवाल ने यह भी आरोप लगाया कि एजीएम गोदाम के इर्द-गिर्द माफिया और बिचौलियों का जमावड़ा है। प्रबंध निदेशक निगम मुख्यालय द्वारा जारी निर्देश के बावजूद गोदाम के आसपास इनकी उपस्थिति बनी हुई है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि डिस्पैच और रिसीविंग के बीच के अंतराल में अच्छे अनाज को बाजार में बेच दिया जाता है। शिकायत के साथ ऑनलाइन रिकॉर्ड और संदिग्ध गतिविधियों के सबूत डीएसओ बोकारो को भी दिए गए हैं। डीएसओ ने मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

विस्थापितों की समस्याओं को लेकर मंत्री से मिलीं विधायक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने रांची स्थित मंत्रालय में झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह से विस्थापितों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर उन्हें बोकारो के उत्तरी विस्थापितों क्षेत्रों में निवास करने वाले ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत कराते हुए उनसे विस्थापित समस्याओं के निदान का अनुरोध किया। इसके साथ ही बोकारो विधानसभा की जनता की तरफ से मंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्रीमती श्वेता सिंह ने मंत्री को अवगत करवाया कि विगत 75 वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बोकारो के विस्थापितों की समस्या जस की तस है।

उन्होंने बताया कि बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के निर्माण के बाद उत्तरी विस्थापित क्षेत्र के 19 गांवों को न तो पंचायत में शामिल किया गया और न ही किसी अन्य सरकारी सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बोकारो के इन गांवों में रहने वाले गरीब आदिवासियों और अन्य जातियों को सरकार की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल सका, जिसके कारण ये लोग सभी सुविधाओं से वंचित हो गये। हालांकि, यहां रहने वाली एक लाख की आबादी विधायक और सांसद चुनती है, लेकिन ये लोग गांव की सरकार नहीं चुन पाते हैं। नियोजन, विद्युत, सड़क, पेयजल, शिक्षा व्यवस्था की स्थिति भी इन क्षेत्रों में जर्जर है। शहर से समीप होने के बावजूद यह क्षेत्र सभी मूलभूत सुविधाओं से काफी पिछड़ा हुआ है।

विधायक श्रीमती सिंह ने मंत्री दीपिका सिंह पांडे से सभी मामले को बिंदुवार तरीके से व्यक्तिगत रूप से संज्ञान में लेते हुए मामले का निष्पादन करने का अनुरोध किया। इस दौरान उनके साथ राज कुमार सिंह, प्रदीप मंडल, मिथुन मंडल, महेश मंडल, जन्मजय महतो, अमित कुमार, गफ्फार अंसारी, राजन सिंह, अजीत कुमार, संतोष मुर्मू, सरोज कुमार, विनोद राय, कलाम अंसारी आदि उपस्थित रहे।

पांच दिनों बाद भी नहीं हो सकी फटे पाइप की मरम्मत, हजारों गैलन पानी हो रहा बर्बाद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के बिरसा मुंडा सब्जी मार्केट में विगत शनिवार को फटी पाइप को बदलने एवं मरम्मत का कार्य पांच दिनों बाद भी नहीं हो पाने के कारण प्रतिदिन हजारों गैलन पानी की बर्बादी हो रही है।

पानी के अनवरत बहने का आलम यह है कि सब्जी मार्केट में फटी पाइप के स्थान पर तालाब बन गया है और नदी की शक्ल में पानी मार्केट से होकर सड़कों के रास्ते नालियों में बह रहा है। विगत शनिवार 7 दिसंबर को बिरसा मुंडा सब्जी मार्केट में बने शेड के नीचे डीवीसी सिविल कार्यालय परिसर में स्थित पानी टंकी में जाने वाले पानी की मेन पाइप फट जाने से काफी मात्रा में पानी का बहाव को देखने के बाद डीवीसी सिविल विभाग मरम्मत को लेकर हरकत में आया। फटी पाइप वाले स्थान पर जब खुदाई की जाने लगी तो पाइप ही नजर नहीं आ रही थी।

नतीजतन, पांच दिनों की खुदाई के बाद भी पाइप मिल नहीं रही है। जेसीबी से खुदाई के बाद भी पाइप नहीं दिखी।

उक्त स्थान पर पाइप के फटने से सिविल डिवीजन परिसर की पानी टंकी से कामगारों के आवासों में सप्लाई होने वाला पानी की सप्लाई भी नहीं हो पा रही है या कम हो पा रही है, जिससे कामगारों को भी दिक्कत हो रही है।

मार्केट में केबल कटने से पांच दिनों से नहीं है बिजली

उक्त स्थान पर खुदाई के दौरान सब्जी मार्केट को बिजली की सप्लाई होने वाला केबुल था, जो खुदाई के क्रम में कट गया और पूरे सब्जी मार्केट की बिजली पांच दिनों से ठप पड़ गयी है। बिजली नहीं रहने के कारण रात्रि में पूरे सब्जी मार्केट की दुकानों में अंधेरा व्याप्त है। मामले को लेकर डीवीसी सिविल के प्रबंधक राहुल उरांव ने पूछे जाने पर कहा कि फटी पाइप वाले स्थान पर खुदाई के बाद भी पाइप नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण उसकी मरम्मत एवं बदलने का काम नहीं हो पा रहा है। कहा कि उक्त स्थान पर लगभग बीस फीट की खुदाई के बाद ही पाइप मिलेगी और खुदाई का कार्य गुरुवार को आरंभ किया जाएगा। कहा कि उक्त पानी टंकी से आंशिक मात्रा में आवासों में पानी की सप्लाई हो रही है।

तय मानदंडों के अनुसार नहीं किया जा रहा एसटीपी का निर्माण

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल निवासी दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला संयुक्त संयोजक श्रवण सिंह ने बुधवार को डीवीसी के चेयरमैन को स्थानीय कॉलोनी की सड़कों की बदहाली सहित एसटीपी का निर्माण करने वाली कंपनी के

□ चेयरमैन से शिकायत

द्वारा डीवीसी के निर्धारित मापदंडों के अनुसार कार्य नहीं करने को लेकर पत्र लिखा है। संयुक्त संयोजक ने लिखा है कि बोकारो थर्मल कॉलोनी की मुख्य सड़कों, कॉलोनी को जोड़ने वाली सड़कों आदि की स्थिति काफी बदहाल है, जिसमें जगह-जगह पर गड्ढे और असमान बनावट के साथ पूरी तरह से विकृत हो गया है और सड़कों की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है और इसमें कोई सुधार नहीं हुआ है। दूसरी ओर, एसटीपी का निर्माण करने वाली कंपनी द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए जो कार्य किया जा रहा है, वह निर्धारित मानक के अनुसार नहीं किया जा रहा है। कंपनी द्वारा करवाए जा रहे कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जांच करने की जरूरत है। निर्माण के क्रम में कॉलोनी में बड़े-बड़े गड्ढे खोदकर उन्हें बेतरतीब ढंग से खोदी गई सामग्री से ही भर रहे हैं, जिससे अच्छी बनी सड़कों भी खराब हो जाती हैं। उन्होंने पूरे निर्माण की जांच करवाने की मांग की है।

न्यायालय परिसर में पेशकार की हार्ट अटैक से हुई मौत

□ ब्रेन हेमरेज से वकील ने अस्पताल में दम तोड़ा

□ बोकारो के अधिवक्ताओं में शोक की लहर, ठप रहे न्यायिक कार्य

बोकारो : बोकारो कोर्ट में बुधवार को एक पेशकार और एक अधिवक्ता के निधन से अधिवक्ताओं में भारी शोक की लहर दौड़ पड़ी। इसको लेकर अधिवक्ताओं ने खुद को न्यायिक कार्यों से अलग रखा। बताया जाता है कि बोकारो न्यायालय के एक पेशकार मनोज साव की मौत कोर्ट परिसर में हो गई।

सुभाष चंद्र महतो की फाइल फोटो।

मौत की खबर सुबह में न्यायिक पदाधिकारियों को मिली, तो आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल लाया गया। अस्पताल परिसर में चिकित्सक के नहीं रहने के कारण न्यायिक पदाधिकारी भड़क गए। प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. सौरव को सूचना मिलने पर उन्होंने चिकित्सक को भेजा। अस्पताल पहुंचकर चिकित्सक ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। पेशकार मनोज के निधन के बाद न्यायिक पदाधिकारियों ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया गया कि उन्हें रक्तचाप की शिकायत थी। संभवतः उन्हें रक्तचाप घटने की वजह से इसका कार्डिएक अरेस्ट अर्थात हृदय गति रुक गई। इससे इनकी मौत हो गई। वहीं अनुमंडलीय अस्पताल चास की उपाधीक्षक डॉ. आभा इंदु लकड़ा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल पाएगा कि उनकी मौत कैसे हुई है। वहीं, मृतक पेशकार के आश्रित को प्रधान जिला जज व डालसा के सचिव सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने 50 हजार रुपए देकर सहयोग किया। साथ ही सरकार की ओर से मिलने वाले हर संभव सहयोग देने का भी आश्वासन दिया गया। इधर, आसनबनी गांव निवासी अधिवक्ता सुभाष चन्द्र महतो का निधन बीजीएच में ब्रेन हेमरेज के कारण हो गया।

उन्हें इलाज के लिए 10 दिसंबर की शाम भर्ती कराया गया था। उन्हें बेहतर इलाज के लिए बीजीएच से रांची ले जाने की तैयारी चल रही थी, इसी बीच उनका निधन हो गया। 49 वर्षीय स्व. महतो 2005 से विधि व्यवसाय कर रहे थे। वे अपने पीछे माता-पिता, पत्नी व तीन बच्चे छोड़ गए हैं। इनके सम्मान में सभा का आयोजन कर शोक जताया गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर रणजीत गिरि ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

लुगू पहाड़ प्रोजेक्ट को ले हेमंत सरकार से काफी उम्मीदें : डॉ. जॉन

□ परियोजना के लाभ और जनहित के पहलुओं से अवगत कराएगा डीवीसी प्रबंधन

कुमार संजय

बोकारो थर्मल : डीवीसी के मेंबर सेक्रेटरी डॉ. जॉन मथाई ने बोकारो थर्मल में बातचीत के क्रम में डीवीसी द्वारा लुगू पहाड़ पर प्रस्तावित 1500 मेगावाट के पंप स्टोरेज पावर प्लांट को लेकर राज्य की नई हेमंत सोरेन की सरकार से काफी उम्मीदें रखते हुए कहा कि डीवीसी वर्तमान सरकार को लुगू पहाड़ के प्रोजेक्ट के लाभ एवं हितों को सरकार एवं जनता के साथ जुड़े हितों को लेकर उसके प्रस्ताव को सरकार के सामने रखने का कार्य करेगी और उम्मीद है कि सरकार सकारात्मक रवैया अपनाते हुए डीवीसी को सहयोग करेगी, चूंकि नया प्रोजेक्ट राज्य एवं केंद्र सरकार की मांग है।

मेंबर सेक्रेटरी ने कहा कि बोकारो थर्मल एवं चंद्रपुरा में नया 800 मेगावाट के पावर प्लांट को लाने के लिए डीवीसी के द्वारा प्रयास किया गया था। चंद्रपुरा में नया पावर प्लांट आ गया है और काम चल रहा है। बोकारो थर्मल में भी नया पावर प्लांट को लाने के लिए जगह को लेकर डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाई जा रही है।

नए पावर प्लांट से बदलेगी क्षेत्र की रूपरेखा : सदस्य सचिव ने कहा कि बोकारो थर्मल में नया पावर प्लांट आने से क्षेत्र की रूपरेखा ही बदल जाएगी, डीवीसी के एचओपी को जगह को लेकर स्टडी करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि डीवीसी के द्वारा बोकारो थर्मल में भी नया पावर प्लांट आएगा। मेंबर सेक्रेटरी ने कहा कि ऑल इंडिया के थर्मल पावर प्लांटों में बेहतर पीएलएफ में डीवीसी के चंद्रपुरा, दुर्गापुर एवं कोडरमा शामिल हैं, पूर्व में बोकारो थर्मल का पावर प्लांट भी इसमें शामिल रहा है, परंतु हाल के दिनों में थोड़ी स्थिति बिगड़ी है। कहा कि डीवीसी के नए एचओपी के कार्यकाल में सभी मिलकर फिर से उस मुकाम को हासिल कर लेंगे।

दुरुस्त होगी कॉलोनी और सड़कों की स्थिति : बोकारो थर्मल की आवासीय कॉलोनी के सड़कों एवं आवासों की बदतर स्थिति को सुधारने को लेकर भी मुख्यालय द्वारा प्रयास किया जा रहा है। मौके पर डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, एफजीडी के वरिष्ठ जीएम एसएन प्रसाद, डीजीएम बीजी होलकर, सुशील कुमार, केपी सिंह, राकेश कुमार, एमके चौधरी आदि थे। डीवीसी के मेंबर सेक्रेटरी से विस्थापितों का भी एक प्रतिनिधिमंडल जितेंद्र यादव के नेतृत्व में निदेशक भवन में मिला। प्रतिनिधिमंडल में विश्वनाथ यादव, नरेश प्रजापति, मुखिया विश्वनाथ महतो भी थे।

डीवीसी पेंशनरों को लीज पर मिलेगा आवास

डीवीसी के पेंशनरों को आवास के मसले पर डॉ. जॉन ने कहा कि पेंशनर डीवीसी के पार्ट हैं और उनके लिए डीवीसी ने आवास को लीज पर देने की स्कीम निकाली है, जो लोग इच्छुक हैं वे स्कीम का लाभ ले सकते हैं, परंतु जिस प्रोजेक्ट में भी नया पावर प्लांट आने वाला है, वहां सभी को आवास खाली करने होंगे और इसके लिए सभी को सहयोग करना होगा। बोकारो थर्मल में डीवीसी के ऐश पौंड में ऐश की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर नए एचओपी को निर्देश दिया गया है, वे प्रयासरत हैं और इसका समाधान निकाल लिया जाएगा।

Page - 06_Page - 06.qxd 12-12-2024 02:08 Page 1

संसद को अप्रासंगिक बनाने की मची होड़

डॉ. दीपक पाचपोर

देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है।

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि 'संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है', पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर-शराबा किया जाता है। अपने प्रदीर्घ राजनीतिक जीवन के अलग-अलग कालखंडों में विधानसभा से लेकर संसद के दोनों सदनों में बैठ चुके राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह सोमवार को जब संसद परिसर में यह कहते हैं कि 'मैंने अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में ऐसा पक्षपाती सभापति नहीं देखा जैसा कि आज आसीन है', तो इस पर गम्भीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। उसे केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिये कि वे विपक्ष में हैं तो ऐसा कहेंगे ही। उन्होंने यह बात शिष्टाचारवश राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को ही लेकर सीमित करके कही है क्योंकि वे उसी सदन के बारे में कह रहे थे, जिसके कि वे सदस्य हैं। वरना उनकी बात दोनों ही सदनों के बारे में एक सी लागू होती है- लोकसभा के बारे में भी जिसके अध्यक्ष ओम बिरला हैं। हालांकि अब यह कहना बड़ा मुश्किल है कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कौन अधिक सक्रियता और शिद्दत से संसद को अप्रासंगिक बनाने पर तुला है- ओम बिरला या जगदीप धनखड़। वैसे तो बिरला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परम्परा से आते हैं इसलिये उनके लिये ऐसी संवैधानिक संस्थाओं का कोई महत्व नहीं है; और भारतीय जनता पार्टी शासन में ऐसे ही लोगों को ये पद अधिक आसानी से मिलते हैं जो उस आसन को अधिकतम गंदला कर सकें। मटियामेट कर दें। इसलिये अपनी कार्रवाई के दौरान बिरला अक्सर सदस्यों से 'बैठ जाओ', 'नो...नो', 'यह नईं चलेगा' 'आपकी बात रेकार्ड में नहीं जायेगी... जैसे शब्दों में डांट-डपट करते रहते हैं।

आगे-पीछे राष्ट्रपति का चुनाव होना है। साफ है कि उस पद की ओर दोनों तेजी से बढ़ना चाहते हैं। धनखड़ की संघ की पार्श्वभूमि नहीं है। वे सुप्रीम कोर्ट के सफल वकील होने के साथ जनता दल व कांग्रेस में लम्बा समय काटकर आये हैं। उन्हें संविधान का महत्व मालूम होना चाहिये परन्तु व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की इस होड़ के चलते वे भी लोकतंत्र और जनहित को भंगार कर रहे हैं। इसके कारण पिछले कई सत्रों की भांति ही संसद के मौजूदा सत्र में अब तक कुछ ही घंटे काम हो पाया है। संसद में काम न होने

का फायदा हमेशा सत्तारुढ़ दल को होता है। बिरला व धनखड़ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को दिलो-जान से लाभान्वित कर रहे हैं। पिछली दोनों व वर्तमान लोकसभाओं और राज्यसभा में विपक्ष को कुचलने और उसकी आवाज को खत्म करने की सुनियोजित योजना के अंतर्गत दोनों ने अपने संवैधानिक पदों का भरपूर दुरुपयोग किया है। किसी भी मुद्दे पर जिस तरीके से ये दोनों सरकार का बचाव करते अथवा पैरवी करते नड्डार आते हैं, उससे अधिक शर्मनाक कुछ इसलिये नहीं हो सकता क्योंकि ये दोनों पद पार्टी हितों से बढ़कर जिम्मेदारियों के निर्वहन की अपेक्षा रखते हैं। पूरी संसदीय व्यवस्था इन दोनों पदों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से काम करने पर निर्भर है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद दूसरी बार ओम बिरला को जब यह पद मिला तो उससे साफ संदेश गया कि जो भी संसदीय परम्परा को जितना बिगाड़ सकता है वह उतना ही अधिक पुरस्कृत होगा। वरना जब भी मिली-जुली सरकार बनती है तो सत्ताधारी दल यह पद किसी सहयोगी पार्टी को प्रदान करता है। मोदी ने ऐसा नहीं किया। उसके पीछे यही कारण था कि वे इन दोनों के जरिये सम्पूर्ण राजनीतिक एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसमें वे काफी हद तक सफल होते भी दिख रहे हैं।

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि 'संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है', पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर-शराबा किया जाता है और जो राई भी नहीं है उसे पर्वत बनाकर सदन को ठप कर दिया जाता है। सरकार से सवाल पूछते ही सत्ताधारी दलों की ओर से विपक्ष पर हमले होते हैं। उस शोर-गुल में संख्या बल के आसरे दोनों सदनों के संचालकगण सरकार की ओर से रखे जाने वाले कानून पारित करा देते हैं जिनमें से ज्यादातर जनविरोधी रहे हैं। पिछले दशक भर से पता नहीं ऐसे कितने कानून भाजपा सरकार द्वारा पारित कराकर देश पर थोपे गये हैं जिन पर पहले चर्चा नहीं की गयी।

लगता है कि संसद को इसी तरह से चलाने के निर्देश सम्भवतः मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मिले हुए हैं। इस टास्क को कौन भली-भंति पूरा करता है- इसी के हिसाब से तय होगा कि अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा। इस टास्क के साथ यह भी संदेश छिपा हुआ है कि संसद को पूरी तरह से अप्रासंगिक बना दिया जाये ताकि लोगों का लोकतंत्र से ही मोहभंग हो जाये और भाजपा तथा उसकी मातृ संस्था आरएसएस की मंशा के अनुरूप देश में मनुवादी व्यवस्था स्थापित की जा सके जिसके तहत शासन प्रणाली में लोगों की भागीदारी न हो। बिरला-धनखड़ की जोड़ी एक तरह से अपने-अपने सदनों को अपहृत कर मोदी-शाह के इसी मंसूबे को पूरा कर रही है। देश के गिने-चुने कारोबारियों के पक्ष में काम करने वाली सरकार के लिये ऐसे ही सदन मुफीद होते हैं।

देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है। उन्हें बोलने के लिये कोई और मंच चाहिये। मोदी प्रेस कांफ्रेंस करते नहीं और सरकार समर्थक मीडिया विपक्ष की बात को नहीं छापता या दिखाता। छापता-दिखाता भी है तो तोड़-मरोड़कर या उतने हिस्से को ही जिससे सत्ता पक्ष को फायदा हो। ऐसे में यदि राज्यसभा सदस्य कल्याण बैनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) धनखड़ की मिमिक्री करते हैं और उसका राहुल गांधी वीडियो बनाते हैं तो वह स्वाभाविक है; अथवा राहुल बतलाते हैं कि दूसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद ओम बिरला उनसे (राहुल से) तो तनकर मिलते हैं परन्तु मोदी से झुककर हाथ मिलाते हैं। इस सबके बावजूद यदि प्रतिपक्ष का मुंह बंद रखने पर बिरला-धनखड़ आमादा हैं तो विरोधी दलों के पास इसके अलावा कोई और चारा नहीं रह जाता कि वे मोदी व गौतम अदानी के मास्क पहनकर संसद परिसर में दोनों की दोस्ती को प्रतीकात्मक तरीके से अभिनीत करें। यह प्रहसन बतलाता है कि संसद ऐसी अप्रासंगिक हो गयी है कि अपनी बात कहने या उन पर होते अन्याय को दर्शाने के लिये निर्वाचित सांसदों को मिमिक्री का सहारा लेना पड़ रहा है।

पार्टी के प्रति निष्ठा कहें या मोदी-शाह का डर; अथवा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा- इन्हें देश व जनता के हितों से भी ऊपर रख दिया गया है। इसी के चलते एक ओर तो ओम बिरला थोक के भाव में विरोधी सदस्यों को निलम्बित करते हैं, तो वहीं धनखड़ राज्यसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा पर नियम 267 के तहत नोटिस खारिज होने के बावजूद चर्चा के लिये सत्तारुढ़ दलों के सदस्यों को बोलने से रोकते हैं; लेकिन विपक्षी पार्टियों के सदस्यों का बोलना नामंजूर कर देते हैं। यही कारण है कि प्रेस के समक्ष दिग्विजय सिंह को कहना पड़ता है कि इतना पक्षपाती सभापति उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी भी नहीं देखा।

संपादकीय

असद के बाद

सीरिया की राजधानी दमिश्क पर तुर्की समर्थक आतंकवादी संगठन हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) के विद्रोहियों के कब्जे के बाद राष्ट्रपति बसर को देश छोड़कर रस भागना पड़ा और इस तरह असर परिवार के 5 दशकों के धर्मनिरपेक्ष लेकिन अधिनायकवादी सत्ता का अंत हो गया। सीरिया में लंबे समय से दुनिया भर के जेहादी संगठन असद के खिलाफ मुहिम चला रहे थे। 'अरब स्प्रिंग' के दौरान मार्च 2011 में राष्ट्रपति असद की इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ लेकिन उनकी सरकार ने बड़ी क्रूरता के साथ इस विरोध प्रदर्शनों को दबा दिया था। विश्व नेता और मानवाधिकार समूहों ने असद सरकार की इस कार्रवाई की निंदा की थी। इस घटना के बाद राष्ट्रपति असद की सरकार दबाव में आ गई और उसे घरेलू मोर्चे पर अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। रूस और ईरान के सहयोग से असद सत्ता में बने रहे। 'अरब स्प्रिंग' लोकतंत्र समर्थक विद्रोह की एक श्रृंखला थी, जिसके प्रभाव में कई मुस्लिम देश आए थे। लेकिन सीरिया की नवीनतम घटना को 'अरब स्प्रिंग' कहना अभी मुश्किल है। इसकी एक वजह तो यह की एचटीएस की जड़ें अल कायदा जैसे जेहादी और आतंकी संगठन से निकली है। हालांकि एचटीएस अल कायदा की तरफ वैश्विक जेहाद छोड़ने का दावा नहीं करता। वह दावा करता है कि उसका विश्वास लैंगिक समानता और धार्मिक-जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करना है। राष्ट्रपति बशर-अल असद की सरकार का पतन और अबु मोहम्मद अल जुलानी के नेतृत्व वाले एचटीएस जैसी इस्लामी ताकतों का उदय पश्चिम एशिया के भू राजनीति की स्थितियों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला है। इस पूरे घटनाक्रम से यह जाहरि है कि राष्ट्रपति असद की सत्ता को गिराने में तुर्की, खंस, अमेरिका और इस्राइल की हिस्सेदारी है और इस क्षेत्र में इनकी विजय हुई है और रूस तथा ईरान की पराजय हुई है। भारत पर भी इस घटनाक्रम का असर पड़ सकता है। भारत और सीरिया के बीच पुराने रिश्ते रहे हैं। भारत ने सीरिया पर लगाए प्रतिबंधों का कभी समर्थन नहीं किया तो दूसरी ओर सीरिया ने कश्मीर के मुद्दे पर हमेशा भारत का समर्थन किया है। अब आगे देखना है कि एचटीएस के नेतृत्व वाली नई सरकार का भारत सहित विदेशी मोर्चे पर क्या रुख रहता है। विदेश मंत्रालय ने शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण और समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया का आह्वान किया है।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज।

व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है।

उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

आर्थिक कारणों से अन्नदाताओं के बगावती तेवर

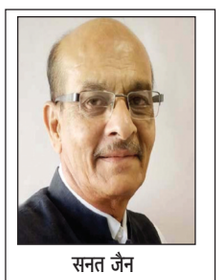

सनत जैन

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में किसानों की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। नाबार्ड की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। 4.476 करोड़ किसान परिवारों की मासिक औसत आय मात्र 13,661 रुपये है। जो प्रति दिन की आय 150 रुपये से भी कम है। जिसके कारण अधिकांश किसान परिवार आर्थिक तंगी के सबसे भयावह दौर से गुजर रहे हैं। किसान खेती के अलावा पशुपालन, मजदूरी और अन्य माध्यम से जो थोड़ी किसानों को आय होती है। उसी से वह किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। छोटे किसानों की हालत मजदूरों से भी गई बीती हो गई है। नाबार्ड की रिपोर्ट के अनुसार खेती से किसानो की औसत मासिक आय केवल 1,677 रुपये है। किसानों के पास जरुरी संसाधन और कोई बचत नहीं है। हर छोटे किसान के ऊपर कर्ज का भार है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है, कि 91,231 रुपये का औसत कर्ज देश के किसान परिवारों पर है। भारत मे केवल 9.1% किसान परिवार कर्ज से मुक्त हैं। लघु सीमांत किसान छोटे किसान सभी कर्ज के भार से दबे हुए हैं। खेती की लागत पिछले 10 वर्षों में बेतहासा बढ़ने, उपज के उचित दाम नही मिलने और कर्ज के बोझ से किसानों और उनके परिवार का जीवन जीना कठिन हो गया है। देश के 55.4% किसान परिवार कर्ज के भारी बोझ से दबे हुए हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियों में सुधार की जरूरत है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करना आवश्यक है। तीन वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है। किसान सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। सरकार ने जो वायदे किए थे, उससे केन्द्र सरकार मुकर गई है। निहत्थे किसानों पर जिस तरीके से पुलिस बल का प्रयोग किया जा रहा है। उसके कारण किसान नाराज होकर अब आर पार की लड़ाई लड़ने सड़कों पर उतर रहे हैं। बैंक और सहकारी समितियां द्वारा डिफाल्टर होने पर किसानों से ब्याज पर दंड ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज पर तुरंत रोक लगाने की व्यवस्था सरकार को करना होगी। इसके अलावा, कृषि के लिए आधुनिक तकनीकों और सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी हो गया है। केंद्र एवं राज्य सरकारें किसानों और कृषि के लिये सही नीतियाँ बनाकर उन्हें लागू कराएं, तभी किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। जीवन जीने के लिए कृषि क्षेत्र का मजबूत करना सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता में होना चाहिए। किसानों के साथ जो धोखाधड़ी सहकारी समितियां और सूदखोरों द्वारा की जा रही है। इस पर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है। सहकारी समितियां से लिए गए कर्ज पर यदि किसान एक बार डिफाल्टर हो जाता है, तो कई गुना कर्ज और ब्याज का बोझ किसान के ऊपर सहकारी संस्थाओं और बैंकों द्वारा डाल दिया जाता है। जिसके कारण किसान जीवन भर उस कर्ज को चुका नहीं पाता है। हताशा में किसानों को आत्महत्या तक करनी पड़ रही है। कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक योजना और ठोस प्रयास आवश्यक हैं। किसानों से ऋण में दिया गया मूलधन वापस करने का ही कानून बनाया जाना चाहिए। यदि किसान डिफाल्टर हो जाता है। ऐसी स्थिति में उसके ऊपर ब्याज का बोझ नहीं आना चाहिए। किसानों से यदि केवल मूल कर्ज की वसूली होगी। तभी जाकर किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है। किसानों की आय और बचत बढ़ने से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकती है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान है। भारत में कृषि क्षेत्र ही सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। कृषि क्षेत्र में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों का प्रवेश हो रहा है। यह स्थिति देश को बर्बाद करने की ?दिशा में बढ़ता कदम होगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर खत्म हो जाएंगे। भारत कृषि प्रधान देश है। संघीय व्यवस्था होने के कारण प्रत्ये राज्य की अपनी विविधता है। कृषि क्षेत्र के कारण स्थानीय स्तर पर करोड़ों लोगों को स्थानीय राजगार उपलब्ध होता है। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकारों को कृषि क्षेत्र एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विशेष प्रयास करने चाहिए।

शीतकालीन सत्र में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है परंतु संसद में सियासी तापमान प्रचंड है

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनिययाँ के अनेकों लोकतांत्रिक देश में वहां के निचले व उच्च सदन के लिए निर्वाचित सदस्यों के बीच सदन जूते चप्पलों का चलना कुर्सियां फेंकना व आपसी मारपीट के अनेक मामले हम टीवी चैनलों के माध्यम से देख चुके हैं जो एक लोकतंत्र के मंदिर में किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जहां सकता यह उस जनता का अपमान है जिन्होंने उन्हें का समाधान करने वह उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए उन्हें चुना है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चलने वाले भारतीय संसद के शीतकालीन सत्र में हम पहले दिन से ही देख रहे हैं कि काफी हंगामा मचा हुआ है,सदन नहीं चल रहा है व लगातार स्थगित हो रहे हैं जो आज 10 दिसंबर 2024 को भी दिन भर बाधित रहा और 11 दिसंबर 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष लगातार उद्योगपति मामले पर जेपीसी की मांग कर रहा है जिसपर सदन में चर्चा हो परंतु अब सत्ता पक्ष मैं भी जार सोरोन का मुद्दा उठाकर बड़ी पार्टी को भी घेरा है जिससे अब और भी स्थिति गंभीर होती जा रही है जनता देख रही है पिछले, कुछ सत्रों से हम देख रहे हैं कि लोकसभा सत्र के दौरान ही कोई गंभीर मुद्दा उठता है और उसपर हंगामा शुरू हो जाता है और जनता की गाड़ी कमाई का पैसा यूं ही अपव्यय हो जाता है।चूँकि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चल रहा है, संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही। साथियों बात अगर हम हंगामेंदार शीतकालीन सत्र की करें तो शीतकाल में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है लेकिन संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।शुरूआती छह में से पांच दिनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद कामकाज पटरी पर लौटा ही था कि दोनों ही सदन फिर से बेपटरी हो गए हैं। लोकसभा से राज्यसभा तक अडानी मुद्दे पर विपक्ष आक्रामक है तो वहीं अब दोनों सदनों में ट्रेजरी बेंच भी फ्रंटफुट पर आ गया है।संसद में अडानी मुद्दे से शुरू हुआ संग्राम अब जॉर्ज सोरोस पर आ गया है संसद के शुरूआती हफ्ते में जहां विपक्ष का अडानी पर आक्रामक रवैया सदन की कार्यवाही में बाधा बना तो वहीं अब विपक्ष के इस मुद्दे का जवाब सत्ता पक्ष के सदस्य संसद में जॉर्ज सोरोस के मुद्दे से दे रहे हैं।सत्ता पक्ष ने सोमवार को सोरोस मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया जिसकी वजह से राज्यसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।विपक्ष के नेता ने कहा है कि अगर ये तय करके आए हैं कि सदन नहीं चलने देंगे तो आप लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं।केरल के सांसद ने कहा कि सोरोस के मुद्दे पर चर्चा हो लेकिन उसके साथ ही अडानी मुद्दे पर भी चर्चा हो।कांग्रेस के सांसदों ने सत्ता पक्ष के रवैये को अडानी को बचाने की कोशिश बताया।विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बाद संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों का दावा है कि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के उनके अनुरोध को सत्ता पक्ष द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है। इनमें दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन और मणिपुर में चल रहा संघर्ष शामिल है। वहीं, दूसरी ओर सत्ताधारी पार्टी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता के फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन के जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन के साथ कथित संबंध के बारे में दावा किया है।

साथियों बात अगर हम अडानी बानाम सोरोस की करें तो संसद में सोरोस का मुद्दा आज गतिरोध बनकर सामने आया है लेकिन यह चैप्टर आज ही शुरू नहीं हुआ है, इसकी झलक 6 दिसंबर, शुक्रवार को ही देखने को मिल गई थी, तब अडानी मुद्दे पर हमलावर विपक्ष और कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए सत्ताधारी पार्टी के एक सांसद ने यह मुद्दा लोकसभा में उठाया था, झारखंड के सांसद ने सोरोस का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी कांग्रेस से 10 सवाल पूछे थे। उन्होंने विपक्ष के नेता की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सोरोस के किसी करीबी शेट्टी के नाम का जिक्र करते हुए भी सवाल पूछा था, इसी दौरान हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित हो गई थी।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कार्यवाही शुरू होने से पहले कहा कि कुछ मुद्दे हैं जिन्हें राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। जॉर्ज सोरोस और उनके संबंध जो सामने आए हैं, हम इसे विपक्षी पार्टी या विपक्षी नेता से संबंधित मुद्दे के रूप में नहीं देखते, हमें इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए, यह भारत विरोधी ताकतों से संबंधित है, हमने कांग्रेस और अन्य दलों से कहा है कि हम 13-14 दिसंबर (लोकसभा में) और 16-17 दिसंबर (राज्यसभा में) को संविधान पर चर्चा करेंगे।कांग्रेस पार्टी के नेताओं और उसके कार्यकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अगर उनके नेताओं के भी भारत विरोधी ताकतों से संबंध पाए जाते हैं तो उन्हें भी अपनी आवाज उठानी चाहिए।साथियों बात अगर हम जॉर्ज सोरोस को जानने की करें तोभारत की राजनीति में अमेरिका के अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस का नाम इन दिनों चचाओं में चल रहा है। बीजेपी ने विपक्षी बढ़ी पार्टी और विपक्ष के नेता समेत उनके परिवार की आलोचना करने के लिए सोरोस के नाम का सहारा लिया है। इतना ही नहीं बीजेपी ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता पर भारत को कथित तौर पर अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस जैसी अंतर्राष्ट्रीय ताकतों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। सत्ताधारी पार्टी लगातार सोरोस का नाम लेकर विपक्ष के नेता को घेर रही है। सत्ताधारी पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा करने की मांग की जिसको लेकर राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस नेता उस संगठन से जुड़ी हैं जो सोरोस से फंड लेती हैं।जॉर्ज सोरोस का नाम भारत में पहली बार नहीं आया है। इससे पहले भी सोरोस का नाम आ चुका है। इससे पहले अडाणी मुद्दे, मोदी सरकार पर टिप्पणी करके वह विवादों में आए थे। हंगरी के बुडापेस्ट में 1930 में सोरोस का जन्म हुआ था। सोरोस का नाता विवादों से रहा है। सोरोस का सबसे विवादित फाइनेंशियल मूव 1992 में आया था, उस समय उन्होंने ब्रिटिश पाउंड के खिलाफ दांव लगाया और एक ही दिन में 1 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई

की। इसके बाद उन्हें द मैन हू ब्रोक द बैंक ऑफ इंग्लैंड का उपनाम भी दिया गया, जिसका अर्थ होता है-बैंक ऑफ इंग्लैंड को बर्बाद करने वाला व्यक्ति। पीएम मोदी के है धुर आलोचक है,जॉर्ज सोरोस की पहचान एक ऐसे व्यक्ति की रही है जो विश्व के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए अपना एजेंडा चलाता है। सोरोस को भारतीय पीएम की नीतियों का भी धुर आलोचक माना जाता है। 2020 में दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर एक भाषण के दौरान सोरोस ने पीएम और उनकी सरकार की खूब आलोचना की थी। उन्होंने सरकार परअधिनायकवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया था। इसके अलावा सरकार पर विभाजनकारी नीतियों को लागू करने का आरोप लगाया। पीएम को सोरोस ने विश्व स्तरपर लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वाले राष्ट्रवादी नेताओं में से एक बताया था। सोरोस के इस बयान की भारतीय नेताओं ने कड़ी आलोचना की थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024- संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही शीत कालीन सत्र में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है परंतु संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।डिजिटल मीडिया युग में सम्माननीय संसद सदस्यों को करोड़ों आंखें लाइव देख रही है जिसे हर सदस्य ने स्वतः संज्ञान लेना जरूरी है।

Page - 07_Page - 07.qxd 12-12-2024 02:09 Page 1

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है

न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थों को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से सबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सों का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठ्यक्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यो को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

क्लीनिकल डाइटीशियन- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिंग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यतः पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यो की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन - मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढ़ते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सर्जन को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

लेटर भेजकर महाबोधि मंदिर को उड़ाने की धमकी

झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम से भेजा लेटर; कुख्यात के घर धनबाद पहुंची गया पुलिस

गया। के महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी मंदिर समिति को पत्र भेजकर दी गई है। धमकी मिलते ही मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस की जांच में पता चला है कि धमकी भरा लेटर झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर भेजा गया है। प्रिंस पर झारखंड सरकार ने 30 लाख का इनाम रखा है। उसके खिलाफ रेड और ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी है, लेकिन वह अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। अब तक की जांच में उसका मोबाइल लोकेशन दुबई में मिला है। इधर धमकी मिलने के बाद गया पुलिस मंगलवार को धनबाद के वासेपुर

स्थित गैंगस्टर के घर भी पहुंची, लेकिन वहां प्रिंस खान नहीं मिला। धनबाद पुलिस ने पहले ही प्रिंस का पासपोर्ट रद्द करवा चुकी है। उसके खिलाफ प्रिंस खान साल 2021 में जमीन कारोबारी नन्हे खान की हत्या के बाद से फरार है। जांच एजेंसियां हर पहलू पर कर रही जांच धमकी मिलने के बाद महाबोधि मंदिर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसियां हर पहलू पर काम

कर रही हैं। बुधवार को गया के सिटी एसपी प्रेरणा कुमार ने कहा कि 'लेटर भेजकर धमकी दी गई है, जिसकी सत्यता की जांच की जा रही है। अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मामले में गोपनीयता बरती जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमकी असली है या किसी ने प्रिंस खान का नाम इस्तेमाल कर साजिश रची है।' 7 जुलाई, 2013 को आतंकवादियों ने महाबोधि मंदिर और बोधगया के आसपास के तीर्थस्थलों पर विस्फोट किए थे। 30 मिनट में 9 विस्फोट किए गए थे। इस हमले में दो भिक्षु सहित 5 लोग घायल हुए थे। 19 जनवरी 2019 में भी हुई थी कोशिश बोधगया को दोबारा दहलाने की साजिश 19 जनवरी 2019 को की गई थी। आर्तकियों ने महाबोधि मंदिर परिसर के आसपास तीन जगहों पर विस्फोटक रखे थे। उस समय दलाई लामा बोधगया में ही प्रवास पर थे। हालांकि, गया पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर तीनों विस्फोटक बरामद कर किया था। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया था।

संक्षिप्त डायरी

गेटमैन के शराब पीने मामले में अल्कोहल की पुष्टि नहीं

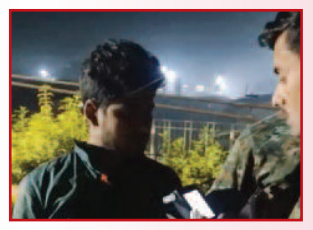

मोतिहारी। में रेलवे और पुलिस के बीच विवाद होने का मामला सामने आया है। दरअसल पुलिस का कहना है बनकटवा में तैनात रेलवे गेट मैन शराब के नशे में ड्यूटी कर रहा था। जबकि गेट मैन का कहना है कि पुलिस गुमटी खोलवाने के लिए दबाव बना रही थी। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मालूम हो कि जितना थाना थाथानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह 28 नवंबर को गश्ती पर थे। इस दौरान गेट मैन पवन कुमार को शराब के नशे में ड्यूटी करते पकड़ा था। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया गया था। वहीं गेट मैन पवन कुमार ने एसपी से शिकायत करते हुए लिखा था कि पुलिस उस पर दबाव बना रही थी कि वे गेट को खोल दे। गेट नहीं खोलने पर झूठा केस लगा दिया। जबकि डीआरएम की ओर से कराए गए जांच में शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा एसपी ने बताया कि फाटक कर्मी का ब्लड सैंपल रेलवे ने एक दिन बाद लिया था। एक दिन के बाद ब्लड लेने पर रिपोर्ट में अल्कोहल की पुष्टि नहीं हो सकती है। अनुसंधान में यह रिपोर्ट मान्य नहीं होगा।

थाना अध्यक्ष सहित 60 कर्मियों का वेतन बंद

मोतिहारी। SP ने क्राइम मीटिंग में समीक्षा के बाद कार्य में लापरवाही को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। एक थाना के 60 कर्मियों का वेतन बंद कर दिया है। वही थाना के अपर थाना अध्यक्ष को निलंबित कर दिया है।एसपी स्वर्ण प्रभात ने नगर थाना के इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक सभी कर्मियों का वेतन रोक दिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानों के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान नगर थाना में सौ से अधिक वारंटी, कुर्की और इश्तहार के निष्पादन में कर्त्तव्य हीनता सामने आई। इसको लेकर अपर थाना अध्यक्ष रविराज को निलंबित कर दिया गया। वहीं नगर थाना के थाना अध्यक्ष से लेकर सिपाही तक के वेतन को बंद करने का आदेश दिया गया है।

भाजपा नेता की पत्नी ने की दूसरी शादी, फोटो वायरल

किशनगंज। में भाजपा नेता राकेश कुमार गुप्ता (30) ने अपनी पत्नी पर 5 लाख रुपए लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। पत्नी की दूसरी शादी की तस्वीर भी सामने आई है। इसको लेकर राकेश ने अपहरण का मामला दर्ज कराया गया है। मामला किशनगंज सदर थाना क्षेत्र का है। राकेश गुप्ता भाजपा के क्षेत्रीय प्रभारी है। मंगलवार को राकेश कुमार गुप्ता और उनके परिजन लड़की के घर पहुंचे तो हंगामा हुआ। लड़का पक्ष के लोगों का आरोप है कि लड़की पांच लाख कैश लेकर भाग गई है। इससे पहले लड़की की मां ने कई बार में 35 लाख रुपए लिए है।वहीं, इस संबंध में लड़की के पिता ध्रूप मोदक ने बताया कि राकेश गुप्ता से बेटी की शादी नहीं, बल्कि सगाई हुई थी। 6 दिसंबर को वे डॉक्टर से दवा लेने सिलीगुड़ी गए थे। वहां से वापस आने के बाद घर में बेटी नहीं मिली। पिता ने राकेश गुप्ता से रुपए लेने की बात से इनकार किया है।वहीं, धर्मगंज निवासी राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गंगा बाबू चौक की रहने वाली लड़की पिंकी (25) से अरेंज मैरिज हुई थी। 29 अप्रैल 2024 को जिला न्यायालय में दोनों ने शादी की थी। इस दौरान दोनों के परिजनों भी मौजूद थें। कोर्ट में शादी के बाद पांजीपारा के मंदिर में भी हिंदू रीति रिवाज से परिजनों की उपस्थिति में दोनों की शादी हुई थी। राकेश का आरोप है कि शादी के बाद लड़की की मां ने बेटी को उनके साथ भेजने से मना कर दिया। मां का कहना था कि अभी आपका घर ठीक नहीं है। पहले घर बनवा लें, फिर लड़की को विदा करेंगे। ससुराल वालों की बात मानते हुए मैंने भी लड़की को साथ ले जाने के लिए दबाव नहीं बनाया। हालांकि, लड़की का मेरे घर आना-जाना लगा रहता था। साथ घूमने भी जाते थे। इसी बीच लड़की और उसकी मां ने तरह-तरह से मुझ पर दबाव डालना शुरू कर दिया। कभी जमीन लेने के लिए तो कभी घर की रजिस्ट्री के नाम पर मुझ से लाखों रुपए लिए। दो युवक मेरी पत्नी को लेकर गए पुलिस को दिए आवेदन राकेश गुप्ता ने बताया कि 6 दिसंबर को डॉक्टर को दिखाने के लिए वह अपने ससुर और सास के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी गए थे। इस दौरान पत्नी ने हाल-चाल जानने के लिए फोन किया था।

दानापुर अस्पताल कैंपस में लगा पोल ट्रांसफार्मर के साथ गिरा

पटना। के दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में लगा टांसफार्मर, पोल सहित उखड़कर गिर गया। इसके कारण बिजली सप्लाई बाधित हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अस्पताल के चारदीवारी निर्माण को लेकर गड्ढा खोदा गया था। इसके कारण यह घटना हुई। मजदूर के साथ ठेकेदार भी फरार प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो उस समय ठेला लेकर गुजर रहा एक शख्स बाल-बाल बच गया। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि करीब 12 बजे घटना हुई। मौके पर मौजूद लोग इधर उधर देखकर भागने लगे। बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद चारदीवारी का काम रहे सभी मजदूर के साथ ही ठेकेदार फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना के बाद दानापुर अनुमंडल अस्पताल में तीन घंटे तक बिजली बाधित रही। घटना की सूचना पाकर मौके बिजली विभाग के कनीय अभियंता अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। अनुमंडल अस्पताल की मैनेजर सीमा ने बताया कि तीन घंटे से बिजली बाधित है। फिलहाल जरनेटर से बिजली अस्पताल में बिजली आपूर्ति की जा रही है। कनीय अभियंता रवि भूषण ने बताया कि चारदीवारी निर्माण को लेकर गड्ढा खोदा गया था, जिससे हादसा हुआ है। घटना ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुई है। गड्ढा खोदने को लेकर पहले विभाग को सूचना नहीं दी गई थी।

हमारी सरकार बनी तो कांग्रेस के दो डिप्टी सी.एम होंगे

बिहार कांग्रेस प्रभारी बोले- उसमें एक मुस्लिम होगा; तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे

पटना। 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दलों ने शुरू कर दी है। महागठबंधन में शामिल कांग्रेस ने चुनाव और हार-जीत के फैसले से पहले ही बड़ी डिमांड रख दी है। बिहार कांग्रेस के प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा- '2025 में महागठबंधन की सरकार बनी तो कांग्रेस पार्टी से दो डिप्टी सी.एम होंगे। एक डिप्टी सी.एम मुस्लिम समाज से होगा और दूसरा डिप्टी सी.एम सामान्य वर्ग से होगा।' खगड़िया में शाहनवाज आलम ने कहा कि 'बिहार विधानसभा का चुनाव महागठबंधन तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ेगा। बहुमत मिलने के बाद तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे।'इससे पहले कांग्रेस प्रभारी ने ममता बनर्जी को नेतृत्व देने वाले लालू यादव के बयान पर कहा था-

'कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतुका है। अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं कर सकते। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए।'एक दिन पहले ही लालू यादव ने I.N.D.I.A गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को सौंपने की बात कही थी। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस में खलबली मच गई थी। हालांकि, कांग्रेस की ओस रे कहा गया कि 'नेतृत्व का निर्णय I.N.D.I.A गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर करेंगे।' वहीं खगड़िया में मीडिया से बात करते हुए बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने इशारों में लालू परिवार और ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 'पिछले दिनों देश के एक बड़े पूंजीपति के घर में शादी हुई थी, तो जो-जो लोग उस शादी में गए थे, वही लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं जो उस शादी में नहीं गए थे।
गांधी परिवार को पूरे देश के लोग स्वीकार करते हैं।'
बता दें कि मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में लालू परिवार और ममता बनर्जी ने शिरकत की थी।

बेटे की अस्थियां लेकर लौट रहा,न्याय के लिए लडूंगा

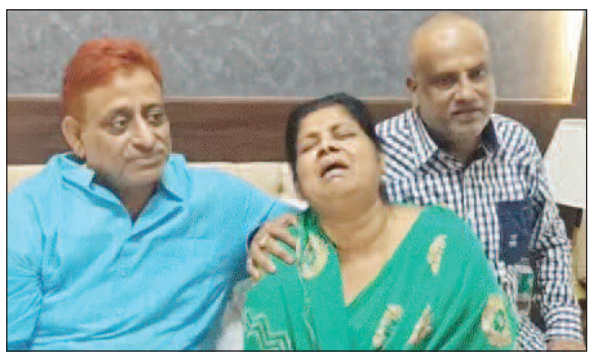

समस्तीपुर।'2019 में मेरे बड़े बेटे अतुल की शादी निकिता सिंघानिया से हुई थी। शादी के बाद से अतुल कभी खुश नहीं रहा। हर वक्त उसकी पत्नी उसे प्रताड़ित करती रहती थी। अतुल को लगता था कि सब एडजस्ट हो जाएगा। फिर एक साल बाद मेरा पोता हुआ, लेकिन फिर भी सब ठीक नहीं हुआ।' '2021 की शुरूआत में मेरी बहू अपने मायके चली गई। वहां जाने के बाद उसने अतुल समेत मेरे पूरे परिवार पर केस कर दिया। मेरे बेटे को लगता था कि कोर्ट से उसे न्याय जरूर मिलेगा। अभी बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बेटे की अस्थियां गोद में लेकर बैठा हूं। अब मैं अपने बेटे के लिए लडूंगा और न्याय दिला कर रहूंगा।' ये बातें बेंगलुरु से समस्तीपुर लौट रहे अक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता पवन कुमार दैनिक भास्कर से कहीं। फोन पर बात करते हुए पिता ने रोते-रोते पूरी कहानी बताई। बेटे को खो चुके पवन कुमार ने कहा, 'उसकी शादी के बाद एक बार जो परेशानियां शुरू हुईं, वो फिर खत्म नहीं हुई। एक केस खत्म होता तो दूसरा शुरू हो जाता।'अतुल सुभाष के पिता पवन कुमार ने बताया, '26 अप्रैल 2019 को अतुल की शादी हुई। अतुल की पत्नी शादी के बाद सिर्फ एक दिन हमारे घर यानी पूसा रोड रही है। अगले ही दिन यानी 28 अप्रैल को वो अतुल के साथ बेंगलुरु चली गई।' 'इसके बाद वो कभी हम लोगों के पास नहीं आई। अतुल की पत्नी बेंगलुरु में किसी कंपनी में काम करती थी। उस वक्त अतुल महिंद्रा एंड महिंद्रा में जॉब करता था। दोनों साथ ही बेंगलुरु गए थे।' 'एक साल बाद जब पोता हुआ, तो कुछ ही दिनों के बाद बहू की मां बेंगलुरु आई और पता नहीं क्या सिखाया कि बहू बेटे को लेकर मायके लौट गई। फिर तो सब बिल्कुल ही बदल गया।' 'आप सोच कर देखिए कि पूरे परिवार पर हत्या की कोशिश का, दहेज का... हमारे यहां दहेज का कोई प्रथा नहीं चलता है। इसके बाद भी मेरी बहू ने इतनी बड़ी समस्या में हम लोगों को डाल दिया।' 'स्थिति ऐसी हो गई कि बेटे को सुसाइड करना पड़ गया। शायद ये सब अतुल ने पहले से ही प्लान कर लिया था। वो जितनी परेशानियां झेल रहा था, शायद सोचता होगा कि मां-बाप को बताने से कोई फायदा नहीं, शायद इसी लिए उसने ये कदम उठाया।'
रोते-रोते पवन कुमार ने बताया, '8 दिसंबर की देर रात छोटे बेटे विकास को मेल मिलने के बाद हम लोग 9 दिसंबर की सुबह बिहार से बेंगलुरु के लिए चले। शाम को यहां पहुंच गए थे। 10 दिसंबर को क्रिया-कर्म करने के बाद आज सुबह हम लोग बिहार के लिए निकले हैं।' अतुल की पत्नी ने पूरे परिवार पर केस किया था, लिहाजा अतुल तो बेंगलुरु से बनारस और फिर जौनपुर जाता था। इधर से मैं पूसा रोड से जौनपुर जाता था। मेरी उम्र 62 साल है। मेरी पत्नी 54 साल की है। मेरा छोटा बेटा विकास दिल्ली में रहता है।पिता ने कहा, 'अतुल देखता था कि मेरे माता-पिता भी परेशान हैं। जहां से न्याय मिलना था, वहां पेशकार से लेकर जज तक रिश्वत लेने को तैयार हैं। कहते थे कि 3 लाख रुपए दीजिए, 5 लाख रुपए दीजिए, तो आपका सेटलमेंट करा दिया जाएगा। नहीं तो परेशानी आपको ही होगी।' 'जब जज की ओर से रिश्वत की मांग की गई तो मेरे बेटे अतुल ने कहा कि आप ऐसा बोल रही हैं, तो ऐसे में तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। इतने पैसे मैं कहां से दूंगा।' 'पहले जज की ओर से भरण-पोषण के लिए 40 हजार की रकम तय की गई, बाद में इसे 80 हजार रुपए कर दिया गया। आप सोच कर देखिए, कोई इंसान ऐसे में क्या करेगा।

इंस्टाग्राम- फेसबुक पर फर्जी वीडियो पोस्ट करता है पति

मधुबनी। से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर पत्नी को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर महिला ने बुधवार को साइबर थाने में दूसरी बार शिकायत की है। इससे पहले 29 अक्टूबर 2024 को भी पीड़िता ने इस मामले को लेकर आवेदन दिया था। लेकिन, पति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद महिला ने दूसरी बार पति के खिलाफ साइबर थाने में आवेदन दिया है। महिला का आरोप है कि पति अश्लील वीडियो बनाकर मेरे रिश्तेदारों को भेज रहा है। इससे हमारी पारिवारिक जीवन और सामाजिक छवि खराब हो रही है।पहली बार में महिला को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसका पति ही फेक आईडी बनाकर उस पर अश्लील वीडियो अपलोड कर रहा है। इस कारण उसने अज्ञात के खिलाफ आवेदन दिया था। वहीं, 2 दिन पहले उसे पता चला कि उसका पति ये काम कर रहा है। इसके बाद बुधवार को उसने अपने पति के खिलाफ साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित महिला ने बताया कि 'वह पिछले 2 महीने से पुलिस थाने का चक्कर काट रही थी। लेकिन, उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला का कहना है कि आरोपी लगातार अलग-अलग फेक क्ळ बनाकर अश्लील मैसेज और वीडियो परिजनों को भेज रहा है। पुलिस ने उसे पुपरी थाना और साइबर सेल के बीच दौड़ाया, लेकिन मामले पर ध्यान नहीं दिया।' जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा साइबर ऊढ रश्मि कुमारी ने बताया कि 'आरोपी ने कई फेक अकाउंट्स बनाकर अश्लील वीडियो पोस्ट की है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।'

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक घायल, चल रहा इलाज

मोतिहारी । में के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े युवक को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। इसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आस पास के लोगों ने उसे डुमरियाघाट हॉस्पिटल में भर्ती कराया।वहा गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। युवक की पहचान डुमरिया घाड़ थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी 25 साल के सोनू कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में घायल सोनू के पिता ने बताया कि वह चौक पर गया था। चौक से घर आ रहा था, इस बीच अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। तभी इसकी सूचना हम लोगों को मिली। इसके बाद उसे लेकर मोतिहारी के सदर अस्पताल आए है। घटना के बाद आरोपी चालक फरार हो गया।

पेज एक के शेष

सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33% आरक्षण, झारखंड के राज्यपाल का बड़ा एलान...
राज्यपाल संतोष गंगवार ने विधानसभा सत्र के तीसरे दिन अभिभाषण दिया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई दी और उनसे सुखी, समृद्ध और उन्नत झारखंड बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करने को कहा। वहीं अभिभाषण के बाद अब सदन में अनूपूरक बजट हो पाएगा।
मंईयां सम्मान योजना के लिए 6390.55 करोड़ आवंटित...
अभिभाषण में की गई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाओं के अनुसार, झारखंड में मदरसा बोर्ड का गठन किया जाएगा। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से लोगों को जोड़ा जाएगा। गरीबों को 7 किलो चावल और 2 किलो दाल सरकार की ओर से दिया जाएगा। अबुआ आवास योजना के तहत 25 लाख से अधिक गरीब परिवारों को तीन कमरों का सुंदर आवास चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा।
जेएसएससी-सीजीएल के परीक्षार्थियों पर हुए लाठी चार्ज पर चंपाई सोरेन ने सरकार को घेरा, कहा- छात्रों के साथ खड़ी है भाजपा...
झारखंड की अगली पीढ़ी के भविष्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को बर्दास्त नहीं किया जायेगा।
15 दिसंबर को जेएसएससी कार्यालय का घेराव करेंगे छात्र
बता दें कि जेएसएससी सीजीएल के छात्र मंगलवार को हजारीबाग समेत कई जिलों में रिजल्ट में धांधली का आरोप लगाते हुए पूरी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने कहा है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गयी तो 15 दिसंबर को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय का घेराव करेंगे।
प्रवासी मजदूर की मलेशिया में मौत शव मंगवाने को ले सरकार से गुहार...
सरकार को झारखंड में ही रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि युवाओं का पलायन रोका जा सके।
कांग्रेस ने बिहार में उठाई मुस्लिम डिप्टी सीएम की मांग तो आरजेडी ने दिखाई आंख, जेडीयू ने भी घेरा...
आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर मुसलमानों के कत्ल के दाग लगे है। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा उपचुनाव में जनता ने एनडीए को वोट दिया और इसी बात से कांग्रेस डर रही थी। आगे अनवर ने कहा कि 2025 में अल्पसंख्यकों का वोट नीतीश कुमार को ही जाएगा।
शहनवाज आलम के बयान का विरोध करने उनकी ही गठबंधन पार्टी राजद के मृत्युंजय तिवारी पहुंचे। उन्होंने कहा कि शहनवाज आलम- जो कि बिहार के कांग्रेस प्रभारी है, कांग्रेस को उन पर लगाम लगानी चाहिए। बिहार कांग्रेस प्रभारी बेवजह बयान दे रहे है।
बिहार में 2025 में कोई वेकेंसी नहीं
दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी की अराधना मिश्रा ने एक चिट्ठी का जिक्र करते हुए कहा कि दलित हो या मुस्लिम हमारे लिए कभी अलग नहीं रहे है। हमारे साथ सब साथ है। चाहे संभल हो या रामपुर या मणिपुर हो, कांग्रेस पार्टी सहित इंडिया अलायंस सभी मसलों पर गंभीर है। वोट बैंक के बारे में कभी नहीं सोचा। बिहार के विधायक हरिभूषण ठाकुर ने भी अपनी राय रखते हुए कहा कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। प्रदेश में मुस्लिम डिप्टी सीएम को रखना उनका ठगने का फॉमूर्ला है। बिहार में 2025 में कोई वेकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार ही फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। बीजेपी की तरफ से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ही डिप्टी सीएम होंगे। कांग्रेस के पास बिहार की सत्ता नहीं जाने वाली।
युवा का विजन ही सरकार का मिशन
आज देश में ड्रोन का अलग-अलग सेक्टर्स में बहुत इस्तेमाल हो रहा है। ड्रोन आजकल रिमोट एरिया में दवाएं और जरूरी सामान पहुंचाने में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। लेकिन देश के दुश्मन भारत में हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में ड्रोन का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। खुशी की बात है कि आप सभी ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं, इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं।
भारत की ताकत युवाशक्ति
आप सभी को पता है कि भविष्य की दुनिया ज्ञान और नवाचार से ही चलने वाली है। ऐसे में आप सभी भारत की आशा और प्रेरणा हैं। आज दुनिया कह रही है कि भारत की ताकत हमारी युवाशक्ति है। हमारा इनोवेटिव यूथ हमारी टेक पावर है। आज भारत की आकांक्षाएं हर चुनौती से निपटने के लिए अलग सोच की मांग करती हैं। हमें हर क्षेत्र में एक अभिनव दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, इसे अपनी आदत बनाना चाहिए। विशेष रूप से इस हैकाथॉन के संबंध में प्रक्रिया उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी इसका उत्पाद।
सभापति जगदीप धनखड़ का अपमान करने के लिए लाया गया अविश्वास प्रस्ताव : किरन रिजिजू...
बीजेपी नेता जेपी नड्डा ने भी सोनिया गांधी और सोरोस के लिंक के बारे में कांग्रेस से जवाब मांगा और कहा कि गलत इरादों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा और भारत पीएम मोदी ने नेतृत्व में मजबूत अर्थव्यवस्था

Page - 09_Page - 09.qxd 12-12-2024 02:10 Page 1

सुनील पाल के बाद अभिनेता मुश्ताक खान ने किया किडनैपिंग का दावा

मुंबई। पहले हास्य अभिनेता सुनील पाल के किडनैप की खबरें आई। उनका मामला सुलझता इससे पहले वेलकम फिल्म के अभिनेता मुश्ताक खान ने भी अपनी किडनैपिंग का दावा किया है। अभिनेता ने बताया कि उनका अपहरण दिल्ली-मेरठ हाईवे से किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 20 नवंबर को हुई, जब मुश्ताक खान को मेरठ में एक पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता को फंसाने के लिए एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया और उनकी फ्लाइट टिकट की व्यवस्था करने के साथ-साथ उनके खाते में अग्रिम भुगतान भी ट्रांसफर कर दिया। अभिनेता के मुताबिक, जब वह दिल्ली-मेरठ हाईवे पर पहुंचे, तो अपहरणकर्ताओं ने उन्हें अगवा कर लिया और बिजनौर के पास एक सुनसान इलाके में ले गए। वहां उन्हें करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता और उनके बेटे के बैंक खाते से 2 लाख रुपये निकालने के बाद 1 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की। मुश्ताक खान ने बताया कि उनका बच निकलने का तरीका बिल्कुल फिल्मी था। पास में एक मस्जिद होने के कारण, उन्होंने सुबह की अजान सुनी और उसी मौके का फायदा उठाते हुए वहां से भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों से मदद लेकर वह घर पहुंचने में कामयाब हुए। इसके बाद, वह पुलिस के पास गए और सारा मामला समझाकर उनसे मदद मांगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मुश्ताक खान की हालत अब ठीक है, और वह जल्द ही मीडिया से बात कर इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

राजस्थान के दौसा में बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे को बचाने का अभियान बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा बोरवेल में सोमवार करीब तीन बजे से 150 फुट की गहराई पर फंसा हुआ है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के तहत बोरवेल के समानांतर जमीन खोदी है। एनडीआरएफ के कमांडेंट योगेश कुमार ने बताया कि 'ड्रिलिंग' मशीनों से 110 फुट तक खुदाई की जा चुकी है और काम जारी है। उन्होंने कहा, फिर हम क्षैतिज रूप से बोरवेल में बच्चे के पास पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, चुनौती यह है कि हम 150 फुट तक जा सकते हैं, उससे आगे नहीं। एनडीआरएफ बचावकर्मी बच्चे को बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ नीचे जाएंगे। कमांडेंट ने बताया कि इलाके में 160 फुट पर पानी हो सकता है इसलिए इलाके में सबमर्सिबल पंप शुरू कर दिए गए हैं, ताकि बचाव अभियान में भूमिगत जल से कोई बाधा न हो। उन्होंने बताया कि जमीन के अंदर भाप होने के कारण टीम को बोरवेल में उतारे गए कैमरे से बच्चे की गतिविधियां पता लगाने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि ड्रिलिंग मशीनों ने 110 फीट तक खुदाई की है और योजना 150 फुट की गहराई तक जाने की है जहां बच्चा फंसा हुआ है। दौसा जिले के पापडदा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर पांच वर्षीय आर्यन कालीखाड़ गांव में एक कृषि क्षेत्र में खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गया था।

पति का कर्ज चुकाने पत्नी ने कलेजे के टुकड़े को बेच दिया

-डेढ़ लाख में एक माह के नवजात को बेचा

नई दिल्ली। कर्नाटक के रामनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने अपने 30 दिन के नवजात बेटे को डेढ़ लाख रुपये में महज इसलिए बेच दिया, ताकि पति का कर्ज चुका सके। घटना के संबंध में बतलाया गया है कि महिला के पति ने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा घर से लापता है और उन्हें उसके गायब होने में अपनी पत्नी पर ही शक है। पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और पता चला कि महिला ने अपने नवजात बेटे को बेंगलुरु की एक महिला को बेचा था। महिला और उसके पति दोनों दिहाड़ी मजदूर थे और पांच बच्चों के साथ बेहद कठिन आर्थिक स्थिति का सामना कर रहे थे, जिस कारण उन पर तीन लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज था। महिला के पति ने पहले ही अपने नवजात को बेचने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था, लेकिन महिला ने अपने दो सहयोगियों की मदद से बच्चे को बेंगलुरु में एक महिला को बेच दिया। 5 दिसंबर को जब महिला का पति घर लौटा, तो उसने देखा कि बच्चा गायब था। पत्नी ने बताया कि बच्चे को स्वास्थ्य समस्याएं थीं और उसे डॉक्टर के पास भेजा गया था। हालांकि, जब उसने और अधिक जानकारी मांगी तो पत्नी का जवाब संदेहास्पद था, जिससे पति को शक हुआ। इस पर 7 दिसंबर को पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जब पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो उसने पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने अपने बेटे को डेढ़ लाख रुपये में बेचा था। पुलिस ने तुरंत बेंगलुरु जाकर बच्चे को बरामद किया। पुलिस ने महिला, उसके दो सहयोगियों और बच्चे की खरीदी करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे को बचाकर मंड्या के बाल कल्याण केंद्र भेज दिया गया है।

जब जज ने ही जमानत के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत ली !

मुंबई। न्यायपालिका से न्याय मिलने की एक बड़ी उम्मीद आम लोगों को रहती है और कई ऐसे मामले सामने आए हैं जब लोगों को न्यायपालिका से ही न्याय मिला है। लेकिन इन दिनों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जड़े जमने की खबर भी गाहे बगाहे सामने आती रहती है। शायद यही वजह है कि जनता का विश्वास न्यायपालिका को लेकर डगमगाने लगा है। जी हाँ, जब न्याय करने वाले जज ही पैसे लेकर न्याय देंगे तो सोचिये स्थिति कैसी आ जाएगी। दरअसल रिश्वत लेने की घटना महाराष्ट्र के सतारा में घटी है। खबर है कि जज ने जमानत देने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत ली। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एंटी करप्शन) ने सतारा जिला न्यायलय के जज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जज को गिरफ्तार करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया है और हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही जज को गिरफ्तार किया जाएगा। खबर है कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक जज ने शिकायतकर्ता के पिता को जमानत देने के लिए सीधे रिश्वत मांगी।

डांटने और धमकाने का काम कर रहे धनखड़

-खड़गे ने प्रेस वार्ता में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रेस वार्ता में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को हानि पहुंचाई है।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सदन में विपक्ष की आवाज को दबाया जाता है। सभापति तो राजनीति से परे होते हैं, लेकिन यहां वो आरएसएस की तारीफ करते हैं। सभापति को पूरी तरह से निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का मकसद व्यक्तिगत शिकायतें या राजनीतिक लड़ाई से जुड़ा नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह डांटते हुए काम करते हैं, वरिष्ठ अनुभवी विपक्षी नेताओं को वे उपदेश देते हैं, उन्हें बोलने से रोक देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण तो स्वंय अध्यक्ष हैं। वे सभापति कम और सरकार के प्रवक्ता के रूप में ज्यादा काम कर रहे हैं।

इसी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सदन में राज्यसभा अध्यक्ष के आचरण ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। हम व्यक्तिगत तौर पर राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद ही हमें उन्हें हटाने के लिए नोटिस देने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। हम सभापति के व्यवहार और पक्षपात पूर्ण रवैये से तंग आ चुके हैं, इसीलिए उन्हें हटाने के लिए हमने नोटिस दिया हुआ है। कुल मिलाकर उन्होंने कहा कि धनखड़ का आचरण उनके संवैधानिक दायित्वों और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने अपने पद का उपयोग सत्तारूढ़ दल की नीतियों की प्रशंसा करने और विपक्ष को दबाने के लिए किया है। खड़गे ने कहा, एक संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ ने तटस्थता को दरकिनार कर, सरकार के प्रवक्ता जैसा व्यवहार किया है। विपक्ष के नेताओं को अपमानित करना और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

दुखी मन से लाए अविश्वास प्रस्ताव.....

-प्रमोद तिवारी ने कहा विपक्ष को चुप कराया जा रहा

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कि भारी मन और बड़े दुख के साथ हम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 बी के तहत यह अविश्वास प्रस्ताव को पेश करने के लिए बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज मौजूदा एक सत्र की बात नहीं, बल्कि कई सत्रों से ऐसा चल रहा है। हमने देखा है कि विपक्ष के नेताओं को बोलने ही नहीं दिया जाता, पूरे विपक्ष को चुप करा दिया जाता है। सत्ता पक्ष के नेता किरेन रिजिजू तो बोल सकते हैं लेकिन दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। यह सरकार लोकतंत्र में

विश्वास ही नहीं रखती। उन्होंने कहा कि जब सदन में हम नियमों के तहत अपनी बात ही नहीं रख सकते तो अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। गौरतलब है कि 10 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला लिया था। इसके बाद ही इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को प्रस्ताव सौंपा है।

पीएम नरेंद्र मोदी जल्द जा सकते हैं कुवैत, अल-याह्या ने पिछले हफ्ते की थी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पश्चिम एशियाई देश की पहली यात्रा होगी। इस समय खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता भी कुवैत कर रहा है। पिछले हफ्ते कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने अपनी भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने कुवैत नेतृत्व की ओर से पीएम मोदी को निमंत्रण दिया था। पीएम मोदी ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

कुवैत एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है जहां पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है। कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा पर नहीं जा सके थे। जीसीसी में कुवैत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर देश शामिल हैं। पीएम मोदी ने सितंबर में, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात की थी। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी।

पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर आए कुवैत के विदेश मंत्री के साथ चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया था कि कुवैत की जीसीसी की वर्तमान अध्यक्षता के अंतर्गत भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच घनिष्ठ सहयोग और मजबूत होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द वापसी के लिए समर्थन जताया था। उन्होंने कुवैत में रहने वाले दस लाख भारतीयों की देखभाल के लिए कुवैत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

ममता बनर्जी का केंद्र में पद पाना नहीं, बल्कि बीजेपी को हराना है लक्ष्य

इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व को लेकर कुणाल घोष ने दी प्रतिक्रिया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में रुचि दिखाई है। इस पर जारी बयानबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा है कि केंद्र में कोई पद पाने में ममता बनर्जी की कोई रुचि नहीं है, वह बस बीजेपी को हराने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल में टीएमसी ने बीजेपी को रोक दिया, झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी को रोक दिया, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी ऐसा करने में सफल नहीं हो सकी है। वहां पर मुख्य रूप से बीजेपी को रोकने की जिम्मेदारी कांग्रेस पर थी लेकिन वह असफल रही। इसलिए वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि बीजेपी को रोकने के लिए ममता बनर्जी जैसे अनुभवी और प्रभावी नेतृत्व को आगे आना चाहिए।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि बंगाल के मुर्शिदाबाद में हम बाबरी मस्जिद बनाएंगे। इस पर घोष ने कहा कि यह उसका निजी विषय है। अगर कोई चाहता है तो वह अपनी जमीन पर मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कुछ भी बनवा सकता है। इस पर वह कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। कोई व्यक्ति घर के अंदर पूजा करता है या नमाज पढ़ता है यह उसके धर्म की बात है।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कुणाल घोष ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी साफ-साफ कह चुकी हैं कि हमारा देश विविधता में एकता पर यकीन करता है। हर राज्य का अपना इतिहास है, एक राजनीतिक छाप है। सारा चुनाव एक साथ कैसे होगा। सब चीज गलत हो जाएगी। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई मार्च में है। इस मुद्दे पर घोष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नजर में सब ठीक है। जांच सही से हुई, सही से आरोपपत्र दाखिल किया गया, ट्रायल भी सही चल रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई नजदीक की तारीख देनी जरूरी नहीं समझी।

ईएमआई से ज्यादा पत्नी के गुजारा भत्ते को दें प्राथमिकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्नी को दिए जाने वाले गुजारा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि लोन की ईएमआई कितनी है, कब देनी है इन सबसे ज्यादा प्राथमिकता पत्नी को गुजारा भत्ता देने की होना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भूयान की बेंच ने यह फैसला एक पति की याचिका को खारिज करते हुए दिया। पति, जो एक डायमंड फैक्ट्री का मालिक है, ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अपनी अलग हो चुकी पत्नी को बकाया गुजारा भत्ता देने में असमर्थ है, क्योंकि उसकी फैक्ट्री घाटे में चल रही है और उस पर भारी कर्ज है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाकशुदा पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पति की संपत्ति पर प्राथमिक अधिकार रखती है। अदालत ने कहा, जीने का अधिकार, सम्मान के साथ जीने का अधिकार, और एक बेहतर जीवन का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। इन अधिकारों के तहत गुजारा भत्ता मौलिक अधिकार के समान है और किसी भी देनदार के कर्ज की वसूली के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। फैसले में कहा गया कि महिला के पूर्व पति को जल्द से जल्द बकाया गुजारा भत्ता

चुकाना होगा। यदि पति इसमें विफल रहता है, तो परिवार अदालत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है, जिसमें पति की अचल संपत्ति की नीलामी करके पत्नी को भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है।

कांग्रेस अराजकता फैलाने वालों के साथ पसंद करती है बैठना

संभल हिंसा पीड़ितों से मिलने पर बीजेपी सांसद ने राहुल-प्रियंका को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के संभल हिंसा पीड़ितों ने दिल्ली में राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजेपी को पंसद नहीं आई और सासंद अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति और कांग्रेस का यह चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। उन्हें हमास और फिलिस्तीन तो दिखता है, लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नहीं दिखते। वे अराजकता फैलाने वालों के साथ बैठना पसंद करते हैं, लेकिन शांति को बढ़ावा देने के लिए कभी आगे नहीं आते। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कहूंगा कि कुछ लोगों के संसद में चरण पड़ने से संसद की कार्यवाही बाधित हो गई है।

अनुराग ने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि हर बूथ को मजबूत करें, ताकि दिल्ली की जनता की मांग को पूरा किया जा सके, जिससे भ्रष्ट और निकम्मी आम आदमी पार्टी सरकार से मुक्ति दिल्ली की जनता को मिल सके। जब बूथ जीतेंगे तो हम चुनाव जीतेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अगला चुनाव हारेंगे तो वे एक बार फिर ईवीएम को दोष देने का बहाना ढूंढ लेंगे। वे हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव हार गए और जहां भी हारे, उन्होंने ईवीएम को दोषी माना। सच्चाई यह है कि जनता उनकी नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है।

अनुराग ठाकुर ने दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता अनिल गुप्ता के न्यू शाहदरा स्थित आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए स्टीकर और झंडा लगाया। उन्होंने मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा बुलंद किया और आगामी चुनावों में बीजेपी की जीत का संकल्प लिया।

बांग्लादेश जेल से भागे अपराधियों ने बनाया नया आतंकी संगठन

-भारत-बांग्लादेश सीमा पर दे सकते हैं बड़ी वारदात को अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बार्डर पर आतंक की साजिश का खुलासा हुआ है जिसमें कुख्यात आतंकी संगठन हरकत उल जेहाद भी शामिल है। बांग्लादेश की जेल से भागे अपराधियों और आतंकवादियों ने एक गिरोह बना लिया हैं और ये भारत-बांग्लादेश सीमा पर आतंकी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। खुलासे से पता चला है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन के समर्थक हैं।

सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बड़ा आतंकवादी हमला हो सकता है और भारतीय सुरक्षा बलों पर घात लगाकर गोलीबारी की जा सकती है। इसके लिए बांग्लादेश में जेल से भागे हुए अपराधियों और आतंकवादियों का एक 50 सदस्यीय संगठन तैयार कर लिया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बेहद प्रभावशाली लोगों का समर्थन भी मिला है।

आईएसआई नहीं चाहती कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव कम हो। यही कारण है कि इस नए आतंकवादी संगठन को हथियारों के साथ-साथ पैसा भी दिया जा रहा है। पैसे के लालच में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन से जुड़ गए हैं यानी आने वाले दिनों में यह संगठन भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है जिससे तनाव और बढ़ सकता है।

एक रिपोर्ट में साफ तौर पर लिखा है कि इस ग्रुप में पाकिस्तान में आतंक देने वाली ट्रेनर भी शामिल है। सीमा पर या भारत के अंदर कोई भी बड़ी आतंकी वारदात कर भारत-बांग्लादेश के सबंधों को खराब करने की कोशिश है कि माहौल सुधर ही न सके। इस पूरी रणनीति के पीछे पाकिस्तान की एक तीर से दो निशाने करने की रणनीति भी शामिल है।

मुंबई की शान कही जाने वाली काली-पीली टैक्सियां घटीं, अब केवल बची हैं 13,000 टैक्सियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। एक जमाने में मुंबई की शान कही जाने वाली और प्रायः हर फिल्मों में नजर आने वाली काली-पीली टैक्सियां अब लुप्त होती जा रही है. आलम यह है कि फिलहाल मुंबई शहर में महज 13,000 टैक्सियां बची हैं और संभावना जताई जा रही है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में मुंबई की सड़कों पर आपको काली-पीली टैक्सियां नजर नहीं आएगी. दरअसल मुंबई की सबसे बड़ी एसोसिएशन, मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, मुंबई में चलने वाली काली-पीली टैक्सियों की संख्या पिछले साल 20,000 से घटकर अब 13,000 हो गई है। इसका मुख्य कारण चालकों द्वारा लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया जाना है।

एसोसिएशन के अनुसार, कुछ ड्राइवर पर्यटक लाइसेंस लेने और ओला/उबर जैसी ऐप-आधारित सेवाओं से जुड़ने या निजी यात्री परिवहन व्यवसाय की ओर रुख करने का विकल्प चुन रहे हैं। साथ ही टैक्सी ड्राइवरों की कमी बढ़ती जा रही है क्योंकि कई ड्राइवर परिवारों की युवा पीढ़ी इस पेशे में आने के लिए तैयार नहीं है। मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, अपने पुराने और जर्जर वाहनों को बेचने के लिए संघर्ष कर रहे ड्राइवरों को नई और महंगी टैक्सियों के लिए ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, ओमनी टैक्सियाँ जो बड़ी संख्या में चलती थीं अब लगभग विलुप्त हो चुकी हैं। कुछ ड्राइवरों ने इको-टैक्सी अपना ली है, जबकि अन्य ने यह व्यवसाय छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह व्यवसाय लाभदायक नहीं है। वहीं स्वाभिमान ऑटो टैक्सी यूनियन के मुताबिक, अगले साल के अंत तक काली-पीली टैक्सियों की संख्या और कम होने की संभावना है, क्योंकि इन्हें सड़कों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। पहले व्यावसायिक क्षेत्रों के स्टैंडों पर 20-30 टैक्सियाँ खड़ी होती थीं, अब वहाँ केवल 5-10 टैक्सियाँ खड़ी होती हैं। मालूम हो कि मुंबईकरों का आज भी काली-पीली टैक्सियों से भावनात्मक जुड़ाव है। क्योंकि काली-पीली टैक्सी के ड्राइवर को शहर की सड़कें और शॉर्टकट अच्छे से पता हैं। लेकिन सड़क चौड़ीकरण और बुनियादी ढांचे के काम के कारण, टैक्सियों के लिए स्टैंड की संख्या कम हो गई है और लगभग 5 से 10 हजार स्टैंड की आवश्यकता है। इसके अलावा, दैनिक आधार पर लगने वाले जुर्माने से ड्राइवरों को परेशानी होती है। एक बार 500 रुपये और दूसरी बार 1,500 रुपये का जुर्माना, जो उनकी दैनिक आय से अधिक है। मालूम हो कि दो दशक पहले काली-पीली प्रीमियर पद्मिनी टैक्सियों की संख्या 63,000 थी। अब ये सभी टैक्सियां ??हटा दी गई हैं। इसी तरह, ओमनी

टैक्सियों की संख्या में भी कमी आई है और मुंबई की सड़कों पर टैक्सियों की कुल संख्या में बड़ी कमी आई है।

Page - 10_Page - 10.qxd 12-12-2024 02:10 Page 1

स्टार शटलर पीवी सिंधु ने पीएम मोदी को दिया शादी का निमंत्रण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने अपने होने वाले पति वेंकट दत्त साई के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके 'प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन' के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। सिंधु 22 दिसंबर को वेंकट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात पर विचार करते हुए, सिंधु पीएम मोदी की उनके साथ बैडमिंटन और वेंकट के साथ डेटा पर चर्चा करने की क्षमता से आश्चर्यचकित रह गईं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- आपके साथ समय बिताना हमेशा बहुत खास होता है। सर। हम आपके प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए बहुत आभारी हैं। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि आप मेरे साथ बैडमिंटन और दत्ता के साथ डेटा पर इतनी सहजता से चर्चा कैसे कर सकते हैं।

एक्स पर निर्मला सीतारमण कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक दृश्य में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने वेंकट के साथ वित्त मंत्री से भी मुलाकात की।

सिंधु ने महान सचिन तेंदुलकर को अपनी शादी में आमंत्रित किया था। शटलर से शादी का निमंत्रण मिलने के बाद तेंदुलकर ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया।

तेंदुलकर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- बैडमिंटन में, स्कोर हमेशा 'प्यार' से शुरू होता है, और वेंकट दत्त साई के साथ आपकी खूबसूरत यात्रा यह सुनिश्चित करती है कि यह हमेशा 'प्यार' के साथ जारी रहे! अपने बड़े दिन का हिस्सा बनने के लिए हमें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। आप दोनों को जीवन भर की शुभकामनाएं। शानदार यादें और खुशी की अंतहीन रैलियां!

हरभजन सिंह ने भारतीय कप्तान के हालिया फॉर्म पर किया विचार, कहा- रोहित रन बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया फॉर्म पर खुलकर बात की और कहा कि उन्हें रन बनाने की जरूरत है। घरेलू मैदान पर ट्रैविस हेड के शानदार शतक और मिशेल स्टार्क तथा पैट कमिंस के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में एडिलेड ओवल में 10 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत ने ऑस्ट्रेलिया को डब्ल्यूटीसी-25 स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर वापस लाने में भी मदद की।

हरभजन सिंह ने कहा कि रोहित अगर कुछ रन बनाते हैं तो वे बेहतर सोचेंगे और बेहतर काम करेंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारतीय कप्तान जल्द ही स्कोरबोर्ड पर कुछ रन बनाएंगे। हरभजन ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मैं चाहूंगा कि रोहित शर्मा रन बनाएं। जब वह रन बनाएंगे तो बेहतर सोचेंगे और बेहतर काम करेंगे। कोई भी खिलाड़ी कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे हमेशा अपने प्रदर्शन की चिंता रहती है। इसमें कोई शक नहीं है कि जब कोई खिलाड़ी रन बनाता है तो वह बेहतर निर्णय लेता है। इसलिए, उम्मीद करते हैं कि रोहित शर्मा कुछ रन बनाएं ताकि उनकी कप्तानी बेहतर हो।

गौर हो कि भारत को एडिलेड में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसके शेष पांच विकेट पहले सत्र में ही गिर गए थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को 1-1 से बराबर करने के लिए व्यापक जीत हासिल की। ??भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल कर ली, जिसमें ट्रैविस हेड की 141 गेंदों पर 140 रनों की आक्रामक पारी शामिल थी। इसके बाद भारत अपनी दूसरी पारी में 175 रनों पर ढेर हो गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 19 रनों की जरूरत थी। तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिस्बेन में शुरू होगा।

दबाव सिर्फ उस्मान ख्वाजा पर नहीं बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है : डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली (एजेंसी)।पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए रन बनाने की जिम्मेदारी केवल सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पर नहीं है, बल्कि पूरे शीर्ष छह पर है जिन्हें टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण पर काम का बोझ कम करने के लिए बड़ा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

ख्वाजा ने सीरीज की शुरुआत खराब की है, पहले दो टेस्ट में सिर्फ 34 रन ही बना पाए हैं। शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उनकी असमर्थता लंबे समय से चल रही है, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपनी पिछली 16 पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। हालांकि ख्वाजा अकेले नहीं हैं जो इस परेशानी से जूझ रहे हैं। स्टीव स्मिथ ने तीन पारियों में सिर्फ 19 रन बनाए हैं जबकि मार्नस लाबुशेन ने एडिलेड में 64 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। वार्नर ने कहा, मुझे लगता है कि दबाव सिर्फ 'उज्जी' पर नहीं, बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है। ट्रैविस ने शानदार शतक बनाया और हम जानते हैं कि वह ऐसा करने में सक्षम है। लेकिन हर कोई इसका समर्थन कर रहा है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की बात नहीं है, बल्कि शीर्ष छह खिलाड़ियों ने बहुत ज़्यादा रन बनाए और सुनिश्चित किया कि तेज गेंदबाज़ों को आराम दिया जाए। पहला मैच तेज गति वाला टेस्ट था, लेकिन इस आखिरी मैच में मिचेल स्टार्क हमेशा की तरह गुलाबी गेंद से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे।

वार्नर ने नाथन मैकस्वीनी का भी समर्थन किया, जिन्होंने भारत के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शुरुआत की है। एडिलेड में पहली पारी में केवल 39 रन बनाने के बावजूद वार्नर ने मैकस्वीनी के स्वभाव और तकनीक की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हमने दूसरे दिन उस इरादे की झलक देखी जो आप रन बनाते समय दिखाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सारे सवालिया निशान हैं कि उन्होंने उसे क्यों चुना, लेकिन जो झलकियां आपने देखी हैं, अब हम जानते हैं कि क्यों।

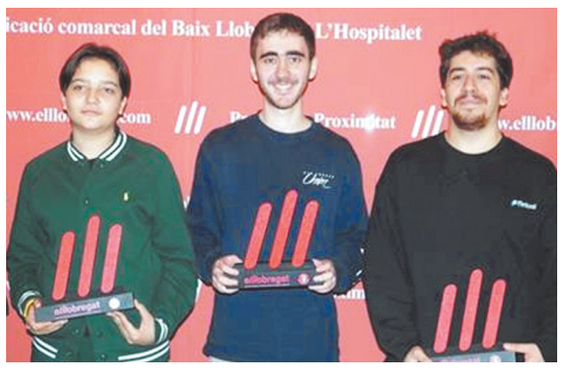

इस्राइल के याहिल बने एललोब्रेगाट ओपन 2024 के विजेता

नईदिल्ली (एजेंसी)। के सबसे मजबूत टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम रखने वाले एललोब्रेगाट ओपन शतरंज 2024 का खिताब इज़राइल के ग्रांड मास्टर याहिल सोकोलोव्स्की नें अपने नाम कर लिया है ,यहिल नें पहले बोर्ड पर अंतिम राउंड में हमवतन इंटरनेशनल मास्टर ओर ब्रोंस्टेन से अपनी बाजी ड्रॉ करते हुए 7.5 अंक बना लिए थे और ऐसे में दूसरे बोर्ड पर खेल रहे टॉप सीड चिली के ग्रांड मास्टर क्रिस्टोबल हेनरिक विजाग्रा के पास मौका था की वह फीडे के ग्रांड मास्टर सव्वा वेतोखिन को पराजित कर पहले स्थान के लिए टाई कर सके पर इस बराबर चल रहे मुक़ाबले में ज्यादा प्रयास करना उन्हे भारी पड़ा और वह बाजी हार गए और ऐसे में 7 अंको के साथ सव्वा वेतोखिन दूसरे स्थान पर पहुँच गए ।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार क्रिस्टोबल को बेहतर टाईब्रेक में 6.5 अंको पर तीसरे स्थान के लिए इज़राइल के ग्रांड मास्टर इदों गोर्शतेन से दो ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जिसमें उन्होने दोनों मुक़ाबले जीतकर 2-0 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया ।

भारतीय महिला खिलाड़ी तेजस्वनी जी नें टूर्नामेंट में 5.5 अंक बनाते हुए 38वां स्थान हासिल किया , बड़ी बात है की इसटूर्नामेंट में उनकी वरीयता 82 थी और उन्होने 2375 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2300 के करीब पहुंचाते हुए अपना दूसरा महिला ग्रांड मास्टर नार्म हासिल कर लिया है और इसके साथ ही अब उन्हे महिला ग्रांड मास्टर बनने के लिए करीब 53 रेटिंग अंक और अंतिम नार्म की जरुरत है ।

मेरीवाला, पांड्या और शेठ की शानदार गेंदबाजी, बंगाल को हराकर बड़ौदा सेमीफाइनल में

बेंगलुरु (एजेंसी)। शाश्वत रावत (40), अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (37) के बाद लुकमन मेरीवाला, हार्दिक पांड्या और अतीत शेठ के (3-3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बड़ौदा ने बुधवार को पहले क्वार्टर फाइनल में बंगाल को 41 रनों से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया हैं।

बड़ौदा के 172 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 31 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिए। करण लाल (छह), कप्तान सुदीप कुमार घरामी (दो), ऋतिक चटर्जी (शून्य) और अभिषेक पोरेल (22)रन बनाकर आउट हुए। ऋाविक रॉय चौधरी और शाहबाज अहमद ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हार्दिक पांड्या ने ऋाविक रॉय चौधरी (29) को आउट कर बड़ौदा के लिए चौथा विकेट झटका।

इसके बाद तो बड़ौदा के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगाल का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। प्रदीप्त प्रमाणिक (तीन), सक्षम चौधरी (सात), मोहम्मद शमी (शून्य) और सायन घोष (0) पर आउट हुए। शाहबाज अहमद ने 36 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली। बड़ौदा के गेंदबाजों ने बंगाल की पूरी टीम को 18 ओवरों में 131 रन पर समेट कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बड़ौदा की ओर से लुकमन मेरीवाला, हार्दिक पांड्या और अतीत शेठ के (3-3 विकेट) लिए। अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बड़ौदा के लिए शाश्वत रावत और अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। 10वें ओवर में सक्षम चौधरी ने अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (37) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

अगले ही ओवर में प्रदीप्त प्रमाणिक ने शाश्वत रावत (40) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। कप्तान करुणाल पांड्या (10), हार्दिक पंड्या (सात), शिवालिक शर्मा (24), भानु पनिया (17) और अतीत शेठ (शून्य) पर आउट हुये। विष्णु सोलंकी (16) और महेश पिठिया (छह) रन बनाकर नाबाद रहे। बड़ौदा ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 172 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगाल की ओर से मोहम्मद शमी, कनिष्क सेठ और प्रदीप्त प्रमाणिक दो-दो विकेट लिये। सक्षम चौधरी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

वेस्टइंडीज ने 10 साल में पहली बार बांग्लादेश से वनडे श्रृंखला जीती

बासेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस) (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जेडन सील्स के चार विकेट और सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग के आकर्षक अर्धशतक की मदद से वेस्टइंडीज में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 79 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई।

वेस्टइंडीज ने पहले बांग्लादेश को 46 ओवर में 227 रन पर आउट कर दिया और फिर 36.5 ओवर में तीन विकेट पर 230 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। यह पिछले 10 वर्षों में पहला अवसर है जबकि वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश से वनडे श्रृंखला जीती है। उसने रविवार को इसी मैदान पर खेला गया पहला मैच पांच विकेट से जीता था। तीसरा और अंतिम वनडे इसी मैदान पर गुरुवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। एक समय उसका स्कोर सात विकेट पर 115 रन था। महमुदुल्लाह (62) और तंजीम हसन साकिब (45) ने यहां से 92 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन ने 46 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से सील्स ने 22 रन देकर चार विकेट लिए।

लिंडे का ऑलराउंड प्रदर्शन और मिलर की आतिशी पारी, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया

डरबन (एजेंसी)। जॉर्ज लिंडे (48 रन और चार विकेट) के हरफनमौल प्रदर्शन और डेविड मिलर (82) रनों की आतिशी पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। जॉर्ज लिंडे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

दक्षिण अफ्रीका के 183 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने बाबर आजम (शून्य) का विकेट तीसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद सईम अयूब ने कप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में ऐंडिले सिमेलाने ने सईम अयूब (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर मे लिंडे ने उस्मान खान (नौ) को आउट किया।

तय्यब ताहिर (18), शाहीन शाह अफरीदी (9), इरफान खान (एक) और अब्बास अफरीदी (0) पर आउट हुए। हालांकि कप्तान मोहम्मद रिजवान एक छोर थामे खड़े रहे। 20वें ओवर में वेना मफाका ने मोहम्मद रिजवान को आउट कर पाकिस्तान के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। रिजवान ने 62 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। हारिस रउफ (दो) और सुफियान मकीम (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 11 रनों से मैच हार गई। वेस्टइंडीज की ओर से जॉर्ज लिंडे ने 21 रन देकर चार विकेट लिए। वेना मफाका को दो विकेट मिले। ऑटनील बार्टमैन और ऐंडिले सिमेलाने ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (82) और जॉर्ज लिंडे (48) रनों की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 183रन का स्कोर खड़ा किया।

कप्तान हाइनरिक क्लासन (12) और वेना मफाका (नाबाद (12) रनों का योगदान दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट झटके। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। सुफियान मकीम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

Page - 11_Page - 11.qxd 12-12-2024 02:12 Page 1

भारत रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन की बढ़ा रहा क्षमता

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में हो सकती है भारी बचत

नई दिल्ली।

भारत वैश्विक तेल और गैस उत्पादों के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने की संभावना है। जब से भारत अपनी रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन और पाइपलाइन क्षमता को बढ़ा रहा है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबकि वैश्विक तेल कीमतों में कमजोरी बनी रहने की संभावना है, जो भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि भारत कच्चे तेल की जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात करता है।

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में भारी बचत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के तेल और गैस उत्पादन में मामूली बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन यह निर्भर करेगा कि ओएनजीसी तय समय पर उत्पादन और नामांकन ब्लॉकों में गिरावट को कैसे कम करता है। भारत की एलएनजी पुनर्गैसीकरण क्षमता में चालू वित्त वर्ष 2025 में कम से कम 25 फीसदी की बढ़ोतरी की की संभावना है, जो भारत की वैश्विक एलएनजी अवशोषण क्षमता को और बढ़ाएगी।

रिफाइनिंग क्षेत्र में भारत अपनी क्षमता में 9 फीसदी की वृद्धि करने की उम्मीद कर रहा है, जिससे प्रतिदिन 0.5 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का ऊर्जा संक्रमण तेज होगा और तेल और गैस कंपनियां अपने निवेश को इस क्षेत्र में शिफ्ट करेंगी। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े रिफाइनरी ट्रांसफॉर्मेशन परियोजनाओं की शुरुआत की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में कमी आई है, खासकर डीजल की मांग में और इसे आगे और कम होने की संभावना है। एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को कमजोर तेल कीमतों से लाभ होने की उम्मीद है, जबकि ओएनजीसी को तेल कीमतों में गिरावट के जोखिम के कारण कम करें रेटिंग दी गई है। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट का दबाव बना रहेगा, लेकिन गैस की कीमतों में निकट भविष्य में वृद्धि की संभावना है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ रही संख्या, सरकार लागू कर रही प्रोत्साहन योजनाएं

परिवहन मंत्रालय ने राज्यों को रोड टैक्स माफ करने की दी सलाह

नई दिल्ली।

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक 28,55,015 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और 2,57,169 चार पहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, हाल ही में संसद में बताया गया था।

भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी थी। ओडिशा राज्य में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 1,45,479 है, और राज्य का अडोप्शन रेट 1.24 फीसदी है। भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है।

फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) योजना, जो 1 अप्रैल, 2019 से शुरू हुई थी, इसके तहत 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय समर्थन प्रदान किया है। इस योजना के जरिए ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4 व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपए है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

केंद्र सरकार ने एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के लिए पीएलआई योजना को 18,100 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी है, जिसका लक्ष्य 50 गीगावॉट घंटे की बैटरी के लिए घरेलू मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करना है। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के समर्थन के लिए 10,900 करोड़ रुपए का परिव्यय है।

सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है और बैटरी से चलने वाले वाहनों को ग्रीन लाइसेंस प्लेट देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्हें परमिट की जरुरतों से भी छूट दी जाएगी।

क्विक कॉमर्स कारोबार में उतरेगी एमेजॉन, निर्यात लक्ष्य 80 अरब डॉलर रखा

नई दिल्ली।

क्विक कॉमर्स कारोबार में तेजी को देखते हुए एमेजॉन ने भी इस क्षेत्र में उतरने का फैसला किया है। इसके साथ ही कंपनी ने 2030 तक भारत से कुल निर्यात का लक्ष्य बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दिया है। 'विकसित भारत' संकल्प के तहत 2025 तक कंपनी ने 20 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि इस साल कंपनी ने 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया है और वह 2025 में 20 अरब डॉलर के अपने पिछले निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। एमेजॉन की प्रतिस्पर्धी कंपनी वॉलमार्ट भी भारत से आपूर्ति लक्ष्य बढ़ा रही है। उसने 2027 से सालाना 10 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं की आपूर्ति का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन इंडिया ने 15-मिनट में सामान की डिलिवरी करने की सेवा शुरू करने की योजना का खुलासा किया। एमेजान इंडिया के कंट्री हेड ने कहा कि कंपनी इस महीने बेंगलूरु में इसे प्रायोगिक तौर पर शुरू करेगी। हालांकि उन्होंने क्विक कॉमर्स योजना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स में हमारा ध्यान सबसे तेजी के साथ कई वस्तुओं की आपूर्ति करने की है। हमने 42 हजार से ज्यादा विक्रेताओं से ऑर्डर के दिन या उसके अगले दिन करीब तीन करोड़ से ज्यादा उत्पादों की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि भारत में बहुत कुछ ऐसा है जहां हम अभी तक नहीं पहुंचे हैं। हम बड़े शहरों में क्विक कॉमर्स की बात करते हैं लेकिन हमें देश के अन्य हिस्सों के बारे में भी सोचना चाहिए। निर्यात योजना के बारे उन्होंनेने कहा कि भारतीय एमएसएमई, विनिर्माताओं और स्टार्टअप के साथ ही मेड इन इंडिया उत्पादों की आपूर्ति के लिए एमेजॉन के वैश्विक बिक्री योजना के जरिये कंपनी ने 80 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। इनमें घरेलू व रसोई संबंधी उत्पाद, कपड़े और परिधान, खिलौने, स्वास्थ्य और पोषाहार, आयुर्वेद उत्पाद आदि शामिल हैं। एमेजॉन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि भारत एमेजॉन के लिए प्रमुख बाजार है और हमारा दृष्टिकोण छोटे कारोबारों को डिजिटल बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के सरकार के नजरिये के अनुरूप है।

सीएनआई रिसर्च ने एक साल में दिया जबरदस्त रिटर्न, शेयरों में आई तूफानी तेजी

नई दिल्ली।

सीएनआई रिसर्च जिसने अपने प्रदर्शन से निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बीते एक साल में इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को 654.59 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न देकर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसके शेयरों में तूफानी तेजी दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 17.19 रुपए के लेवल पर कामकाज की शुरुआत की और कुछ देर बाद पांच फीसदी के अपर सर्किट के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर 52 वीक का नया हाई छुआ है। कारोबार के आखिर में बीएसई पर यह 4.98 फीसदी तेजी के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कुछ शेयर ऐसे होते हैं जो निवेशकों को कम समय में ही शानदार रिटर्न देकर मालामाल कर देते हैं। अगर सीएनआई रिसर्च के शेयरों का प्रदर्शन देखें तो बीते एक हफ्ते में 27.34 फीसदी की तेजी आई है। इसने बीते एक महीने में 19.15 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते 3 महीने में 47.19 फीसदी तेजी आई है। इस साल 644.83 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बीते 3 साल में कंपनी के शेयरों में 441.69 फीसदी मजबूती आई। मल्टीबैगर कंपनी सीएनआई रिसर्च का 52 वीक का हाई प्राइस 17.28 रुपए है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 2.14 रुपए है। इस कंपनी का मार्केट कैप 263 करोड़ रुपए है। कंपनी रिसर्च फर्म के रूप में काम करती है।

खाद्य पदार्थों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.5 फीसदी हुई

नई दिल्ली।

खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उम्मीद है कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण सीपीआई मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी, जबकि अक्टूबर में यह 6.2 फीसदी थी। ऐसा खाद्य कीमतों में नरमी के कारण होगा, जबकि कोर कीमतों में तेजी और ईंधन कीमतों में लगातार गिरावट हो रही है। खाद्य कीमतों में कमी और कोर सीपीआई में कमी के कारण सूचकांक में गिरावट आएगी। कोर सीपीआई में वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, लेकिन खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, जिनकी कीमतें अस्थिर मानी जाती हैं। अक्टूबर में सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 6.21 फीसदी रह गई, क्योंकि महीने के दौरान सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आई। यह पहली बार था, जब मुद्रास्फीति ने हाल के महीनों में आरबीआई की 6 फीसदी की ऊपरी सीमा को पार किया। खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में दर्ज 5.49 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में सब्जियों की कीमतों में 42.18 फीसदी बढ़ गई, क्योंकि इस साल मानसून के देर से वापस आने के कारण फसलों को नुकसान हुआ और बाजार में आपूर्ति कम हुई। आरबीआई गवर्नर ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत की विकास की कहानी अभी बरकरार है। मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है, लेकिन हम भविष्य में कई जोखिमों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस जोखिम को कम नहीं आंका जा सकता। आरबीआई गवर्नर अर्थव्यवस्था के परिदृश्य के बारे में आशावादी थे, उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से बना हुआ है।

सीमेंट निर्माता कंपनियों ने बढाए 40 रुपये प्रति बोरी सीमेंट के दाम

नई दिल्ली ।

देश में घर बनाना अब और भी महंगा हो गया है। देश में सीमेंट के रेट 40 रुपये प्रति बोरी तक बढ़ गए हैं। जैसे ही सीमेंट की मांग बढ़ती है। उसके साथ सीमेंट निर्माता सीमेंट के दाम बढ़ा देते हैं। सीमेंट डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार पश्चिमी भारत में 50 किलो की सीमेंट की बोरी 350 से लेकर 400 रुपये के बीच में बिक रही है। दिल्ली एनसीआर में सीमेंट की कीमत 340 से 395 रुपए के बीच में है। दक्षिण भारत में सीमेंट की बोरी 350 रुपए से 340 रुपए के बीच में बिक रही है। सीमेंट निर्माता कंपनियों ने डीलरों का मार्जिन घटा दिया है। वही सीमेंट के रेट निर्माताओं ने बढ़ा दिए हैं। सीमेंट कारोबार से जुड़े हुए लोगों का कहना है। अगले 6 महीने तक सीमेंट के रेट में तेजी बनी रहेगी। सीमेंट कंपनियां करटेल बनाकर मांग बढ़ने के साथ ही सीमेंट के दामों में वृद्धि कर देती हैं। जिसके कारण भारत में भवन निर्माण की लागत लगातार बढ़ती जा रही हैं।

वारी एनर्जीज के शेयरों में जबरदस्त उछाल, मॉड्यूल सप्लाई का मिला बड़ा ऑर्डर

कंपनी ने 28 अक्टूबर 2024 को शेयर बाजार में किया था डेब्यू

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। बीएसई पर आज इंट्रा-डे ट्रेड में कंपनी के शेयर 7 फीसदी तक चढ़े। कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी से एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए नया ऑर्डर मिला है। यह शेयर में बढ़त का लगातार पांचवां सत्र है। कंपनी ने 28 अक्टूबर, 2024 को शेयर बाजार में डेब्यू किया था। लिस्टिंग के बाद से वारी एनर्जीज के शेयर बाजार में धूम मचा रहे हैं। अपने इश्यू प्राइस से शेयर फिलहाल 97.70 फीसदी की बढ़त बनाए हुए हैं। वारी एनर्जीज ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कंपनी को 10 दिसंबर को एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए भारत में रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स के स्वामित्व, विकास और संचालन के बिजनेस में संलग्न एक प्रतिष्ठित ग्राहक से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। शेयर बाजार को दी सूचना के मुताबिक यह महत्वपूर्ण सप्लाई ऑर्डर वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू होकर 2025-26 तक जारी रहेगा। हालांकि, कंपनी ने इस ऑर्डर के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। बीएसई पर मंगलवार को कंपनी के शेयर 7.2 फीसदी बढ़कर अपने इंट्रा-डे हाई 3184.95 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि कारोबार के अंत में वारी एनर्जीज के शेयर 5.55 फीसदी की बढ़त के साथ 3136.50 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों ने 11.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। वारी एनर्जीज के शेयर 28 अक्टूबर 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए। शेयर का इश्यू प्राइस 1503 रुपए था और लिस्टिंग के पहले दिन शेयर 2,336.80 के भाव पर बंद हुआ। इस तरह से कंपनी ने निवेशकों को 55.48 फीसदी का शानदार लिस्टिंग गेन दिया। फिलहाल कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 97.70 फीसदी की बढ़त पर हैं।

स्विग्गी के शेयर नीचे आए, मार्केट कैप भी गिरकर 1.16 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवर कंपनी स्विग्गी के शेयर बुधवार को 5 फीसदी नीचे आ गए। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 5 फीसदी गिरकर 515.95 रुपए और 516.50 रुपए पर आ गया। शेयरों में गिरावट के साथ स्विग्गी का मार्केट कैप भी बीएसई पर गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपए रह गया। एंकर निवेशकों के लिए एक महीने की लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली के चलते स्विग्गी के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। लॉक-इन खत्म होने के बाद स्विग्गी के करीब 6.5 करोड़ के शेयर या कंपनी में 3 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी ट्रेड के लिए एलिजिबल हो गई। इससे निवेशकों के लिए आगे बढ़ने और 50 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के दरवाजे खुल गए हैं। एंकर निवेशकों के अधिकार वाले शेष 50 फीसदी शेयरों की लॉक-इन अवधि 9 फरवरी 2025 को खत्म हो रही है। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.71 अंक या 0.12 फीसदी बढ़कर 81,608.76 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 45.65 अंक या 0.19 फीसदी बढ़कर 24,655.70 पर पहुंच गया। पिछले महीने स्विग्गी का आईपीओ एक्सचेंजों पर करीब 17 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। स्विग्गी के 11,327 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को बोली के लास्ट डे पूरी तरह से सब्सक्राइब किया था और यह इश्यू को 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के अंत में 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी के पीएसयू बैंक, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में बिकवाली हावी रही जबकि ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियलिटी सेक्टर में लिवाल का माहौल रहा। वहीं निवेशकों ने गुरुवार को जारी होने वाले नवंबर के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) डेटा को देखते हए सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 16.09 अंक करीब 0.02 फीसदी की हल्की बढ़त के बाद 81,526.14 पर पहुंच गया। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.75 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी की बढ़त के बाद 24,641.80 स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, मारुति, भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे जबकि , जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, एसबीआई, रिलायंस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार, भारतीय बाजार में आज सूक्ष्म उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जो अमेरिकी सीपीआई मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में मौजूद मिश्रित भावनाओं को दिखाता है।जानकारों ने आगे कहा कि अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि बॉन्ड यील्ड में हल्की बढ़त रही। इसके अलावाएफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल्स सहित डिफेंसिव सेक्टर्स में तेजी देखी गई। चीन से प्रोत्साहन उपायों की संभावना से मेटल सेक्टर में तेजी रही। निफ्टी बैंक 186.35 अंक या 0.35 फिसदी फिसलने के बाद 53,391.35 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 157.55 अंक करीब 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 59,292.95 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 74.15 अंक करीब 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 19,657.35 पर बंद हुआ। बीएसई पर 2,148 शेयर लाभ में जबकि 1,836 नुकसान में बंद हुए, 112 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5.01 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर 81,515.06 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 13.75 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 24,623.8 पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन निफ्टी की वित्तीय सेवा और निजी बैंक सेक्टर में बिकवाली रही।

बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के आने से लार्ज कैप शेयरों, विशेषकर बैंकिंग और आईटी में मजबूती है। निफ्टी बैंक 122.45 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी नीचे आकर 53,455.25 पर था। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 5.45 अंक या 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 59,129.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.45 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,636.65 पर था।

नैचुरल हीट बढ़ने से खतरे में गारमेंट बिजनेस, 65 अरब डॉलर का हो सकता है नुकसान

-पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम में ब्रांडेड कंपनियां कराती हैं उत्पाद तैयार

नई दिल्ली। पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम वह देश हैं जहां बड़ी और ब्रांडेड गारमेंट कंपनियां उत्पाद तैयार कराती हैं। जहां इन कपड़ों का निर्माण होता है वहां बहुत गर्मी पड़ती है। अब एक और समस्या सामने आ गई है कि पर्यावरण में बदलाव के कारण नैचुरल हीट में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इन कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों को गर्मी की दोगुनी मार झेलनी पड़ रही है। एक रिसर्च रिपोर्ट में पाया है कि अत्यधिक गर्मी या बाढ़ से बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान और वियतनाम के कपड़ा निर्यात उद्योग को 65 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारतीय करेंसी में यह 5.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा होगा। बता दें कि इस रिपोर्ट में रिटेलर्स और ब्रांड्स को यह सुझाव भी दिया गया है कि वे अपने कर्मचारियों के वेतन और हेल्थ पर खर्च को बढ़ाएं अत्यधिक हीट के कारण होने वाले कार्य दिवस के नुकसान की भरपाई हो सके। इसको देखते हुए अब यूरोपियन यूनियन ने नए नियम लागू किए हैं। यह नियम नाइकी, एचएंडएम और इन्हीं के जैसी अन्य गारमेंट कंपनियों को कानूनी रूप से इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए बाध्य करती हैं। इन कंपनियों को ही पाकिस्तान, बांग्लादेश या वियतनाम में काम कर रहे अपने सप्लायर्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में कूलिंग का पर्याप्त इंतजाम करना होगा। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ग्लोबल लेबर इंस्टीट्यूट ने पाया है कि ढाका, हनोई, हो चि मिन्ह सिटी और कराची जैसे शहरों में 'वेट बल्ब' के दिनों में 42 फीसदी का उछाल आया है। वेट बल्ब तापमान मापने का एक तरीका है जिसमें 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान नोट किया जाता है। इसी पैमाने के मुताबिक जिस दिन तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होता है उसे वेट बल्ब डे कहा जाता है और ऐसे दिनों में 2005-2009 के मुकाबले 2020-24 में 42 फीसदी का उछाल आया।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयर 5.28 फीसदी उछले

-कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर को हुआ था लिस्ट

नई दिल्ली।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के लिस्ट शेयर बुधवार को हाई डिमांड पर रहे और एनएसई पर कंपनी के 1.28 करोड़ शेयरों में कारोबार हुआ। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर प्राइस बुधवार को एनएसई पर 5.28 फीसदी चढ़कर 154.40 रुपए पर पहुंच गया। स्टॉक में यह तेजी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की एक सब्सिडियरी कंपनी को 500 मेगावाट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट मिलने के चलते आई है। एनटीपीसी ग्रीन ने कहा था कि सब्सिडयरी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 3.52 रुपए प्रति किलोवाट के टैरिफ पर 500 मेगावाट की सोलर एनर्जी क्षमता हासिल की है। इसमें कॉन्ट्रैक्ट पर सोलर क्षमता के साथ 250 मेगावाट 1000 मेगावाट के एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) को स्थापित करना शामिल है। बता दें कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर 2024 को लिस्ट हुआ था। तब से अब तक स्टॉक अपने इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में 42.8 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी नॉन-हाइड्रो रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर फर्म 'महारत्न' एनटीपीसी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। 30 सितंबर, 2024 तक कंपनी की ऑपरेशनल कैपेसिटी 3,320 मेगावाट थी।

इसमें छह राज्यों में फैली 3,220 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं और 100 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कुल मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ है। सुबह 10:40 बजे एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1.62 फीसदी या 2.37 रुपए चढ़कर 149.02 रुपए प्रति शेयर के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, एनएसई का निफ्टी-50 इस दौरान 0.27 फीसदी या 65.40 अंक चढ़कर 24,675.45 पर कारोबार कर रहा था।

खरीदना हैं टाटा की कार, जल्द खरीद लो यार, जनवरी से होगी महंगी

मुंबई ।

देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स की कारें खरीदना अगले साल से महंगा होगा। कंपनी ने बताया कि जनवरी 2025 से वह अपने पैसेंजर्स व्हीकल्स की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। इसके पहले मारुति सुजुकी, ह्युंदै सहित कई कंपनियां दाम बढ़ाने का ऐलान कर चुकी हैं। टाटा मोटर्स ने कहा कि कच्चे माल की लागत और महंगाई दर बढ़ोतरी के असर को कुछ कम करने के लिए वह व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने वाली है। जनवरी, 2025 से प्रभावी होने वाली बढ़ोतरी मॉडल और उनके वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स फ्लीट में टियागो, टिगोर, पंच, नेक्सान, कर्व, हैरियर, सफारी सहित अन्य मॉडल की व्यापक रेंज है। इसके पहले मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर सहित कई ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी अगले महीने से अपने गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, लक्जरी ऑटो मैन्युफैक्ररर मर्सिडीज-बेंज इंडिया, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने भी लागत और ऑपरेटिंग खर्च में बढ़ोतरी का हवाला देकर जनवरी से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। किआ इंडिया ने जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की।

डीएवी आनंद स्वामी इस्कूल कर बिजयी प्रतिभागीमन कर सम्मान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। डीएवी आनंद स्वामी इस्कूल में चित्रकला प्रतिजोगिता कर बिजयी प्रतिभागीमन के 11 दिसंबर के बिसेस प्रार्थना सभा कर दौरान सम्मानित करल गेलक। प्रतिजोगिता कर आयोजन इस्कूल एरा एजुकेसनल मैगजीन कइर रहयं।

चित्रकला प्रतिजोगिता में कछा पांचवी से सातवीं बर्ग तक कर बिद्यार्थीमन भाइग लेलयं। कछा पांचवी कर बिजयी प्रतिभागी अनुष्का राज, परिधि कुमारी, अनीश कुमार आउर अनुकृति प्रिया रहयं। कछा छठी से आरव सिंह, आशी कुमारी आउर सोनाक्षी पुरस्कृत होलयं। सातवीं कछा कर मानस, सिद्धि कृष्णा आउर छाया कुमारी के पहिल, दूसर आउर तीसर अस्थान प्राप्त होलक।

सउब छउवामन के मुख गोतिया इस्कूल कर प्राचार्य आउर इस्कूल एरा कर प्रधान संपादक एनके मुरलीधर, संपादक सुनील कुमार श्रीवास्तव कर द्वारा सम्मानित करल गेलक।

ई अवसर में बिद्यालय कर मुख अध्यापिका श्रीमती रोशी वाधवानी कहलयं कि छउवामन प्रतिभा कर धनी होवयंना। बिद्यालय कर परिवेश उनकर प्रतिभा के आगे बढ़ायेक आउर सम्मानित करेक कर काम करेला। ई बिजयी प्रतिभागी आउर छउवामन ले प्रेरना परदान करेक वाला बनबयं। सम्मान समारोह में सिछक पीके मोहंती, वाईके दुबे, सुषमा ठाकुर, सुष्मिता मुख़र्जी, श्रावणी तिवारी, अर्चना बरनवाल आदि उपस्थित रहयं।

बीएसएनएल स्थापित करे लाइग हे एक लाख 4जी साइट

बीएसएनएल आउर एमटीएनएल में 6जी प्लान

नई दिल्ली। बीएसएनएल स्वदेसी रूप से बिकसित एक लाख 4जी साइट गोटा देस में स्थापित करे लाइग हे। ई उपकरण 5जी अपग्रेड करेक जोग्य हेके। ई जानकारी संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासनी चं द्र शे ख र लोकसभा में एगो सवाल कर जबाब लिखित में देलयं।

बीएसएनएल के देस में ग्रामीन आउर कम सुबिधा वाला छेतर आउर संचार सुबिधा नेटवर्क बिहीन गांव के सामिल करेक ले सरकार कर महत्वाकांछी परिजोजना सौंपल जाए हे, जेकर में 4 जी सेचुरेसन जोजना, बोर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) / बोर्डर इंटेलिजेंस पोस्ट (बीआईपी), वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) आउर लक्षद्वीप द्वीप समूह में दूरसंचार बुनियादी ढांचा कर बिस्तार आदि सामिल हेके।

इकर अतिरिक्त ग्रामीन छेतर में हाई स्पीड एफटीटीएच ब्रॉडबैंड कर पहुंच बढ़ायेक ले 4.8.2023 के केंद्रीय मंत्रिमंडल संसोधित भारतनेट कार्जकरम के मंजूरी देवल जाए रहे, जेकर में सउब राइज/केंद्र सासित प्रदेस में बितरित 1.5 करोड़ एफटीटीएच कनेक्सन प्रदान करेक कर प्रावधान हय। ई जोजना ले बीएसएनएल परिजोजना प्रबंधन एजेंसी हेके।

एनटीपीसी चट्टी बरियातू कर कैंप में 157 गो गंवईयामन कर निःसुल्क जांच

हजारीबाग। एनटीपीसी चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना चट्टी बरियातू पंचायत भवन में मंगलवार के निःसुल्क हेल्थ कैंप लगालक। कैंप में बुखार, सर्दी आउर खांसी कर जांच करल गेलक। कैंप में 157 गो लाभार्थीमन मुफ्त सोवास्थ्य सेवा कर लाभ उठालयं। सउब के दवा भी उपलब्ध कराल गेलक।

ई निःसुल्क हेल्थ कैंप चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना आपन निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कर अंतर्गत आयोजित कइर रहे। डॉक्टरमन कर टीम स्थानीय गंवईयामन कर जांच करेक कर संगे-संगे उनके बेस स्वच्छता आउर स्वस्थ आदत कर पालन करेक ले प्रेरित करलयं। ई मौका में परिजोजना कर उपमहाप्रबंधक बी नवीन कुमार भी उपस्थित रहयं।

नागपुरी कविता

मनुख कर दसा

रामदेव बड़ाईक

नावां पीढ़ी जाइग जाउ,
मइत करु देरी,
समय बीतल पाछे,
फेइर ऊ नई घुरी।

बढ़थे मंहगाई देखु,
नित बढ़थे बेरोजगारी,
नावां पीढ़ी जाइग जाउ,
मइत करु देरी।।

बढ़थे देखु दंगा – फसाद,
देखु चोरी – चकारी,
सगरे भ्रस्टाचार,
अराजकता – घुसखोरी।

नावां पीढ़ी जाइग जाउ,
मइत करु देरी,
समय बीतल पाछे,
फेइर ऊ नई घुरी।।

तेयागेक पड़ी हांड़ी–दारू
आउर नसाखोरी,
संयम हों सिराय गेलक,
बढ़थे अपराध– अत्याचारी।

चुनौती तो ढेइर आहे,
मुदा मानवता कर पारी,
भाषा सिछा संस्कृति कर,
तनि लेउ जानकारी।।

राखु बचाय दया धरम,
आउर बनु संस्कारी,
मनुख कर बिगड़ल दसा,
तबे सुधरी।

नावां पीढ़ी जाइग जाउ,
मइत करु देरी,
समय बीतल पाछे,
फेइर ऊ नई घुरी।।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार चलालक जागरुकता कार्जकरम

□ सउब के सम्मानपूर्बक जिनगी जीयेक कर अधिकार : सुमन ठाकुर

मांडर। मानवाधिकार दिवस कर अवसर में मांडर परखंड कर मुड़मा गांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची मंगलवार के जागरुकता कार्जकरम चलालक। ई अवसर में पीएलवी सुमन ठाकुर आउर पूनम देवी संगे आउर अदमीमन पहुंचल रहयं।

ई बेरा सुमन ठाकुर कहलयं कि मानव होवेक कर नाते सउब के सम्मानपूर्बक जिनगी जियेक कर अधिकार हय। एहे अनुरूप आम आउर खास सउब के बैधानिक सुबिधा प्राप्त करेक कर भी अधिकार हय। मानव कर हक कर आवाज के बुलंद करेक ले हर बछर 10 दिसंबर के अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाल जायेला।

सुमन ठाकुर कहलयं कि डालसा कर हमेसा से एहे प्रयास रईह हे कि जागरुकता कार्जकरम कर माध्यम से बेसी से बेसी अदमीमन के जागरूक करल जाए। मानवाधिकार कर हनन रोकेक ले सरकार कर संगे देस में ढेरे एनजीओ आउर सामाजिक संगठन कार्जरत हय। कार्जकरम कर दौरान आम अदमीमन कर बीच बुकलेट कर भी बितरन करल गेलक।

बिसेस मध्यस्थता अभियान में सुलझाल गेलक 12 मामला

रांची। झालसा कर निरदेस में न्यायायुक्त-सह-अध्यछ (जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची) कर मार्गदरसन में पांच दिनक बिसेस मध्यस्थता अभियान चले लाइग हे। ई 13 दिसंबर, 2024 तक चली। उक्त तिथि त क वादकारी आ प न वाद के मध्यस्थता कर माध्यम से सुलझाय सकयंना। अभियान कर पहिल दिन बिभिन्न न्यायालयमन से 18 गो मामला हस्तांतरित होय के मध्यस्थता केंद्र में आय रहे। इकर में 16 गो मामला सुलझाल जाय रहे। दूसर दिन 19 गो मामला बिभिन्न न्यायालय से भेजल जाय रहे, जेकर में 14 गो मामला के जिला विधिक सेवा प्राधिकार कर मध्यस्थ कर द्वारा सुलझाल जाय रहे।

आइज यानी 11 दिसंबर के मध्यस्थता केंद्र में बिभिन्न न्यायालयमन से 12 गो मामला भेजल जाय रहे, जेकर में सउब 12 गो मामला के मध्यस्थ कर सूझबूझ आ उ र अथक प्रयास से सुलझाल गेलक।

दुईयों पछ राजी-खुसी से आपन मामला के सिरायेक तैयार होय गेल्यं। आउर मामलामन में एखन अंतिम अस्तर कर बातचीत बाकी हेके, सेले ऊ मामला बिसेस मध्यस्थ कर जगन अगला अस्तर कर सुनवाई ले लंबित आहे।

जेवीएम कर छउवामन वृद्धाश्रम में करलयं बुजुर्गों कर सेवा

रांची। बाल्य काल से हे छात्रमन में सामाजिक दायित्व आउर बुजुर्गमन कर प्रति सम्मान कर भावना से संपोसित करेक कर उद्देस से जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली कर छउवामन वृद्धाश्रम में बुजुर्गमन कर सेवा करलयं। इकर में कछा पांच कर चालीस गो बिद्यार्थी सामिल रहयं। सउब डीएवी नंदराज बिद्यालय कर परिसर इस्थित 'सीनियर सिटीजन होम' वृद्धाश्रम में रहेक वाला बुजुर्गमन से गोठियाय के उनकर भरपूर सेवा करलयं। छउवामन दीपावली से पहिले आपन हाथ से दीया बनाय के परदरसनी लगाय रहयं, जेके मेहमानमन आउर अभिभावकमन किन रहयं। परदरसनी से प्राप्त रासि से छउवामन वृद्धाश्रम ले जरुरी खाद्य-पदार्थ, गरम लुगा आउर अन्य जरूरत कर सामान भेंट करलयं। एतनेहे नई छउवामन वृद्धाश्रम में रहेक वाला 60 गो बुजुर्गमन ले भजन आउर गीत गालयं। छउवामन बुजुर्गमन के आपन हाथ से बनाल कार्ड भी देलयं।

प्राचार्य समरजीत जाना कहलयं सामाजिक दायित्व सेहे मानव कर गोटे बिकास होवेला। आइज जुवामन में पारिवारिक जिम्मेदारी आउर सामाजिक दायित्वमन कर प्रति अनदेखी करल जात हे अइसन में छउवामन के वृद्धाश्रम में लानेक कर मकसद बुजुर्गमन कर प्रति आदर सम्मान पैदा करेक आउर उनकर में बेस संस्कार पैदा करेक हय, जेकर से छउवामन कर मन में आपन बुजुर्ग दाद-दादी आउर नान-नानी कर प्रति सेवा आउर समर्पन भाव पैदा होवे।ई छउवामन कर पेयार -दुलार देइख के ढेइरे बुजुर्गमन कर आँइख में आँसू भी आए गेलक। उनके आपन पोता-पोटीमन कर याइद आवे लागलक। ऊमन छउवामन के आसीस देते कहलयं कि आपने आपन मांय-बाप के एतई पेयार देबा कि केऊ भी बुजुर्ग के वृद्धाश्रम कर जरूरते नी पड़े। प्राचार्य समरजीत जाना आपने ई पुनीत जात्रा कर नेतृत्वकर्ता बनलयं। मौका में बिद्यालय कर प्राथमिक बिभाग कर प्रभाग प्रभारी श्री दीपक सिन्हा, श्रीमती बिभा सिंह, श्रीमती सोनाली प्रसाद, श्रीमती सपना दास आदि कर आलावा आउर छउवामन टूर में सामिल रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com